@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 17 नवम्बर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 13 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

न नाम, न इनाम, बस देश आगे बढ़े ये अरमान चाहिए

एजेंसी

सूरत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुजरात दौरा किया। इस दौरान वह सूरत में निर्माणाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन पहुंचे, जहां उन्होंने मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर) की प्रगति की समीक्षा की। पीएम मोदी ने वहां काम कर रहे इंजीनियरों और कर्मचारियों से बातचीत भी की। इस दौरान एक कर्मचारी ने पीएम मोदी को कुछ खास पंक्तियां भी सुनाईं। इंजीनियरों और कर्मचारियों से बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे पूछा कि बुलेट ट्रेन के बारे में आपका क्या विचार है? क्या सही गति में काम चल रहा है? आप लोगों ने जो सोचा था, उसी टाइम टेबल से चल रहे हैं या आप लोगों को कोई दिक्कत हो रही है? इसके जवाब में इंजीनियरों ने कहा कि सब सही चल रहा है और

कोई दिक्कत नहीं है। केरल की एक युवती, जो रोबोटिक्स-आधारित ध्वनि नियंत्रण विभाग की देखरेख कर रही है, ने भी अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि वह पहली बार गुजरात आई हैं। बुलेट ट्रेन परियोजना में किस तरीके से रोबोटिक्स तकनीकी का उपयोग किया जा रहा है, इसकी जानकारी उन्होंने पीएम मोदी को दी। पीएम मोदी ने एक महिला कर्मचारी से पूछा कि वह भारत में पहली बार बुलेट ट्रेन बनने और शुरू होने को कैसे देखती हैं? इसको लेकर परिवार को क्या बताती हैं, जिस पर महिला ने जवाब दिया कि मुझे यह किसी सपने जैसा लगता है। आज मैं जो काम कर रही हूं वो आगे जाकर लोगों के लिए बहुत काम आएगा। मेरे और मेरे परिवार के लिए ये गर्व की बात है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमारे मन में यह भाव होना चाहिए कि मैं मेरे देश के लिए काम कर रही हूं। मैं देश को एक नई चीज दे रहा हूं। उन्होंने कर्मचारियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियां उनकी भूमिका और योगदान को याद

● बुलेट परियोजना से जुड़े श्रमवीरों ने पीएम मोदी को बताए अनुभ

रखेंगी। डिजाइन और इंजीनियरिंग नियंत्रण विभाग की देखरेख करने वाली श्रुति ने बताया कि हम पूरी तरह योजनाबद्ध तरीके से काम कर रहे हैं। हम पहले प्लान तैयार करते हैं और फिर उसी के अनुसार काम करते हैं। इस दौरान हम जो भी चुनौतियां आती हैं, उसे हल करते हैं, लेकिन अगर हमसे नहीं हो पाता है तो क्यों नहीं हो पा रहा है? यह जानने की कोशिश करते हैं। इसके बाद भी हल नहीं निकलता तो हम वैकल्पिक योजना का चुनाव कर स्टेप बाय स्टेप काम करते हैं।

बहन रोहिणी के अपमान पर भड़के तेज प्रताप, बोले-

इस अन्याय का परिणाम बेहद भयावह होगा

एजेंसी

पटना। राजद सुप्रीमो सीएम लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने बहन रोहिणी आचार्य से जुड़े विवाद पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने कहा कि मेरी बहन का अपमान किसी भी हाल में असहनीय है। सुन लो जयचंदों परिवार पर वार करोगे तो बिहार की जनता तुम्हें कभी माफ नहीं करेगी। तेज प्रताप यादव ने राजद प्रमुख लालू यादव से आग्रह करते हुए कहा कि आपका केवल एक इशारा और बिहार की जनता इन जयचंदों को जमीन में खुद गाड़ देगी। बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की करारी हार के बाद लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने भाई तेजस्वी यादव पर कई गंभीर आरोप लगाए। रोहिणी ने बताया है कि उन्हें पीटने के लिए चप्पल तक उठाई गई। रोहिणी के आरोप पर भाई तेज प्रताप ने सोशल मीडिया के माध्यम से जवाब दिया है।

जनता दल जनता (जेजेडी)

प्रमुख तेज प्रताप ने अपने पार्टी के इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, ''कल की घटना ने दिल को भीतर तक झकझोर दिया है। मेरे साथ जो हुआ, वह मैं सह गया, लेकिन मेरी बहन के साथ जो अपमान हुआ, वह किसी भी हाल में असहनीय है। सुन लो जयचंदोंपरिवार पर वार करोगे तो बिहार की जनता तुम्हें कभी माफ नहीं करेगी।' उन्होंने लिखा, 'जबसे मेरी रोहिणी बहन के चप्पल उठाने की खबर सुनी, दिल की आहत अब अग्नि बन चुकी है। जब जनमानस की भावनाएं आहत होती हैं तो बुद्धि पर पड़ी धूल उड़ जाती है। इन चंद चेहरों ने तेजस्वी की भी बुद्धि पर परदा डाल दिया है। इस अन्याय का परिणाम बेहद भयावह होगा। समय का लेखा-जोखा बड़ा कठोर है।' तेज प्रताप ने लिखा, 'मैं माननीय आरजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मेरे पिता, मेरे राजनीतिक गुरु लालू प्रसाद जी से आग्रह करता हूं। पिता जी, एक संकेत दीजिए। आपका केवल एक इशारा और बिहार की जनता इन जयचंदों को जमीन में गाड़ देने का काम खुद कर देगी। यह लड़ाई किसी दल की नहीं, परिवार के सम्मान, बेटी की गरिमा और बिहार के स्वाभिमान की लड़ाई है।'

एसआईआर: दूसरे चरण के लिए 50.97 करोड़ से अधिक ईपीएफ तैयार, अब तक बांटी गईं 97.52 प्रतिशत पर्चियां

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दूसरे चरण के तहत मतदाता पर्चियों (ईपीएफ) की छपाई और वितरण की स्थिति पर अपडेट जारी किया। छपाई में राजस्थान को छोड़कर सभी राज्यों ने 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया, जबकि वितरण में गोवा और लक्षद्वीप ने शत-प्रतिशत सफलता पाई। सबसे कम वितरण केरल (93.72 प्रतिशत) और पुडुचेरी (94.10 प्रतिशत) में रहा। चुनाव आयोग ने रविवार दोपहर 3 बजे जारी बुलेटिन के अनुसार, 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 50 करोड़ 99 लाख 72 हजार 687 मतदाताओं के लिए 50 करोड़ 97 लाख 43 हजार 180 पर्चियां (99.95 प्रतिशत) छप चुकी हैं, जबकि 49 करोड़ 73 लाख 39 हजार 480 पर्चियां (97.52 प्रतिशत) मतदाताओं तक वितरित की जा चुकी हैं। यह प्रक्रिया 4 नवंबर से 4 दिसंबर 2025 तक चलेगी, जिसमें मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन और ईपीएफ वितरण शामिल है। आयोग ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने का अनुरोध किया है ताकि पारदर्शिता बनी रहे। अंडमान-निकोबार में 3

● छपाई में राजस्थान को छोड़कर सभी राज्यों ने 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया।

लाख 10 हजार 404 पर्चियां (100 प्रतिशत) छपीं और 3 लाख 10 हजार 204 (99.94 प्रतिशत) वितरित हुईं। छत्तीसगढ़ में 2 करोड़ 12 लाख 30 हजार 737 पर्चियां पूरी छपीं, जिनमें से 2 करोड़ 5 लाख 8 हजार 57 (96.60 प्रतिशत) पहुंचाई गईं। गोवा में 11 लाख 85 हजार 34 पर्चियां (100 प्रतिशत) छपीं और सभी वितरित हुईं। गुजरात में 5 करोड़ 8 लाख 43 हजार 436 में से 5 करोड़ 4 लाख 15 हजार 497 (99.16 प्रतिशत) वितरित हुईं। केरल में 2 करोड़ 78 लाख 50 हजार 855 में से 2 करोड़ 61 लाख 1 हजार 675 (93.72 प्रतिशत) पर्चियां पहुंचीं। लक्षद्वीप में सभी 57

हजार 813 पर्चियां छपीं और पूरी वितरित हुईं। मध्य प्रदेश में 5 करोड़ 74 लाख 6 हजार 143 में से 5 करोड़ 70 लाख 89 हजार 80 (99.45 प्रतिशत) पर्चियां वितरित हुईं। राजस्थान में 5 करोड़ 46 लाख 56 हजार 215 (99.58 प्रतिशत) छपीं और 5 करोड़ 38 लाख 69 हजार 336 (98.15 प्रतिशत) पर्चियां वितरित हुईं। तमिलनाडु में 6 करोड़ 41 लाख 14 हजार 583 छपीं और 6 करोड़ 54 हजार 300 (93.67 प्रतिशत) पर्चियां वितरित हुईं। उत्तर प्रदेश में 15 करोड़ 44 लाख 30 हजार 92 में से 15 करोड़ 7 लाख 92 हजार 212 (97.64 प्रतिशत) पर्चियां पहुंचीं। पश्चिम बंगाल में 7 करोड़ 66 लाख 36 हजार 294 में से 7 करोड़ 59 लाख 94 हजार 997 (99.16 प्रतिशत) वितरित हुईं। आयोग ने बताया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) की मंजूरी से बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) नियुक्त करते हैं। आयोग के अनुसार कुल 5 लाख 33 हजार 93 बीएलओ और 10 लाख 41 हजार 291 बीएलए कार्यरत हैं। निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने सभी राज्यों को निर्देश दिया है कि 4 दिसंबर तक शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करें। मतदाता पर्ची में नाम, फोटो, पता और पोलिंग बूथ की जानकारी होती है, जो मतदान में सहायक है। राजनीतिक दलों से अपील की गई है कि अधिक से अधिक बीएलए नियुक्त करें ताकि किसी भी अनियमितता पर नजर रखी जा सके। यह प्रक्रिया लोकसभा और विधानसभा चुनावों की तैयारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आयोग ने मतदाताओं से अपील की कि अपनी पर्ची जांचें और यदि नहीं मिली तो निकटतम बीएलओ से संपर्क करें।

पाकिस्तान से जुड़े हथियार-ड्रग्स नेटवर्क का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

● 6 पिस्तौल और 1.1 किलो हेरोइन जत

एजेंसी

अमृतसर। पंजाब पुलिस ने सीमा पार तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान से संचालित एक खतरनाक हथियार और मादक पदार्थ नेटवर्क का पर्दाफाश किया है।

खुफिया जानकारी के आधार पर अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने पांच आरोपियों को धर दबोचा। उनके कब्जे से छह अत्याधुनिक पिस्तौल (पांच .30 बोर और एक ग्लॉक 9 मिमी) तथा 1 किलो 10 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कार्रवाई की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि आरोपी सोशल मीडिया और ड्रोन के जरिए पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में थे और पंजाब में हथियारों-ड्रग्स की तस्करी व वितरण का समन्वय करते थे। पुलिस ने शस्त्र अधिनियम और एनडीपीएस एक्ट के

तहत छेहरटा और कैंटोनमेंट थानों में एफआईआर दर्ज की है। पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए गहन जांच जारी है। यह कार्रवाई अमृतसर के सीमावर्ती इलाकों में हुई, जहां पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हथियार और ड्रग्स की खेपें आती रही हैं। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि गिरफ्तार आरोपी पंजाब के विभिन्न हिस्सों में नेटवर्क चला रहे थे। वे व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर पाकिस्तानी संचालकों से कोड वर्ड्स में बात करते थे। ड्रोन से सामान सीमा पार फेंका जाता था,

● पंजाब पुलिस भारत-पाक सीमा पर तस्करी रोकने और जन सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पिछले कुछ महीनों में ड्रोन आधारित तस्करी के 50 से अधिक मामले सामने आए हैं, जिनमें 100 से ज्यादा ड्रोन जत हुए। -डीजीपी

जिसे लोकल एजेंट उठाते थे। हेरोइन की यह खेप अफगानिस्तान से पाकिस्तान होते हुए भारत लाई गई थी। हथियार ऑस्ट्रिया और अमेरिका मूल के हैं, जो आतंकी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल हो सकते थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमृतसर, तरनतारन और फिरोजपुर के निवासियों के रूप में हुई है। मुख्य सरगना एक पूर्व तस्कर बताया जा रहा है, जो जेल से छूटने के बाद फिर सक्रिय हो गया। पुलिस ने उनके मोबाइल फोन, सिम कार्ड और ड्रोन पार्ट्स भी जब्त किए।

सीएम रेखा के नेतृत्व में हजारों महिलाओं का महिषासुर मर्दिनी पाठ

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 16 नवंबर। कश्मीरी गेट स्थित यमुना नदी के वासुदेव घाट पर कल अद्भुत दृश्य देखने को मिला। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हजारों महिलाओं ने यमुना मैया के तट पर महिषासुर मर्दिनी का पाठ किया। सस्वर पाठ करती इन महिलाओ का स्पष्ट संदेश था कि कोई आतंकी, कोई जिहादी, कोई देशद्रोही, जो दिल्ली को डराने की कोशिश करे, वह न दिल्ली को डरा सकता है, न देश को डरा सकता है। वासुदेव घाट पर आयोजित इस भव्य व आध्यात्मिक 'महाशक्ति आराधना कार्यक्रम' में मुख्यमंत्री ने सभी सखियों, बहनों का आह्वान किया कि आज समाज को और देश को आपकी ज़रूरत है। इसलिए आगे आकर दुर्गा का रूप धारण कर आप लोग अपनी भूमिका निश्चित करें और मिलकर राष्ट्र-निर्माण के काम में आगे बढ़कर अपना दायित्व भी निभाएं। दिल्ली से गुजरने वाली पौराणिक नदी यमुना पर ऐसा कार्यक्रम आजादी के बाद पहली बार हुआ है। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग, (दिल्ली संस्कृत अकादमी) व विश्वमांगल्य सभा और के संयुक्त आयोजन में मुख्यमंत्री के अलावा केंद्रीय राज्य मंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा तथा कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री श्री कपिल मिश्रा विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस आयोजन में महिषासुर मर्दिनी स्तोत्र और श्री यमुना जी की महाआरती ने पूरे वातावरण को भक्तिभाव व राष्ट्र-प्रेम से भर दिया। हजारों की संख्या

में दिल्ली की महिलाएं, परिवार और श्रद्धालु इस दिव्य आयोजन का हिस्सा बने। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने समाज और राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर संदेश देते हुए कहा कि आज यदि साधारण परिवार से आई हुई एक बेटी इस राज्य के मुख्यमंत्री के पद तक पहुंच सकती है तो आप में से कोई भी अपने मन चाहे आकाश को पा सकता है, केवल थोड़ा सा हाथ बढ़ाकर आगे आने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि अपने स्वयं के इस चक्रव्यूह से निकलकर थोड़ा सा आगे देखें और अपनी जिम्मेदारियों को समझें। यह जिम्मेदारी वह है जहां परिवार के साथ-साथ देश के प्रति भी जिम्मेदारी का भाव पैदा हो। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम आयोजकों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें विश्वास दिलाया कि वह दिन दूर नहीं जब मां यमुना अपने अविरल रूप में दिल्ली से लेकर आगे के पूरे पथ पर दिखाई देंगी। कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री श्री कपिल मिश्रा ने मुख्यमंत्री के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में चाहे वह तीज का कार्यक्रम हो, नवरात्री के गरबा उत्सव हों, दीपावली का महोत्सव हो, छठ की पूजा हो या आज यहां महिषासुर मर्दिनी का पाठ। ऐसा आयोजिन दिल्ली के इतिहास में कभी पहले न देखा, न सुना। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति तब कुंठित होती है, जब वह शिक्षा से वंचित की जाती है, कुप्रथाओं से कुचली जाती है, लेकिन जब वही मातृशक्ति अपने तेज को पहचान लेती है, तब मातृशक्ति से ही छत्रपति शिवाजी जैसे वीर पुत्र पैदा होते हैं। श्री कपिल मिश्रा ने यह भी कहा कि जैसे मां दुर्गा ने महिषासुर, चंड-मुंड और रक्तबीज का विनाश किया था, वैसे ही आतंकवादियों का विनाश भारत की नारी-शक्ति करेगी।

लाल किला धमाका : एनआईए ने पकड़ा आत्मघाती हमलावर उमर नबी का सहयोगी अमीर राशिद अली

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने राजधानी दिल्ली में 10 नवंबर को लाल किला क्षेत्र में हुए कार बम धमाके में कश्मीर के रहने वाले अमीर राशिद अली को गिरफ्तार कर लिया है। राशिद ने ही कथित आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी के साथ मिलकर यह हमला करने की साजिश रची थी। इस धमाके में 10 से ज्यादा लोग मारे गए और 32 लोग घायल हुए थे। एनआईए के अनुसार जांच में सामने आया कि धमाके में इस्तेमाल हुई कार अमीर राशिद अली के नाम पर रजिस्टर्ड थी। फोरेंसिक जांच से पुष्टि हुई है कि विस्फोटक युक्त वाहन का चालक उमर उन नबी था। उमर पुलवामा जिले का निवासी था और फरीदाबाद में अल फलाह यूनिवर्सिटी के जनरल मेडिसिन विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत था। एनआईए ने उमर उन नबी का एक और वाहन भी जब्त किया है।

दलित समाज की वीरांगनाओं को इतिहास के पन्नों में उचित स्थान नहीं मिला : राजनाथ सिंह

● राजनाथ सिंह और योगी आदित्यनाथ ने ऊदा देवी पासी की प्रतिमा का किया अनावरण

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को वृन्दावन योजना में वीरांगना ऊदा देवी पासी की प्रतिमा का लोकार्पण किया। इस अवसर पर राजनाथ सिंह ने कहा कि दलित, आदिवासी वीरांगनाओं और पिछड़े समुदायों के असंख्य वीरों को इतिहास के पन्नों में उचित स्थान नहीं मिला। इन नायकों को न सिर्फ पढ़ाया जाना चाहिए था बल्कि उनको पूजा भी जाना चाहिए था। महाराजा बिजली पासी, महाराजा सतान पासी, महाराजा लाखन पासी, महाराजा सुहेलदेव, महाराजा छेटा

पासी और महाराजा दालदेव, राजा गंगा बख्श रावत, झलकारीबाई, अवंतीबाई और महावीरी देवी, ये वह नाम हैं जो सोने के अक्षरों में अंकित होने योग्य हैं। उन्होंने कहा कि इतिहासकारों ने इस वीर समुदाय के इतिहास पर रिसर्च नहीं की। पहले की सरकारों ने कभी भी पासी साम्राज्य के बारे में जानकारी एकत्र करने की कोशिश नहीं की।

राजनाथ सिंह ने कहा कि वामपंथी इतिहासकारों ने अपनी सुविधानुसार इतिहास को लिखा, जिसमें दलित और पिछड़े समाज के नेताओं की वीरता और बलिदान को दरकिनार किया गया। पूर्व की सरकारों ने भी पासी और दलित समाज के नायकों को उचित स्थान नहीं दिया। यह हमारा दायित्व है कि हम उस विस्मृत इतिहास को पुनः सामने लाएँ, ताकि पासी समाज जैसे समुदायों का योगदान देश की चेतना में फिर से जीवित हो, क्योंकि राष्ट्र की असली ताकत तभी पूरी तरह प्रकट होती है जब हर वर्ग, हर समुदाय और हर बलिदान को उसका सम्मानजनक स्थान मिले। केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जब वर्ष 2000 में हमारी एनडीए की सरकार बनीं थी तब हमने राजा बिजली पासी की स्मृति में डॉंक टिकट जारी करके उनको श्रद्धांजलि दी थी।

बिहार चुनाव में बसपा उम्मीदवार को हराने का षड़यंत्र कार्यकर्ताओं ने किया विफल: मायावती

● बिहार में केवल एक रामगढ़ विधानसभा सीट पर बसपा ने जीत की है दर्ज

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) बिहार विधानसभा चुनाव में एक सीट जीतने में सफल रही है। पार्टी प्रमुख ने मायावती ने उम्मीदवार हराने के विरोधी पार्टी और प्रशासन पर कैमूर ज़िले की रामगढ़ विधानसभा सीट से बसपा उम्मीदवार को हराने का प्रयास करने का आरोप लगाया। रविवार को पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सोशल मीडिया के माध्यम से उक्त मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि विरोधी पार्टी और प्रशासन एकजुट होकर वोटों की बार-बार गिनती कराने के बहाने बसपा के उम्मीदवार को हराने

का पूरा प्रयास किया गया, लेकिन पार्टी के बहादुर कार्यकर्ताओं का पूरे समय तक डटे रहने से विरोधियों का यह षडयंत्र सफल नहीं हो सका। बसपा प्रमुख मायावती ने बिहार में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर अपनी पोस्ट में लिखा, 'बसपा उम्मीदवार अपने विरोधियों को कड़ी टक्कर देने के बावजूद चुनाव नहीं जीत सके। अगर चुनाव पूरी तरह से फ्री एण्ड फेयर होता तो बसपा और भी कई सीटें ज़रूर जीतती, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। इससे पार्टी के लोगों को घबराने की ज़रूरत नहीं बल्कि आगे और भी अधिक तैयारी के साथ काम करना है।' उन्होंने कहा कि इस चुनाव में कैमूर ज़िले की रामगढ़ विधानसभा सीट (संख्या 203) पर बसपा उम्मीदवार सतीश यादव को जीत दिलाने के लिये पार्टी के सभी लोगों को बधाई और पूरे तहेदिल से आभार। पदाधिकारी- कार्यकर्ता आगे भी बिहार की जनता की सेवा में पूरे जी-जान से लगे रहे ताकि बिहार में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर और कांशीराम के सपनों की, 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' की धरती बन सके।

राजस्थान के जोधपुर में हाइवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में गुजरात के 6 श्रद्धालुओं की मौत

एजेंसी

अहमदाबाद। राजस्थान के जोधपुर-बालेसर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आज रविवार की सुबह भीषण सड़क हादसा हुआ। इस दुर्घटना में गुजरात के बनासकांठा और धनसुरा जिले के छह लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हैं। मृतकों में तीन महिलाएं हैं। राजस्थान पुलिस के अनुसार गुजरात के बनासकांठा और धनसुरा जिले से रामदेवरा दर्शन करने जा रहे 20 श्रद्धालु टेंपो में सवार थे और सुबह करीब 5 बजे खारी बेरी गांव के पास टेंपो की अनाज से भरे ट्रेलर से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भयंकर थी कि मौके पर ही तीन महिलाओं की मौत हो गई बालेसर पुलिस स्टेशन के अधिकारी मूलसिंह भाटी ने बताया कि टेंपो जोधपुर की ओर जा रहा था, तभी सामने से आ रहे अनाज से भरे ट्रेलर से उसकी सीधी टक्कर हो गई। टेंपो का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कई यात्री उसमें फंस गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बचाव कार्य शुरू किया गया और घायलों को तुरंत बालेसर अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन मौके पर तीन महिलाओं की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर की मथुरादास माथुर (एमडीएम) अस्पताल रेफर किया गया, जहां तीन और लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अब तक कुल 6 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है।

देर रात मिली दो ट्रेनों में बम रखे होने सूचना, यात्रियों में मचा हड़कंप

-एक ट्रेन को अलीगढ़ तो दूसरी को इटावा में रोक कर किया चेक, अफवाह निकली

इटावा (एजेंसी)। दिल्ली ब्लास्ट के बाद बम की सूचना ने रेलवे और पुलिस प्रशासन की नींद उड़ा दी। दो ट्रेनों में बम की सूचना मिली थी। इससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। दोनों ट्रेनों को रोककर जांच की गई। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात पुलिस महकमे में उस समय अफरा तफरी मच गई जब इटावा जंक्शन पर दिल्ली से आने वाली दो ट्रेनों स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस व शिवगंगा काशी एक्सप्रेस में बम रख होने की सूचना मिली तुरंत चेकिंग के निर्देश दिए गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस को अलीगढ़ में चैक किया। शिवगंगा ट्रेन को इटावा में चैक किया गया। एसएसपी पुलिस बल के साथ स्टेशन पर पहुंचे और चैकिंग की। हालांकि चेकिंग में कुछ नहीं मिला। यह खबर झूठी निकली। कुछ देर बाद ट्रेन को रवाना किया गया।

सोनभद्र में खदान धंसने से बड़ा हादसा : 1 की मौत, 15 के दबे होने की आशंका

सोनभद्र (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में शनिवार शाम बड़ा हादसा हो गया, जब ओबरा थाना क्षेत्र के बिल्ली मरकुंडी खनन इलाके में पत्थर की खदान धंस गई। हादसे में अब तक एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि करीब 15 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गईं और रातभर से राहत-बचाव कार्य जारी है। भारी मलबे को हटाने के लिए बड़ी मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जैसे-जैसे मलबा हटेगा, फंसे लोगों तक पहुंचने की उम्मीद बढ़ेगी। घटनास्थल के आसपास के गांवों में दहशत और बेचैनी का माहौल है।

माकपा ने तमिलनाडु में गणना फॉर्म समय सीमा बढ़ाने की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। माकपा ने आरोप लगाया कि 2002 से संबंधित मतदाता सूची में परिवार के सदस्यों के नाम ऑनलाइन ढूंढना बेहद कठिन है। पार्टी ने निर्वाचन आयोग से आग्रह किया है कि गणना फॉर्म जमा करने की समय सीमा 4 दिसंबर तक बढ़ाई जाए। निर्वाचन आयोग ने दावा किया था कि 13 नवंबर तक लगभग 80 प्रतिशत मतदाताओं को फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं। माकपा ने इस दावे पर संदेह जताते हुए सभी लोगों तक फॉर्म का उचित वितरण सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों के हस्तक्षेप की मांग की है। माकपा के राज्य सचिव पी. षणमुगम ने कहा कि बीएलओ अक्सर फॉर्म के दायरे और भरने के मुख्य बिंदुओं को समझाने में कठिनाई महसूस करते हैं। इसलिए निरक्षर मतदाता फॉर्म भरने में मुश्किलों का सामना करते हैं और उन्हें समय सीमा बढ़ाने की जरूरत है।

सुकमा में नक्सलियों के साथ मुठभेड़, तीन की मौत

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के भेज्जी और चिंतागुफा थाना क्षेत्रों में रविवार सुबह जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की टीम ने नक्सल विरोधी अभियान चलाया। माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, मुठभेड़ में अब तक तीन नक्सली मारे गए हैं। अभियान अभी भी जारी है। इस साल छत्तीसगढ़ में अब तक कुल 262 नक्सली मारे जा चुके हैं। इनमें से 233 बस्तर संभाग (सुकमा सहित सात जिले) में, 27 गरियाबंद जिले (रायपुर संभाग) में और दो दुर्ग संभाग के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में मारे गए। सुरक्षाबलों की यह कार्रवाई राज्य में नक्सली गतिविधियों को कम करने के प्रयासों का हिस्सा मानी जा रही है।

ट्रेन में बुजुर्ग दंपति के बैग से 50 लाख के गहने चोरी, 4 सदस्यीय गैंग गिरफ्तार

कोझिकोड (एजेंसी)। चेन्नई-मेंगलुरु ट्रेन में यात्रा कर रहे एक बुजुर्ग दंपति के बैग से करीब 50 लाख रुपये के सोने और हीरे के गहने चोरी करने वाले चार आरोपियों को रेलवे पुलिस ने गिरफ्त में ले लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी हरियाणा के रहने वाले हैं और एक अंतरराज्यीय चोर गिरोह का हिस्सा हैं। चोरी को लेकर दंपति ने मीडिया को बताया कि यात्रा के दौरान दो हिंदी भाषी युवकों ने बैग ऊपर रखने में उनकी मदद की थी। कोयिलांडी स्टेशन पहुंचने पर उन्हें गहने गायब मिले। शिकायत के बाद पुलिस ने रिजर्वेशन चार्ट, सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल नंबरों की लोकेशन के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। सुराग मिलने पर पुलिस ने केरल-कर्नाटक बॉर्डर के पास चारों आरोपियों को पकड़ा और चोरी किए गए सभी गहने बरामद कर लिए। जांच में सामने आया कि यह गिरोह एसी कोच में टिकट बुक कर अमीर यात्रियों को निशाना बनाता था। पुलिस ने बरामद गहने दंपति को लौटाने की तैयारी कर ली है। आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा।

18 तक महिलाएं कराएं ई-केवाईसी, तभी मिलेगा लड़की बहिन योजना का लाभ

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने महिला कल्याण की प्रमुख योजना मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना के लाभार्थियों से कहा है कि वे अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया 18 नवंबर तक पूरी कर लें। सरकार इस सत्यापन को जरूरी कर रही है ताकि असली और पात्र महिलाएं ही इस योजना का लाभ ले सकें। शुरुआती जांच में लाखों संदिग्ध रिकार्ड मिले थे कुछ में पुरुषों का नाम भी था इसलिए यह कदम उठाया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक योजना जून 2024 में शुरू की गई थी। इसके तहत हर एलिजिबल महिला को हर महीने 1500 रुपए सीधे उनके बैंक खाते में डाले जाते हैं। विभाग ने कहा कि भुगतान सिर्फ उन्हीं को जारी होगा जिन्होंने तय समय में ई-केवाईसी पूरा किया होगा। अक्टूबर तक करीब 90 फीसदी रजिस्टर्ड महिलाओं ने ई-केवाईसी पूरी कर ली थी, ऐसा बताया गया है। सरकार ने ई-केवाईसी अनिवार्य इसलिए किया है ताकि फर्जी या गलत रिकॉर्ड हटाए जा सकें और सरकारी राशि सही लाभार्थियों तक पहुंचे जिन महिलाएं अभी तक वेरिफिकेशन नहीं कराया है, उन्हें सरकार की तरफ से दी गई नई अंतिम तिथि का ध्यान रखना होगा, वरना उन्हें लाभ बंद होने का खतरा है।

आतंकी उमर ने घर में बना रखी थी बम बनाने की प्रयोगशाला

– पाकिस्तान के हैंडलर वीडियो भेजकर देते थे ट्रेनिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कार धमाके और आतंकी उमर को लेकर लगातार खुलासे हो रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि धमाका करने वाले आतंकी ने अपने किराए के मकान में ही बम बनाने की प्रयोगशाला तैयार की थी। वहीं पाकिस्तान के हैंडलर उसे ट्रेनिंग देते थे। सूत्रों का कहना है कि उसने कार में आईईडी रखी थी जो कि ठीक से असेंबल नहीं थी। यह आईईडी उसने अपने घर पर ही तैयार की थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उमर के मकान में छापेमारी के दौरान बम की फैक्ट्री पाई गई है जिसमें कई टेस्टिंग उपकरण भी मौजूद थे। फरीदाबाद से डॉ. मुजम्मिल की गिरफ्तारी के बाद उमर की लैब के बारे में पता चला था। एक रिपोर्ट में कहा गया था कि डॉ, मुजम्मिल और डॉ.

अदील पाकिस्तान में बैठे जैश के हैंडलर फैसल, हाशिम और उकाशा के साथ सीधे संपर्क में थे। वे टेलिग्राम के जरिए बात करते थे।

एजेंसियों का मानना है कि डॉ. उमर बम बनाने में एक्सपर्ट था, इसीलिए उसने अपने ही घर पर लैब बना रखी थी। पाकिस्तान से उसे वीडियो भेजे जाते थे। हैंडलर्स के निर्देश के मुताबिक ही केमिकल का इस्तेमाल करता था। जांच में फरीदाबाद में दो जगहों से 358 किलोग्राम और 2563 किलो विस्फोटक बरामद हुआ था।

यह विस्फोटक सूटकेस और बैग में पैक था। इसमें कोई भी धातु का टुकड़ा नहीं था। आम तौर पर आतंकी बम में लोहे के छर्रों का इस्तेमाल करते हैं जिससे घायल होने वालों की तादाद बढ़ जाती है। एजेंसियों का कहना है कि शनिवार को नौगाम के थाने में हुआ विस्फोट भी फरीदाबाद मॉड्यूल से जुड़ा था। फरीदाबाद से बरामद किया गया विस्फोटक नौगाम थाने में जांच के लिए रखा था। डीजीपी ने बताया था कि सैंपलिंग के दौरान ही इसमें धमाका हुआ था।

उमर फरार होने में कैसे कामयाब हो गया? एजेंसी पनाह देने वालों से कर रही पूछताछ

फरीदाबाद (एजेंसी)। 10 नवंबर को दिल्ली के लाल किले के पास आतंकी घटना को अंजाम दिया गया था, जिसमें 13 लोगों की जान चली गई और कई लोग अस्पताल में जिंदगी और मौत से लड़ रहे थे। इस घटना के तार फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े मिले। कुछ घंटों पहले ही जम्मू कश्मीर पुलिस ने फरीदाबाद से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया था। पुलिस की जांच में सामने आया कि लाल किले के सामने कार धमाका करने वाला उमर, डॉक्टर मुजम्मिल का करीबी था, जिसे पुलिस ने पहले ही हिरासत में लिया था लेकिन सवाल यह है कि बाकी संदिग्धों के साथ उमर क्यों नहीं पकड़ा गया और वह फरार होने में कैसे कामयाब हो गया?

दरअसल 30 अक्टूबर को जम्मू कश्मीर पुलिस ने डॉक्टर मुजम्मिल को हिरासत में लिया था। उमर को तभी खतरे का आभास हो गया और वह यूनिवर्सिटी छोड़कर भाग गया। उमर और मुजम्मिल पिछले दो साल से देश में किसी बड़ी आतंकी घटना की साजिश रच रहे थे। अल-फलाह विश्वविद्यालय के ही एक इलेक्ट्रिशियन ने उसे हिदायत कॉलोनी में किराए पर घर दिलवाया था। पुलिस ने घर के मालिक को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की है।

उमर और मुजम्मिल अपने मॉड्यूल को चलाने के लिए हवाला के जरिए पैसे भी ट्रांसफर करते थे। पुलिस उस हवाला नेटवर्क की तलाश कर रही है। दो हवाला ऑपरेटर्स की जांच भी जारी है। इसी कड़ी में पुलिस ने फरीदाबाद, नूंह समेत कई जगहों पर छापेमारी की है। यूनिवर्सिटी पर जांच एजेंसियों की पैनी नजर है। परिसर में पुलिस तैनात है। यूनिवर्सिटी में जाने-आने वाले लोगों की कड़ी निगरानी की जा रही है।

लाल कि़ला मेट्रो स्टेशन के सभी गेट फिर से खुले, सामान्य हुई आवाजाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने जानकारी दी है, कि सुरक्षा समीक्षा पूरी होने के बाद लाल कि़ला मेट्रो स्टेशन के सभी गेट यात्रियों के लिए खोल दिए गए हैं। स्टेशन पर अब सामान्य संचालन बहाल हो गया है।

इससे पहले शनिवार को डीएमआरसी ने चरणबद्ध तरीके से गेट नंबर दो और तीन को खोला था, जबकि शेष गेट सुरक्षा एजेंसियों की अनुमति मिलने तक बंद थे। यात्रियों की बढ़ती आवाजाही और जांच पूरी होने के बाद अब सभी एंट्री और एग्जिट पॉइंट खोल दिए गए हैं, जिससे स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन में भी राहत मिली है। उल्लेखनीय है कि सोमवार, 10 नवंबर की शाम लाल कि़ला मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में विस्फोट हुआ था। केंद्र सरकार ने इस घटना को 'आतंकवादी हमला' करार दिया था। धमाके में कम से कम 12 लोगों की मौत हुई, जबकि कई अन्य घायल हुए थे। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी और एहतियातन लाल कि़ला मेट्रो स्टेशन को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। बीते दिनों एनआईए और दिल्ली पुलिस की टीमों ने घटनास्थल व आसपास के इलाके की गहन तलाशी ली। जांच में प्रगति होने और सुरक्षा स्थिति सामान्य होने के बाद स्टेशन को दोबारा खोलने का निर्णय लिया गया। मेट्रो अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे स्टेशन पर सुरक्षा जांच में सहयोग करें और किसी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत अधिकारियों को दें। इसके साथ ही डीएमआरसी ने आश्वासन दिया है कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी आवश्यक कदम लगातार उठाए जा रहे हैं।

बिहार में वोट कटवा पार्टी बनी जनसुराज, महागठबंधन को पहुंचाया नुकसान

–ओवैसी की पार्टी ने किया अच्छा प्रदर्शन, तो बसपा ने भी खोला खाता

नई दिल्ली(एजेंसी)। पटना,(ईएमएस)। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड जीत हासिल हुई है। सत्ताधारी गठबंधन को 202 सीटें मिलीं, जबकि महागठबंधन सिर्फ 35 सीटें ही हासिल कर सका। दोनों खेमों के लिए यह नतीजा चौंकाने वाला रहा। कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह रिजल्ट हम सबके लिए अविश्वसनीय है। न सिर्फ कांग्रेस, बल्कि बिहार की जनता और हमारे गठबंधन सहयोगी भी इस पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। किसी पार्टी का 90फीसदी स्ट्राइक रेट हो, ऐसा कभी नहीं हुआ। हम पूरे बिहार से डेटा इकट्ठा कर रहे हैं और गहन विश्लेषण करेंगे।

राजनीतिक रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी पहली बार मैदान में उतरी। भले ही पार्टी एक भी सीट नही जीत सकी, लेकिन 3.4 फीसदी वोट हासिल किए हैं। जन सुराज का खाता तो नहीं खुला, लेकिन दोनों गठबंधनों के लिए वोट कटवा साबित हुई। पीके की पार्टी ने जिन 238 सीटों

पर चुनाव लड़ा, वहां एक सीट पर दूसरे स्थान पर रही। 129 पर तीसरे, 73 पर चौथे, 24 पर पांचवें और 12 पर छठे से नौवें स्थान के बीच रही। इस तरह पार्टी ने दोनों एनडीए और एमजीबी को नुकसान पहुंचाया। 33 विधानसभाओं में जन सुराज का वोट शेयर जीत के अंतर से ज्यादा था। इनमें से 18 पर एनडीए और 13 पर महागठबंधन जीता।

वहीं बहुजन समाज पार्टी ने 181 सीटों पर चुनाव लड़ा। एक सीट जीती और एक पर दूसरे स्थान पर रही। बरसों से इंडिया गठबंधन की पार्टियां बसपा पर बीजेपी की बी-टीम होने का आरोप लगाती रही हैं। यूपी विधानसभा और लोकसभा चुनावों के बाद ये आरोप और तेज हो गए। बिहार के नतीजों से संकेत मिलता है कि मायावती की बसपा ने महागठबंधन को एनडीए से ज्यादा नुकसान पहुंचाया। 20 सीटों पर बसपा ने जीत के अंतर से ज्यादा वोट हासिल किए। इनमें से 18 पर एनडीए और सिर्फ 2 पर एमजीबी जीती। मायावती की मौजूदगी ने 90 फीसदी मामलों में एनडीए के पक्ष में काम किया।

असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम ने बिहार में काफी अच्छा प्रदर्शन किया और 5 सीटें जीतीं। इसने 2020 के प्रदर्शन को बरकरार रखा। एआईएमआईएम एक सीट पर दूसरे स्थान पर भी रही। इसने 9 विधानसभाओं के नतीजों को प्रभावित किया, जहां इसके वोट जीत के अंतर से ज्यादा थे। इनमें से 67फीसदी सीटें एनडीए के पास गईं और 33फीसदी एमजीबी के पास। चुनावी नतीजों से संकेत मिलता है कि तीन-तरफा मुकाबला एनडीए के लिए काफी फायदेमंद साबित हुआ। आरजेडी को 23.4फीसदी वोट मिले लेकिन सिर्फ 25 सीटें हासिल हुईं। बीजेपी ने 20.4फीसदी और जेडीयू 19.6फीसदी वोट शेयर के साथ तीन गुना ज्यादा सीटें हासिल हुईं। इससे पता चलता है कि एनडीए ने अपने वोट बैंक को एकजुट किया जबकि विपक्ष का वोट बिखर गया।

संदिग्ध आतंकी जुबैर हंगरगेकर के मोबाइल में बड़ा राज, पाकिस्तान कनेक्शन का खुलासा

पुणे (एजेंसी)। संदिग्ध आतंकी जुबैर हंगरगेकर की कॉन्टैक्ट लिस्ट में पाकिस्तानी नंबर मिलने की जानकारी सामने आई है। जुबैर हंगरगेकर के मोबाइल की कॉन्टैक्ट लिस्ट में 5 अंतरराष्ट्रीय नंबर मिले हैं। हंगरगेकर के पुराने और इस्तेमाल किए गए हैंडसेट में खाड़ी देशों के नंबर मिले हैं। बताया जा रहा है कि पुराने हैंडसेट में 1 नंबर पाकिस्तान का, 2 नंबर सऊदी अरब के, 1 नंबर ओमान का और 1 नंबर कुवैत का है। देखा गया है कि इस्तेमाल किए गए मोबाइल में ओमान का 1 नंबर और सऊदी अरब के 4 नंबर सेव हैं। इस नंबर के बारे में पूछे जाने पर हंगरगेकर ने पूछताछ के दौरान पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। एक अधिकारी के अनुसार संदिग्ध आतंकी जुबैर हंगरगेकर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आपको बता दें कि जुबैर इलियास हंगरगेकर को आतंकवादी संगठन अलकायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट (एक्यूआयएस) के समर्थन में जिहाद फैलाने और देश की एकता व सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मूल रूप से महाराष्ट्र के सोलापुर के रहने वाले हंगरगेकर फिलहाल कल्याणीनगर स्थित एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करता था। वह शादीशुदा हैं और उसके दो बच्चे हैं। उसका परिवार पुणे के कोंढवा इलाके में रहता है। इस बीच, एटीएस मामले की गहन जाँच कर रही है और यह पता लगा रही है कि क्या हंगरगेकर का अलकायदा सदस्यों से कोई संबंध था, उसके पास यह सामग्री क्यों और किस उद्देश्य से थी। पुलिस उसके दोस्त से भी पूछताछ करेगी और उसके मोबाइल व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जाँच करेगी। यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या वह किसी अन्य आतंकवादी संगठन के संपर्क में था। ये सभी अंतरराष्ट्रीय नंबर जुबैर हंगरगेकर के लिए महत्वपूर्ण हैं और अनुमान लगाया जा रहा है कि उसका आतंकवादी कनेक्शन सामने आ सकता है। हालाँकि, इस नंबर के बारे में पूछे जाने पर हंगरगेकर ने गोलमोल जवाब दिया है कि उसे नहीं पता कि यह नंबर किसका है या इसका क्या संबंध है।

एटीएस अधिकारियों ने कहा, हंगरगेकर का अल-कायदा सदस्यों से संपर्क था या नहीं और उस संपर्क का उद्देश्य क्या था, इसकी जाँच चल रही है। हम यह भी पता लगा रहे हैं कि उसके पास अल-कायदा की सामग्री क्यों और किस उद्देश्य से थी। उसकी हिरासत में मौजूद उसके दोस्त से पूछताछ की जाएगी और उसके मोबाइल व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की भी जाँच की जाएगी। यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या वह किसी अन्य आतंकवादी संगठन के संपर्क में आया था। इस बीच, एटीएस ने इस महीने की शुरुआत में शहर के विभिन्न इलाकों में तलाशी अभियान चलाया था। यह अभियान आईएसआईएस के एक पुराने मॉड्यूल की जाँच से जुड़ा था। उस समय संदिग्ध कट्टरपंथी व्यक्तियों पर नज़र रखी जा रही थी। इस अभियान के दौरान 19 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था, लेकिन पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। इन छापों के दौरान पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के साथ कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज़ भी ज़ब्त किए थे।

भारत-नेपाल सीमा से अवैध रुप से प्रवेश कर रहे दो ब्रिटिश नागरिक गिरफ्तार

–दो डॉक्टर हैं और नेपालगंज अपने डॉक्टर मित्र से मिलने आए थे

बहराइच (एजेंसी)। दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार धमाके के बाद से पुलिस और जांच एजेंसियां अलर्ट हैं। यूपी के कई शहरों में भी जांच चल रही है। ताबड़तोड़ छापे मारे जा रहे हैं। इस बीच बहराइच में भारत-नेपाल सीमा से भारतीय सीमा में घुसपैठ कर रहे दो ब्रिटिश नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक 35 साल का पाकिस्तानी मूल का युवक और दूसरी 61 साल की महिला जो भारतीय मूल (उडुपी कर्नाटक) की ब्रिटिश नागरिक है। दोनों को उसय गिरफ्तार किया गया, जब वह बिना किसी वैध वीजा के भारत में प्रवेश कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस और एसएसबी ने दोनों कोर्ट में पेश किया। ऐसा बताया जा रहा कि यह डॉक्टर हैं। यह भी कहा जा रहा है कि वे नेपालगंज में अपने डॉक्टर मित्र से

मिलने आए थे। हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। दोनों की पहचान सुमित्रा ओलिविया (61) पुत्री जान फ्रेडरिक सुमित्रा निवासी मूल रूप से उड्पी कर्नाटक, ब्रिटिश पासपोर्ट होल्डर और ओसीआई कार्ड होल्डर है। उसका वर्तमान पता 25 हरकॉम्ब ड्राइव, ग्लौकेस्टर यूनाइटेड किंगडम है और हस्सन अम्मान (35) पुत्र मोहम्मद सलीम (पाकिस्तानी मूल) वर्तमान निवासी ए-1 डलमोरटन रोड मैनचेस्टर यूनाइटेड किंगडम के रूप में हुई है। दोनों को वैध दस्तावेजों के अभाव में प्राथमिकी दर्ज कर कोर्ट बहराइच भेज दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक रुपईडीहा थानाध्यक्ष ने बताया कि शनिवार सुबह 10 बजे नेपालगंज से रुपईडीहा आ रहे दोनों को शक के आधार पर पूछताछ की। इन दोनों को रोककर इनके प्रपत्र देखे गए तो पता लगा कि इनके पास भारत प्रवेश के कोई दस्तावेज ही नहीं है। दोनों पर कानून के तहत कार्रवाई की गई है।

आग बुझाते वक्त पानी में बहे सबूत ! दिल्ली धमाके वाली जगह पर मिले प्रतिबंधित कारतूस

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में हुए दिल्ली धमाके की जांच काफी तेजी से चल रही है। अब तक करीब 3 तीन दर्जन आरोपियों को इस मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। इस मामले में एनएसजी ने अपनी सीलबंद रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय समेत संबंधित जांच एजेंसी को सौंप दी है। सूत्रों का कहना है कि बम में किस-किस विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया और इसके कुछ और इंटरनल पहलुओं की जांच के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई है। जिस पर एजेंसियों ने काम करना शुरू कर दिया है। हालांकि, सूत्रों ने यह भी बताया है कि धमाके के बाद फायर ब्रिगेड ने आग बुझाने के लिए इतना पानी इस्तेमाल किया कि उसमें धमाके के काफी अहम सबूत बह गए। जिससे सैंपल जुटाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी।

इधर, मामले की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) दिल्ली से लेकर फरीदाबाद और श्रीनगर समेत कई अन्य शहरों में संदिग्धों के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। अभी तक 50 डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ समेत 150 लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा पकड़े गए आठों आरोपियों और बम धमाके में मारे गए डॉक्टर उमर के मोबाइल फोन और लोकेशन के आधार पर इन क्लू की सीक्वेंस मिलाई जा रही है। एनआईए की एक टीम अब आधिकारिक रूप से जम्मू-कश्मीर स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के साथ गिरफ्तार आठों आरोपियों से पूछताछ में शामिल हो गई है। कुछ कारों में बम प्लांट करने और अन्य जगह पर भी विस्फोटक छिपाए जाने का शक है। फरीदाबाद और जम्मू-कश्मीर ही नहीं बल्कि दिल्ली, लखनऊ और अन्य शहरों के भी कुछ डॉक्टरों के डेटा खंगाले जा रहे हैं। एनआईए ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में लुधियाना निवासी जनीसुर आलम को गिरफ्तार किया था। जिसके दिल्ली विस्फोट लिंक से संबंध तलाशे जा रहे है।

धमाके वाली जगह पर मिले प्रतिबंधित कारतूस

बारीकी से हो रही जांच में पता चला है कि धमाके वाली जगह पर प्रतिबंधित कारतूस मिले हैं। दिल्ली पुलिस के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, धमाके की जांच के दौरान घटनास्थल पर गहन तलाशी ली गई। इसी तलाशी अभियान के दौरान ये तीन कारतूस बरामद हुए। इन कारतूसों को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि ये किसी सामान्य नागरिक के पास नहीं हो सकते। इनकी मौजूदगी सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय है और यह सवाल खड़ा करती है कि ये प्रतिबंधित हथियार और कारतूस धमाके वाले स्थान तक कैसे पहुंचे। पुलिस अब इन कारतूसों के स्रोत का पता लगाने के लिए सक्रिय रूप से जांच कर रही है। आशंका है कि इनका संबंध किसी बड़ी साजिश का हिस्सा हो सकता है? कारतूसों की फॉरेंसिक जांच की जा रही है ताकि इनसे जुड़ी कोई भी महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई जा सके।

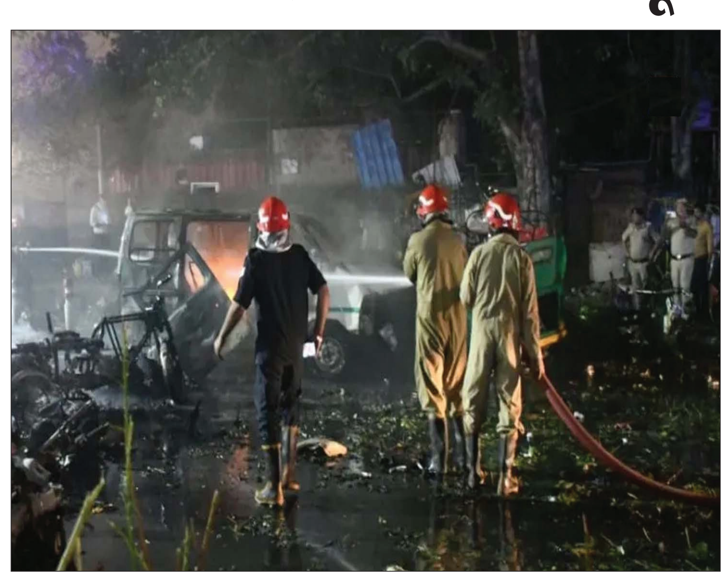

एमएसएमई से बनेगा देश सोने की चिड़िया, अर्थव्यवस्था को गति देने में युवा निभाएं भूमिका

आगरा। देश को फिर से सोने की चिड़िया बनाना है तो एमएसएमई का महत्व समझना होगा। युवा अब नौकरी करने वाले नहीं, बल्कि देने वाले बनें। कुछ ऐसी ही विचार शनिवार को अमर उजाला की ओर से एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव आगरा में सामने आए। कॉन्क्लेव का आयोजन डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के पॉलीवाल कैंपस स्थित जुबली सभागार में किया गया। रोजगार सृजन और एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए मंथन किया गया। एमएसएमई, केंद्र व राज्य वस्तु एवं सेवाकर, जिला व पुलिस प्रशासन के आला अधिकारियों के साथ ही उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी रहेगी। कॉन्क्लेव का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इसके बाद मुख्य अतिथि केंद्रीय मत्स्य एवं पशुपालन राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल ने कहा कि नौ साल की उम्र में पहला पहला राजनीतिक भाषण चौधरी चरण सिंह का सुना था। देश की आत्मा गांव में रहती है। दूसरी पीढ़ी में उनके बेटे को उद्योगपति बनाया गया। तीसरी पीढ़ी वाला एमएसएमई में मंत्री है। स्किल जरूरी है। उन्होंने कहा कि हाल ही में पंजाब से आया हूं। हर दूसरा बच्चा कनाडा जाना चाहता है। पिछले दिनों उड़ता पंजाब फिल्म भी आई है। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि खेती की एक सीमा है और उत्पादन की एक सीमा है। जींस पहनने वाली पीढ़ी अब हल नहीं चला रही। एमएसएमई की संभावना क्यों जरूरी है, इस ओर क्यों आना पड़ेगा? इसका कारण बताते हुए कहा कि अब जमीन भाइयों में बंटकर छोटी हो गई है। जमीन अब बढ़ नहीं सकती है। ऐसे में एमएसएमई का महत्व समझना होगा। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि सबसे बड़ी समस्या ये है कि हमने सरकारी नौकरी को ही रोजगार मान लिया। बच्चे कभी एमएसएमई नहीं गए। इतनी योजनाएं है कि उनके नाम राजनेताओं को भी नहीं मालूम। उन्होंने कहा कि विदेशियों की किताबें क्यों पढ़ते हो। हमारे पास तो रियल हीरो हैं, जिनकी सफलता की कहानियां पढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोई बड़ा परिवर्तन आ सकता है तो व्यापार से आ सकता है। प्रो. बघेल ने कहा कि टीटीजेड सिर्फ आगरा के लिए है। एनजीटी ने नुकसान किया है, लेकिन हम पैरवी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगरा के कारोबारी सजग हैं, जो जन प्रतिनिधियों से अर्जी लगाते रहते हैं। उन्होंने आजादी के बाद हुए कुछ सबसे बड़े काम भी बताए। उन्होंने कहा कि घर में नल, नल में जल, आयुष्मान कार्ड, गैर-राजपत्रित नौकरियों में इंटरव्यू समाप्त करना सबसे बड़ी उपलब्धि मानते हैं। कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष राकेश गर्ग ने कहा कि एमएसएमई से ही हमारा देश सोने की चिड़िया बन सकता है। उन्होंने कहा कि व्यापार में हम हजारों साल टॉप पर रहे। गांव-गांव में कुछ न कुछ बनता था। व्यापारी इनको इकट्ठा कर विदेश ले जाते थे। इसके बदले में सोना आता था। विशिष्ट अतिथि कुलपति प्रो. आशु रानी ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ाने के लिए युवाओं को आगे आना चाहिए। उन्होंने युवाओं से कहा कि वह कभी खुद को कमजोर न समझें। कॅरियर के लिए बहुत सारी फील्ड हैं। वह किसी भी फील्ड को चुन सकते हैं। विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद नवीन जैन ने कहा कि अब देश बदल रहा है। वर्ष 2014 के बाद से देश में संपन्नता की स्थिति बनी है। देश और राज्य में कारोबार करने का माहौल बना है। उन्होंने कहा कि अब छात्र अपने दिमाग में नौकरी करने वाले नहीं, बल्कि एमएसएमई योजनाओं का लाभ उठाते हुए नौकरी देने वाले बनें। ये लेकर लक्ष्य निर्धारित करते हुए आगे बढ़ें। राज्यसभा सांसद नवीन जैन ने कहा कि जब एमएसएमई की स्थापना हुई, लेकिन उस वक्त काम नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद इस पर काम शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ही विजन है कि एमएसएमई के जरिए छोटे उद्योगों को बढ़ावा दे सकते हैं। आज देश में एमएसएमई की पहचान बन चुकी है। वेडिंग इंडस्ट्री एसोसिएशसन के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश को हम एक अलग तरीके से प्रमोट करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शादियों के लिए उत्तर प्रदेश अब उत्तम प्रदेश है, इस तरह प्रमोट करने का कई राज्यों में प्रयास किया गया। उन्होंने बताया कि हाल ही में राजस्थान, हिमाचल और कश्मीर में भी कुछ वेडिंग एक्सपो में उत्तर प्रदेश को लगातार डेस्टिनेशन वेडिंग का हब बनाने के लिए प्रमोट करने का प्रयास किया।

ठगी करने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड प्रेमिका सहित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर लोगों को ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करता था। जालसाज ठगी के लिए मलयेशिया और वियतनाम के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के एटा स्थित गांव नंगला गालू निवासी सहदेव सिंह और एटा के गांव पिलुआ उसकी प्रेमिका के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे 2 मोबाइल, 3 पासबुक, 3 चेकबुक, 2 डेबिट कार्ड, 5 भारतीय और 3 वियतनाम के सिम कार्ड्स बरामद किए हैं। पुलिस ने इनके बैंक खाते फ्रीज करा दिए और पीड़ित के 78,920 रुपये भी होल्ड करा दिए हैं। बुराड़ी निवासी धर्मेंद्र ने 6 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने सिंगापुर से टूरिज्म मैनेजमेंट का कोर्स किया था। इसके बाद धर्मेंद्र ने एक व्हाट्सएप ग्रुप वर्क इंफॉर्मेशन के जरिए नौकरी की तलाश शुरू की। इसी ग्रुप में मयंक पांडे नाम के व्यक्ति ने उन्हें वियतनाम के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने के लिए कहा। आरोपी ने पीड़ित से वियतनाम के वीजा के लिए 10 हजार रुपये ले लिए। पीड़ित वीजा मिलने पर वियतनाम पहुंचा। इसके बाद आरोपियों ने ऑस्ट्रेलियाई वीजा के लिए बैंक बैलेंस दिखाने का बहाना बनाकर पीड़ित से 3 हजार डालर यानि (करीब 3.12 लाख रुपये) की मांग की। पैसे ट्रांसफर होते ही आरोपियों ने धर्मेंद्र को ब्लॉक कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर व्हाट्सएप चैट, जीपीएस लोकेशन और बैंक खातों की जांच की। पुलिस को जांच में आरोपियों की लोकेशन एटा की मिली। इसके बाद सहदेव सिंह व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया।

विकास यादव पर शादी की झूठी तारीख बताने का आरोप

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी विकास यादव के खिलाफ कथित तौर पर अपनी शादी की तारीख के बारे में झूठ बोलने के लिए झूठी गवाही (पर्जरी) की कार्यवाही शुरू करने की मांग पर सुनवाई की। कटारा की मां नीलम कटारा ने आरोप लगाया कि विकास ने अपनी शादी 5 सितंबर को होने का दावा किया, जबकि शादी जुलाई में हुई थी और उसने जमानत का लाभ लेने के लिए अदालत में झूठे सबूत पेश किए। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने विकास यादव, जो हत्या के लिए 25 साल की सजा काट रहा है, से जवाब मांगा। अदालत ने दिल्ली पुलिस को नीलम के आवेदन और उनके द्वारा पेश की गई तस्वीरों की सामग्री की जांच कर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 9 दिसंबर को होगी। नीलम की ओर से वकील ने दलील दी कि विकास ने झूठी और मनगढ़ंत जानकारी दी और दो तस्वीरें पेश कीं, जो दर्शाती है कि उनकी शादी जुलाई में नोएडा के सेक्टर 74 में हुई थी। विकास के वकील ने दावा किया कि जुलाई की तस्वीरें उनकी सगाई समारोह की थीं और इसकी जानकारी सुप्रीम कोर्ट को भी दी गई थी। 9 सितंबर को हाईकोर्ट ने विकास की अंतरिम जमानत बढ़ाने की याचिका खारिज कर दी थी। विकास को अपनी बीमार मां की देखभाल के लिए सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली थी।

शरीर, मन और आत्मा को संतुलित कर योग हमें सकारात्मक ऊर्जा देता है: रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

प्रधानमंत्री मोदी जी की प्रेरणा से योग आज सीमाओं से परे एक वैश्विक आंदोलन बन चुका है, जिसने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को साकार किया है। मुख्यमंत्री ने भारतीय योग संस्थान की टीम और सभी साधकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत की प्रगति और विश्वगुरु बनने का मार्ग तभी प्रशस्त होगा जब हर नागरिक स्वस्थ होगा। योग हमें 'मी टू वी' यानी मैं से हम की ओर ले जाने वाली साधना है। मुख्यमंत्री ने इस आयोजन को विजयदशमी, गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री जयंती जैसे महत्वपूर्ण अवसरों से जोड़ते हुए कहा कि आज का दिन हमें सत्य, त्याग और सेवा की प्रेरणा भी देता है।

गोंडा मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में रखे शव की आंख गायब होने से परिजनों का हंगामा

गोंडा। गोंडा के मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। मोर्चरी में रखे शव की आँख गायब होने से हंगामा खड़ा हो गया। मोर्चरी पर भारी संख्या में नाराज लोग जमा हो गए और तीव्र विरोध प्रदर्शन किया। नाराजगी इतनी बढ़ी कि परिजनों ने शव को मर्चरी से उठाकर अस्पताल गेट पर रख दिया, जिसके चलते स्थिति तनावपूर्ण हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को कार्रवाई का आश्वासन दिया। राय शिवगढ़ निवासी कौशलेंद्र कुमार सिंह उर्फ पिंकू, जो करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र के बाबूगंज में छत की ढलाई का कार्य करता था। गुरुवार शाम निर्माणाधीन छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया था। परिजन उसे देर शाम मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को मोर्चरी में रखवाया गया। शुक्रवार सुबह जब परिजन मोर्चरी पहुंचे तो उन्होंने देखा कि शव की एक आंख गायब है। इसके बाद परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया और मोर्चरी कर्मचारियों पर अनियमितता के आरोप लगाए। सूचना मिलते ही एडीएम और सीएमओ मौके पर पहुंचे, जहां उन्होंने परिजनों और भीड़ को समझाने का प्रयास किया। समझा-बुझाकर प्रदर्शन को शांत कराया गया। सीएमओ ने पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं, और दावा किया है कि तथ्य सामने आने पर कार्रवाई की जाएगी। परिजनों का कहना है कि यह गंभीर लापरवाही है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस और अस्पताल प्रशासन मामले की जांच की बात कह रहा है।

स्ट्रोक और दिल के दौरे से उबारने में मददगार है फिजियोथेरेपी

दिल्ली। स्ट्रोक और दिल के दौरे से उबारने में फिजियोथेरेपी मददगार है। सर्जरी, चोट और बीमारी के बाद शरीर की रिकवरी में भी फिजियोथेरेपी से सहायता मिलती है। यह दावा फिजियोथेरेपिस्ट का है। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल की फिजियोथेरेपी विभाग प्रमुख डॉ. पूजा सेठी ने बताया कि दिल का दौरा पड़ने के बाद जब मरीज उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती होता है तो सर्जरी के बाद शारीरिक तौर पर सक्रिय करने के लिए फिजियोथेरेपी की जरूरत होती है। कार्डियक रिहैब कार्यक्रम के तहत हृदय को मजबूत बनाने और सहनशक्ति बढ़ाने के लिए व्यायाम प्रशिक्षण दिया जाता है। बाईपास, एंजियोप्लास्टी, हार्ट ट्रांसप्लांट की सर्जरी कराने वाले मरीजों की भी फिजियोथेरेपी होती है। तीन-चार हफ्ते मरीज को सामान्य होने में लगते हैं। मल्टीपल स्कारलेसिस, स्पाइनल कॉर्ड इंजरी और स्ट्रोक होने पर भी फिजियोथेरेपी की मदद से मरीज को चलने-फिरने के काबिल बनाया जा सकता है। उसके लिए मरीज को अलग-अलग व्यायाम कराएं जाते हैं। उन्होंने बताया कि फिजियोथेरेपिस्ट आपकी शक्ति, संतुलन, समन्व्य और लचीलापन बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत व्यायाम कार्यक्रम तैयार करने में विशेषज्ञ होते हैं। इसमें कुछ व्यायाम ऐसे होते हैं जिन्हें घर पर भी आसानी से किया जा सकता है। इसमें कुर्सी से बैठने और खड़े होने के व्यायाम में स्क्वैट्स करना, खड़े होकर वस्तुओं तक पहुंचना, विभिन्न दिशाओं में कदम उठाना, अलग-अलग गति और परिस्थितियों में चलना शामिल है। इसके अलावा जमीन से उठना, चलना, योग और संतुलन बढ़ाने वाले व्यायाम भी लाभदायक होते हैं। वैश्विक तौर पर 50 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 12 फीसदी लोगों में कमजोरी का मूल्यांकन किया गया है। लगभग 46 फीसदी लोगों में कमजोरी की पूर्व अवस्था मिली। इस कमजोरी को भी फिजियोथेरेपी की मदद से दूर किया जा सकता है। डॉ. पूजा सेठी बताया कि अस्पताल में आठ सितंबर को रोबोटिक स्कैनिंग लेजर और डीप ऑसिलेशन थेरेपी का शुभारंभ किया जा रहा है। रोबोटिक स्कैनिंग लेजर के जरिये पूरे शरीर की स्क्रीनिंग कर सकेंगे। इससे शरीर के दर्द वाले हिस्से की पहचान में मदद मिलेगी और लेजर से थेरेपी दी जा सकेगी। साथ ही मरीजों के लिए डीप ऑसिलेशन थेरेपी सुविधा की शुरुआत की जा रही है। इस प्रक्रिया में सेल को वाइब्रेट करके सूजन को कम किया जाएगा।

पुलिस ने एक साल से कम उम्र के छह मासूमों को बचाया

नई दिल्ली। दिल्ली के दक्षिण-पूर्व जिले की विशेष स्टाफ टीम ने एक सफल अभियान में बाल तस्करी के अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया। जिसमें 6 बच्चों को बचाया गया, जिसमें एक 6 माह का बच्चा 48 घंटे में रेस्क्यू किया गया। बचाए गए बच्चों में सभी एक साल से कम उम्र के बच्चे हैं। 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस खुलासे के बाद दिल्ली पुलिस एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाली है। जहां दक्षिण-पूर्व जिले के विशेष स्टाफ द्वारा बच्चों की खरीद-फरोख्त और तस्करी के रैकेट के खिलाफ सफल अभियान की जानकारी साझा की जाएगी।

राजधानी की हवा ज़हरीली, हालात चिंताजनक

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। राजधानी में पारा गिरते ही प्रदूषण ने दिल्ली को गैस चैंबर बना दिया है। ऐसे में बृहस्पतिवार को लगातार तीसरे दिन हवा गंभीर श्रेणी में रही। सुबह की शुरुआत धुंध और हल्के कोहरे से हुई। वहीं, आसमान में कुहासे के साथ स्मॉग की चादर भी दिखाई दी। इस दौरान लोग मास्क पहने नजर आए। साथ ही, सांस के मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। राजधानी समेत एनसीआर में पराली जलाने की घटनाओं व वाहनों से निकलने वाले धुएं ने हवा में पीएम2.5 को घोल दिया है। दिल्ली में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए निर्णय सहायता प्रणाली के अनुसार, वाहन से होने वाला प्रदूषण 19.82 फीसदी रहा। वहीं, हवा में पराली से होने वाला प्रदूषण 12 फीसदी रहा। वहीं, पराली जलाने की 816 घटनाएं दर्ज की गई। इस दौरान वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 404 दर्ज किया गया। यह हवा की गंभीर श्रेणी है। इसमें बुधवार की तुलना में 14 सूचकांक की गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, एनसीआर में दिल्ली के बाद नोएडा की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 389 दर्ज किया गया, यह बेहद खराब श्रेणी है। वहीं, गुरुग्राम में 300, गाजियाबाद में 370 और ग्रेटर नोएडा में 377 एक्यूआई दर्ज किया गया। फरीदाबाद की हवा सबसे साफ रही। यहां सूचकांक 288 दर्ज किया गया। यह हवा की खराब श्रेणी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) का पूर्वानुमान है कि रविवार को हवा बेहद खराब श्रेणी में पहुंच सकती है। बृहस्पतिवार को हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किलोमीटर प्रतिघंटे के गति से चली। वहीं, अनुमानित अधिकतम मिश्रण गहराई 1450 मीटर रही। इसके अलावा वेंटिलेशन इंडेक्स 7500 मीटर प्रति वर्ग सेकंड रहा। दूसरी ओर, शाम चार बजे हवा में पीएम10 की मात्रा 362.8 और पीएम2.5 की मात्रा 227.8 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज की गई। सीपीसीबी के अनुसार, राजधानी के कई मॉनिटरिंग स्टेशनों पर हवा गंभीर और कई में बेहद खराब में रिकॉर्ड की गई।

दुष्कर्म मामले में अधिवक्ता के आत्मसमर्पण की अवधि बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने महिला वकील की ओर से कराए गए दुष्कर्म के मामले में 51 वर्षीय अधिवक्ता के आत्मसमर्पण की अवधि को 17 नवंबर 2025 तक बढ़ा दिया है। अदालत ने 7 नवंबर को इस अधिवक्ता की जमानत रद्द करते हुए एक सप्ताह के भीतर ट्रायल कोर्ट में आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया था। हालांकि, आरोपी ने आत्मसमर्पण की अवधि को एक सप्ताह और बढ़ाने की गुहार लगाई, जिसमें उसने बताया कि जमानत रद्द करने के आदेश के खिलाफ उसने सर्वोच्च न्यायालय में अपील दायर की है, जिसे सोमवार को सूचीबद्ध किए जाने की संभावना है। हाई कोर्ट ने गंभीर रुख अपनाते हुए न केवल आरोपी अधिवक्ता को आत्मसमर्पण का आदेश दिया, बल्कि दो न्यायिक अधिकारियों के खिलाफ भी प्रशासनिक जांच के निर्देश जारी किए। ये अधिकारी कथित तौर पर महिला वकील को अपने आरोप वापस लेने के लिए मजबूर करने में शामिल थे।

क्रेटा कार चालक नाबालिग ने मारुति वैन को मारी टक्कर, एक की मौत

नई दिल्ली। शाहदरा जिला के जीटीबी अस्पताल की लालबत्ती पर मंगलवार तड़के क्रेटा कार चालक नाबालिग ने मारुति वैन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैन के साथ-साथ क्रेटा के भी परखच्चे उड़ गए। हादसे में वैन में पिछली सीट पर बैठे एक युवक की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त चंदन कुमार (48) के रूप में हुई है। हादसे में उसके साथ वैन में मौजूद साथी नीरज, सुमित और हिमांशु मामूली रूप से जख्मी हो गए। इनको जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने चंदन का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने जीटीबी एन्क्लेव थाने में मामला दर्ज कर आरोपी 17 वर्षीय नाबालिग को हिरासत में ले लिया है। देर रात उसके साथ क्रेटा में उसके चार दोस्त भी मौजूद थे। गनीमत यह रही कि हादसे में किसी को चोट नहीं लगी। पुलिस

नाबालिग की सही उम्र का पता लगाने का प्रयास कर रही है। इस बात का भी पता किया जा रहा है कि नाबालिग ने शराब तो नहीं पी हुई थी। जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया के चंदन कुमार अपने परिवार के साथ गांव साहिबाबाद, गाजियाबाद में रहते थे। इनके परिवार में पिता महेश कुमार के अलावा छोटा भाई, पत्नी और एक बेटा व बेटी है। चंदन कौशांबी के एक सिनेमा हॉल में काम करते थे। अक्सर उनकी नाइट शिफ्ट होती थी। सिनेमा हॉल की ओर से घर पहुंचाने के लिए देर रात को स्टाफ के लिए मारुति वैन उपलब्ध करवाई जाती थी। चंदन ड्यूटी खत्म करने के बाद बाकी स्टाफ नीरज, सुमित और हिमांशु के साथ देर रात घर के लिए निकले थे। चारों स्टाफ को लेकर चालक जीटीबी अस्पताल की लालबत्ती पर पहुंचा। इसी दौरान लालबत्ती तोड़कर क्रेटा कार ने वैन को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में वैन के अलावा क्रेटा के भी परखच्चे उड़ गए। राहगीरों ने घायलों को निकालकर जीटीबी अस्पताल भेजा, जहां चंदन को मृत घोषित कर दिया गया। उसके सिर में गंभीर चोट लगी थी। बाकी स्टाफ को मामूली चोटें थीं। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेटा कार को कब्जे में ले लिया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से मामले की छानबीन कर रही है।

यूपी में भाजपा नेता का कत्ल बीडीसी सदस्य को गोलियों से भून डाला

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में शनिवार को भाजपा नेता को गोलियों से भून डाला। भाजपा नेता की हत्या का आरोप गांव के ही युवक पर लगा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। साथ ही फरार आरोपी की तलाश में जुट गई। जानकारी के अनुसार, मेरठ के किठौर इलाके के भड़ौली गांव में शनिवार सुबह भैंसा बुग्गी में खेत से चारा लेने गए भाजयुमो मंडल महामंत्री व बीडीसी प्रमोद भड़ाना (35) की गोलियां बरसाकर हत्या कर दी गई। उन्हें तीन गोली लगीं। बुधवार को गांव के ही शिवम पर गढ़मुक्तेश्वर नानपुर में फायरिंग की गई थी। प्रमोद भड़ाना और प्रधान कुसुम के पति अंकित ने शिवम पक्ष के साथ गांव के रोबिन पर हापुड़ जिले के गढ़मुक्तेश्वर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसका बदला लेने के लिए आरोपी रोबिन ने वारदात को अंजाम दिया।

आरोपी ने प्रमोद की हत्या के बाद अंकित की गाड़ी और उनके घर के बाहर जाकर भी फायरिंग की। एसपी देहात अभिजीत कुमार ने बताया कि तीन टीमें गठित की गई हैं। ग्राम प्रधान के ससुर सतीश के अनुसार, भाजयुमो के किठौर मंडल महामंत्री प्रमोद भड़ाना सुबह आठ बजे पशुओं का चारा लाने भैंसा बुग्गी से खेत जा रहे थे। आरोप है कि रास्ते में गन्ने के खेत में छिपे रोबिन ने पिस्टल से प्रमोद पर गोलियां बीडीसी प्रमोद भड़ाना (35) की गोलियां बरसाकर हत्या कर दी गई। उन्हें तीन गोली लगीं। बुधवार को गांव के ही शिवम पर गढ़मुक्तेश्वर नानपुर में फायरिंग की गई थी। प्रमोद भड़ाना और प्रधान कुसुम के पति अंकित ने शिवम पक्ष के साथ गांव के रोबिन पर हापुड़ जिले के गढ़मुक्तेश्वर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसका बदला लेने के बरसा दीं। प्रमोद को तीन गोलियां लगीं। भैंसा भी पैर में दो गोली लगने से घायल हो गया। सूचना मिलने पर वह पुत्र अंकित के साथ मौके पर जा रहे थे। रास्ते में रोबिन ने उनकी गाड़ी पर भी फायर किया। वे किसी तरह बच गए। इसके बाद आरोपी ने उनके घर के बाहर भी कई फायर किए और बाइक से भाग निकला। प्रमोद को निजी अस्पताल ले जाया गया। यहां उसे मृत घोषित कर दिया। भाई विनोद ने रोबिन के खिलाफ रिपोर्ट कराई।

वर्षों की दोस्ती...चलती कार में दोस्त का दिया कत्ल

नूंह। हरियाणा के नूंह जिले के पुन्हाना से करीब दस दिन से लापता चल रहे शहर के मशहूर डॉक्टर विनोद गोयल हत्याकांड का शनिवार को पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि डॉक्टर की हत्या किसी और ने नहीं बल्कि उनके परम मित्र दीपक राजस्थानी ने अपने फैक्टरी कर्मचारी अशोक के साथ मिलकर की थी। हत्या का कारण दोनों दोस्तों के बीच पैसों का लेन-देन बताया जा रहा है। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को हरिद्वार में बहती गंगा नदी में फेंक दिया। मामले का खुलासा उस समय हुआ जब घटना के दौरान उनके साथ गए कार चालक मुस्तकीम को शक हुआ और उसने हिम्मत दिखाते हुए पुलिस को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। पुलिस ने मुस्तकीम को सरकारी गवाह बनाया है। इस खुलासे के बाद पूरे शहर में शहर में आक्रोश और शोक की लहर दौड़ गई। शहर के लोगों ने रविवार को शोक स्वरूप मुख्य बाजार पूरी तरह बंद रखा। डीएसपी जितेंद्र राणा ने पत्रकारवार्ता में बताया कि 28 अगस्त की रात रोजाना की तरह डॉ विनोद गोयल अपने मित्र दीपक और उसकी फैक्टरी कर्मचारी अशोक के साथ दीपक की कार में घूमने निकले थे। देर रात दीपक और अशोक ने सुनियोजित तरीके से डॉ विनोद गोयल का गला कप? से घोंट दिया। हत्या के बाद शव को शहर से बआक्रोश और शोक की लहर दौ? गई। शहर के लोगों ने रविवार को शोक स्वरूप मुख्य बाजार पूरी तरह बंद रखा। शहर के मशहूर डॉक्टर विनोद गोयल की हत्या दोस्ती पर रुपयों के भारी पड़ने की है। वहीं, डॉक्टर के कार चालक मुस्तकीम की हिम्मत की कहानी भी है। करीब एक सप्ताह तक कशमकश में रहने के बाद मुस्तकीम खुद को रोक नहीं पाए और पुलिस को जाकर पूरी जानकारी दी। तभी इस मामले का खुलासा हो पाया। इसके बाद पुलिस ने मुस्तकीम को सरकारी गवाह बनाया है। वहीं, इस खुलासे के बाद पूरे शहर में आक्रोश और शोक की लहर दौड़ गई। शहर के लोगों ने रविवार को शोक स्वरूप मुख्य बाजार पूरी तरह बंद रखा। डीएसपी जितेंद्र राणा ने पत्रकारवार्ता में बताया कि 28 अगस्त की रात रोजाना की तरह डॉ विनोद गोयल अपने मित्र दीपक और उसकी फैक्टरी कर्मचारी अशोक के साथ दीपक की कार में घूमने निकले थे। देर रात दीपक और अशोक ने सुनियोजित तरीके से डॉ विनोद गोयल का गला कप? से घोंट दिया। हत्या के बाद शव को शहर से बाहर घी?ा मो? स्थित दीपक की बर्तन फैक्टरी में कंबल में लपेटकर छिपा दिया। अगले दिन सुबह दोनों आरोपियों ने शव को फैक्टरी से कार में डालकर हरिद्वार की ओर रुख किया। इस दौरान उनके साथ कार चालक मुस्तकीम भी था, लेकिन उसे हत्या की जानकारी नहीं दी गई। रास्ते में दीपक और अशोक बार-बार गा?ी में खुशबूदार स्प्रे करते रहे ताकि किसी को कोई गंध न आए। हरिद्वार पहुंचने से कुछ दूरी पहले दोनों ने चालक को चाय पानी पीने के लिए गाड़ी से उतार दिया और खुद शव को एक पुल से गंगा नदी में बहा दिया। वापसी में चालक को फिर कार में बैठा लिया और ऐसे व्यवहार किया जैसे कुछ हुआ ही नहीं। डीएसपी जितेंद्र राणा ने बताया कि मुस्तकीम को दीपक और अशोक की हरकतों पर शक हुआ। वह कई दिनों तक मानसिक तनाव में रहा। आखिरकार उसने पुलिस के सामने पेश होकर पूरी सच्चाई बयान कर दी। उसी की जानकारी के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी दीपक राजस्थानी को हिरासत में ले लिया। जबकि अशोक की तलाश में पुलिस की टीम लगातार दबिश दे रही है। डॉ. विनोद गोयल शहर के जाने-माने चिकित्सक थे और क्षेत्र में उनका खासा सम्मान था। उनकी हत्या की खबर जैसे ही फैली, लोगों के आंसू नहीं थम पाए। शहर के लोग विश्वास नहीं कर पा रहे कि जिस दोस्त के साथ डॉक्टर ने वर्षों का रिश्ता निभाया, वही उनकी जान ले लेगा। हत्याकांड का खुलासा होते ही शहर में भारी गुस्सा देखने को मिला। व्यापारियों ने शोक स्वरूप बाजार बंद रखे और पुलिस प्रशासन से मांग की कि आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

नोएडा में फेंके टुकड़े, जल्लाद प्रेमी मिटाना चाहता था सबूत

नोएडा। नोएडा सेक्टर-82 के सामने नाले में बीती छह नवंबर को मिली सिर कटे महिला के शव की जांच में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। आरोपी प्रेमी ने बस के अंदर ही महिला की हत्या की और शव को नाले में फेंक दिया था। पुलिस के अनुसार, मृतका प्रीति (33) पति के छोड़ने के बाद सलारपुर गांव में अपने दो बच्चों के साथ रहती थी। आरोपी मोनू सोलंकी एटा निवासी है और राधा स्वामी सत्संग मिशन की बस चलाता है। महिला और मोनू की मां दोनों एक ही कंपनी में नौकरी करते थे। पांच नवंबर की रात करीब 8-30 बजे मोनू प्रीति को बस में लेकर निकला। बस में ही उसने महिला की गर्दन और हाथ काट दिए। आधा शव नोएडा में फेंका, जबकि सिर और हाथ लेकर बस से गाजियाबाद पहुंचा। गाजियाबाद के पटेल नगर थाना क्षेत्र में सिर व हाथ पर कई बार बस चढ़ाई ताकि शिनाख्त मिटाई जा सके। वहीं छूरा भी फेंक दिया।पुलिस के मुताबिक, प्रीति आरोपी पर अपनी पत्नी को छोड़कर उसके साथ रहने का दबाव बना रही थी।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

युवाओं में संस्कार व आत्मविश्वास का निर्माण कर रही नई शिक्षा नीतिः डॉ रीटा

एजेंसी
सोनीपत। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा की धर्मपत्नी डॉ. रीटा शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से देश की शिक्षा व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव ला रहे हैं। यह नीति बच्चों में रचनात्मकता, राष्ट्रीय भावना और अच्छे संस्कार विकसित करने पर विशेष बल देती है। इसलिए अध्यापकों के साथ-साथ अभिभावकों की भी जिम्मेदारी है कि वे नई पीढ़ी को संस्कारवान, जिम्मेदार और सकारात्मक सोच वाला नागरिक बनाएं। डॉ. रीटा शर्मा गामड़ी स्थित निजी स्कूल में आयोजित बेबी शो कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शामिल हुईं। विद्यालय प्रबंधन द्वारा स्वागत उपरांत उन्होंने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामाजिक संदेश वाली प्रस्तुतियों का आनंद लेने के बाद उन्होंने विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बच्चे देश की नींव हैं और उनकी दृढ़ता ही भारत को मजबूत बनाएगी। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने अंग्रेजी हुकूमत की पुरानी बाबू पद्धति को समाप्त कर युवाओं को रुचि अनुसार विषय चुनने की स्वतंत्रता दी है। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है और वे देश-समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार होते हैं।

झज्जर में हालात को देखते हुए जिला सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के निर्देश

झज्जर। पुलिस आयुक्त डॉ. राजश्री सिंह ने झज्जर पुलिस के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण बैठक लेकर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में पुलिस की भूमिका और अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील हो गई है। इसलिए सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि आमजन को सुरक्षा का भरोसा महसूस हो और अपराधियों में कानून का भय बना रहे। उन्होंने निर्देश दिया कि लोगों को अपने किरायेदारों की अनिवार्य रूप से पुलिस वेरिफिकेशन करवाने के लिए जागरूक करें। पुलिस आयुक्त राजश्री ने कहा कि कई बार बिना वेरिफिकेशन के किरायेदार रखने से आपराधिक तत्व आवासीय क्षेत्रों में आसानी से छुप जाते हैं और सुरक्षा चुनौती बढ़ जाती है। इसलिए प्रत्येक थाना क्षेत्र में लोगों से लगातार संपर्क बनाए रखते हुए उन्हें इस प्रक्रिया के महत्व के बारे में बताया जाए। इसी के साथ उन्होंने अधिकारियों को प्रभावी ढंग से गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियमित गश्त न केवल अपराधों पर अंकुश लगाती है बल्कि पुलिस की उपस्थिति से लोगों को सुरक्षित महसूस होता है। बहादुरगढ़ का दिल्ली से सटा हुआ होना सुरक्षा के लिहाज से अतिविशेष सतर्कता की मांग करता है।

कानून व्यवस्था चौपट होने के चलते नशा तस्करों की पहली प्राथमिकता है हरियाणा - दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा की बीजेपी सरकार न तो अपराध रोक पा रही है न नशे के काले कारोबार पर लगाम लगा पा रही है। कानून व्यवस्था चौपट होने के चलते नशा तस्करों की पहली प्राथमिकता हरियाणा है जहां उन्हें कोई भय नहीं है और वो निर्भीक होकर अपना धंधा चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बढ़ती नशाखोरी का सीधा संबंध रिकार्ड बेरोजगारी के चलते युवाओं में उपजी हताशा व निराशा से है। रिकार्ड बेरोजगारी से हताश युवा आज नशे की ओवरडोज से जान गंवा रहे हैं। कांग्रेस सरकार के समय जो युवा खिलाड़ी बनते थे अब बीजेपी राज में नशेड़ी बन रहे हैं। प्रदेश में घर-घर नशा पहुँच गया है, जगह-जगह खुलेआम 'मौत का सामान' बिक रहा है। गांवों में नशे का धंधा इस कदर फैल चुका है कि नशा बेचने वाले व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, स्नैप चैट जैसे हाईटेक माध्यमों से अपना धंधा चला रहे हैं। यही नहीं, दवाई की दुकानों से भी नशीली दवाइयां, ड्रग और इंजेक्शन खरीद कर आए दिन हरियाणा के युवा ओवरडोज से मौत के मुंह में समा रहे हैं। नशा तस्करों ने हरियाणा के गांव से लेकर शहर तक को 'नशे के ज़हर' में डुबो दिया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार नशा तस्करों पर लगाम कसने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि नशे की वजह से मौत के मामले में हरियाणा ने पंजाब को भी पीछे छोड़ दिया है। हर साल औसतन 47 से 50 युवा नशा या ओवरडोज के कारण दम तोड़ रहे हैं।

ऑपरेशन ट्रैक-डाउनः 9 दिन में 2165 अपराधी सलाखों के पीछे

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस का स्पेशल मिशन 'ऑपरेशन ट्रैक-डाउन' अब राज्य के इतिहास की सबसे आक्रामक एंटी-क्राइम कार्रवाई बन चुका है। सिर्फ नौ दिनों में पुलिस ने 2,165 अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा गया है। स्टेट क्राइम ब्रांच के आईजी राकेश आर्य ने बताया कि बहादुरगढ़ यूनिट की स्पेशल टॉस्क फोर्स (एसटीएफ) ने इस अभियान में सबसे बड़ा वार करते हुए रोहित गोदारा गैंग के कुख्यात सदस्य मनोज उर्फ चोटिया को गिरफ्तार किया। इस पर 10,000 का इनाम था और यह कई संगीन वारदातों में वांछित चल रहा था। उन्होंने बताया कि मनोज उर्फ चोटिया ने 5 दिसंबर, 2024 को नारनौल अदालत परिसर में गैंगवार की सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया था। अदालत में विरोधी गैंग के अपराधी अमित पर हमला कर वह फरार हो गया था। 13 नवंबर को ऑपरेशन ट्रैक-डाउन के तहत इसे दबोच लिया गया। उस पर अटेली, मांडवा और नारनौल थानों में हत्या के प्रयास (307 आईपीसी), दंगा, मारपीट और आपराधिक साजिश (120बी) के सात से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। स्टेट क्राइम ब्रांच के आईजी ने बताया कि ऑपरेशन ट्रैक-डाउन ने अपराधियों की रीढ़ तोड़कर रख दी है।

दादा बाढ़देव जी ने समाज को सत्य, अनुशासन व भाईचारे का मूल मंत्र बनाने की प्रेरणा दी : नायब सैनी

पूनिया खाप ने सदैव देश, समाज और जनहित को सर्वोपरि स्थान दिया : नायब सैनी

एजेंसी
हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि दादा बाढ़देव जी का जीवन हमें यह संदेश देता है कि जब समाज संगठित और अनुशासित होता है तो हर समस्या का समाधान आसान हो जाता है। उन्होंने समाज को सदैव सत्य, अनुशासन और भाईचारे को जीवन का मूल मंत्र बनाने की प्रेरणा दी। दादा बाढ़देव जी ने यह भी विश्वास दिलाया कि समाज की भलाई के लिए खड़ी खाप कभी कमजोर नहीं पड़ती।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूनिया खाप ने सदैव देश, समाज और जनहित को सर्वोपरि स्थान दिया है।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ज़िले के गांव खरक पूनिया में अखिल हरियाणा सर्वजातीय पूनिया समाज की ओर से दादा बाढ़देव जी पूनिया के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा

कि खरक पूनिया गांव के वर्तमान स्कूल को मॉडल संस्कृति स्कूल के रूप में अपग्रेड किया जाएगा ताकि गांव के ही स्कूल में बच्चों को उच्च कोटि की शिक्षा उपलब्ध हो सके। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने खरक पूनिया में एक सामुदायिक केंद्र का निर्माण करवाने के साथ-साथ यहां पर एक पुस्तकालय खोलने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार दादा बाढ़देव जी द्वारा दिखाए गए मार्ग पर निरंतर अग्रसर है। उन्होंने पूनिया खाप से आग्रह किया कि वह युवा पीढ़ी को सही दिशा में प्रेरित करें, जिससे युवा नशे से दूर रहें और आने वाली पीढ़ियां सशक्त एवं सक्षम बन सकें। मुख्यमंत्री ने यह भी अपील की कि सभी लोग युवाओं को शिक्षा, खेल और तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करें। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, रणबीर गंगवा, महिपाल ढांडा, भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, विधायक रणधीर पनिहार, हांसी विधायक विनोद भयाणा, नलवा विधायक रणधीर पनिहार, पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, पूर्व मंत्री अनूप धानक, पूर्व राज्यसभा सांसद डीपी वत्स, हिसार भाजपा जिलाध्यक्ष आशा खेदड़, हांसी जिलाध्यक्ष अशोक सैनी, जिला परिषद के चेयरमैन सोनू सिहाग डाटा, मेयर प्रवीण पोपली सहित अनेक गणमान्य नागरिक तथा भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मोदी के भव्य और दिव्य स्वागत के लिए हरियाणा तैयार -मोहन लालबड़ौली

एजेंसी
पंचकुला। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि बिहार की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों पर भरोसा किया है। बिहार के लोगों ने लोकतंत्र पर्व में शामिल होकर अपने मत का प्रयोग किया और पीएम मोदी के विकास के मॉडल पर मुहर लगाकर अपनी सरकार चुनी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जनता के मुद्दों से कोई लेना-देना नहीं, कांग्रेस जनता पर अपनी बातें थोपती है, यही कारण है कांग्रेस अपना जनाधार खो चुकी है। ये बातें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। उन्होंने बिहार में एनडीए की प्रचंड विजय पर बिहार के मतदाताओं का आभार भी व्यक्त किया है। इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि विरोधी पार्टियों ने एनडीए के खिलाफ अभियान चलाकर लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास किया, लेकिन बिहार की जनता ने विपक्ष के मंसूबों पर पानी फेर दिया। उन्होंने कहा कि बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की और नीतीश कुमार की नीतियों की जीत हुई है। भाजपा प्रदेश

अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि बिहार की जनता ने वोट संशोधन कार्यक्रम पर भरोसा जताया। निर्वाचन आयोग ने पूरी तैयारियों के साथ निष्पक्ष तरीके से चुनाव की प्रक्रिया को पूरा किया। बिहार की जनता ने चुनाव आयोग पर भरोसा जताया और इसी का परिणाम है कि बिहार विधानसभा चुनाव में वोट प्रतिशत भी बढ़ा है।

नारनौल में मुख्यमंत्री करेंगे 83.70 करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास

एजेंसी
नारनौल। नारनौल नई अनाज मंडी में महाराजा शूर सैनी जयंती के उपलक्ष में 16 नवंबर को आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में राज्य के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जिला महेंद्रगढ़ के लिए लगभग 83 करोड़ 70 लाख रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री कुल 19 परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि सीएम कार्यक्रम स्थल से ही जिला मुख्यालय नारनौल में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए 3595 लाख 65 हजार की लागत से तैयार 110 आवासों का उद्घाटन करेंगे। इसी प्रकार लगभग 656 लाख 41 हजार की लागत से तैयार ट्रॉमा सेंटर नारनौल, 280ण25 लाख की लागत से तैयार महिला थाना से गर्ल्स आईटीआई तक सड़क निर्माण और सौंदर्यीकरण के कार्य, 234 लाख 76 हजार रुपये की लागत से तैयार नारनौल शहर में दो पार्कों के निर्माण कार्य, नांगल चौधरी में 228 लाख 47 हजार रुपये की लागत से तीन बे बस स्टैंड का, 116 लाख 25 हजार की लागत से तैयार नारनौल में महिला थाना से अग्रसेन चौक तक सड़क कार्यों का, राजकीय कॉलेज अटेली में 100 लाख की लागत से तैयार प्रशासनिक खंड का निर्माण कार्य, 90 लाख 41 हजार की लागत से तैयार नारनौल शहर के चितवन वाटिका में पार्क का निर्माण, 71.81 लाख रुपये की लागत से तैयार वार्ड नंबर 13 नारनौल में सती माता मंदिर के पास पार्क का निर्माण, 40 लाख 29 हजार रुपये की लागत से तैयार आजमाबाद मोखूता में जीवीएच का निर्माण, 35 लाख 83 हजार रुपये की लागत से तैयार मेघोत हाला में जीवीएच का निर्माण, 35 लाख 83 हजार रुपये की लागत से तैयार कमानियां में जीवीएच का निर्माण, 32 लाख 58 हजार रुपये की लागत से तैयार झूक में जीवीडी का निर्माण, 31 लाख 11 हजार रुपये की लागत से तैयार खेड़ी में जीवीडी का निर्माण व 31 लाख 11 हजार रुपये की लागत से तैयार ढाणा में जीवीडी निर्माण कार्य का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने बताया कि लगभग 2789 लाख 23 हजार रुपये की लागत से तैयार होने वाली चार परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। लगभग 2113 लाख 94 हजार रुपये की लागत से तैयार होने वाली पीडब्ल्यूडी (बीएंडआर), सड़क परियोजनाएं फैजाबाद.सीहमा-कनीना सड़क (एडीआर-127) का सुधार कार्य का शिलान्यास करेंगे।

जल संरक्षण के लिए हकृवि राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार के लिए चयनित

एजेंसी
हिसार। हिसार स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को जल संरक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार के लिए चुना गया है। इसके तहत विश्वविद्यालय को केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय की ओर से छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार-2024 में सर्वश्रेष्ठ संस्थान (स्कूल/ कालेज के अतिरिक्त) श्रेणी में प्रथम स्थान के लिए चयनित किया है। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित की गई इस उपलब्धि के लिए वैज्ञानिकों को बधाई दी है।

कुलपति ने शनिवार को बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने खरीफ-2024 में प्रदेश भर के किसानों को धान की सीधी बिजाई करने एवं कम अवधि वाली किस्मों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। धान फ़सल की सीधी एवं कम अवधि वाली किस्मों की बिजाई करने से भारी मात्रा में जल की बचत हुई। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा जल संरक्षण को लेकर निरंतर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में किसानों को प्रशिक्षण, किसान मेले, जल संरक्षण जागरूकता शिविर, किसान गोष्ठियां, जल संरक्षण तकनीकों पर प्रदर्शन स्थल पर फिल्ड डेज, विश्व पर्यावरण दिवस समारोह तथा वन महोत्सव कार्यक्रमों के माध्यम से जल की बचत करने के लिए प्रेरित किया गया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित करके विश्वविद्यालय परिसर एवं फार्मों में पौधारोपण किया गया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि निदेशालय द्वारा कृषि में जल बचत तकनीकों को लोकप्रिय बनाने और किसानों में जागरूकता बढ़ाने का कार्य लगातार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हकृवि द्वारा धान की कम अवधि में पकने वाली एचकेआर-49 तथा गेहूं की दो पानी व मध्यम खाद में अधिक उपज देने वाली डब्ल्यू एच 1402 किस्में विकसित की गई हैं जिनसे पानी की बचत होगी। महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा यह पुरस्कार 18 नवंबर को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में दिया जाएगा।

रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम दुरुस्त होने का लिखित प्रमाण दें सभी हाउसिंग सोसायटीः डी.एस. ढेसी

एजेंसी
गुरुग्राम। जल संरक्षण की दिशा में बड़ी पहल करते हुए जिला प्रशासन गुरुग्राम तथा गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के संयुक्त तत्वाधान में सेक्टर-49 स्थित डीएवी स्कूल के सभागार में रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं रिचार्ज सिस्टम पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप में 69 हाउसिंग सोसायटीज के आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों एवं डेवलपर्स ने सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। वर्कशॉप की अध्यक्षता जीएमडीए के प्रधान सलाहकार डी.एस. ढेसी ने की, जबकि डीसी अजय कुमार भी विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम के संचालन में मॉडरेटर के रूप में डीटीपी नोडल अधिकारी आर.एस. बाठ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वर्कशॉप को संबोधित करते हुए डी.एस. ढेसी ने कहा कि जीएमडीए द्वारा शहर की 69 प्रमुख हाउसिंग सोसायटियों को चिन्हित कर विशेष रूप से इस वर्कशॉप में आमंत्रित किया गया।

उन्होंने कहा कि पूर्व में हरियाणा अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी(अब एचएसवीपी) ने 500 गज से बड़े प्लॉट पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य किया था, परन्तु आज की परिस्थिति में मल्टी-स्टोरी सोसायटियां कहीं अधिक बड़े क्षेत्र और अधिक जनसंख्या को प्रभावित करती हैं। ऐसे में यदि चुनिंदा 70 सोसायटियां प्रभावी सिस्टम चलाएं तो यह 14,000 से अधिक प्लॉट्स के बराबर सकारात्मक प्रभाव पैदा करता है। ढेसी ने कहा कि दो माह पहले 25 सोसायटियों के रैंडम निरीक्षण में यह सामने आया कि 80-90 प्रतिशत रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर सिर्फ निर्माण के समय बनाए गए। बाद में उनका रखरखाव नहीं हुआ, जिससे वे लगभग निष्क्रिय स्थिति में पहुंच गए। उन्होंने कहा कि यह स्थिति गंभीर है। उन्होंने नोडल अधिकारी आर एस बाठ को निर्देश दिए कि वे 31 दिसंबर के उपरांत 10 से 15 सोसाइटीज में यह चेक करें कि उनके यहां वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम कार्यशील है कि नहीं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि आज की वर्कशॉप में जो भी सोसाइटीज या आरडब्ल्यूए अनुपस्थित हैं, उनके यहां इसकी विशेष जांच की जाए। डीसी अजय कुमार ने वर्कशॉप में कहा कि गुरुग्राम जैसे तेजी से विकसित होते शहर में जल संरक्षण अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुका है। उन्होंने कहा कि बारिश के बढ़ते पैटर्न, तीव्र वर्षा की घटनाओं और लगातार गिरते भूजल स्तर के चलते हमें बड़े प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर भी अन्य समाधान अपनाने होंगे।

बिहार में एनडीए का जनादेश मोदी और नीतीश पर भरोसे का जनादेश : डॉ. सतीश पूनिया

एजेंसी
झज्जर। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत पर भाजपा के हरियाणा प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि बिहार की जनता का जनादेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भरोसे का जनादेश है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने वाकई में जंगलराज को नकारा है और राज्य के विकास व तरक्की के लिए स्पष्ट जनादेश दिया है। पूनिया बहादुरगढ़ व झज्जर में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना भी साधा। इस मौके पर भाजपा के झज्जर जिला अध्यक्ष विकास वाल्मीकि, जिला परिषद के चेयरमैन कप्तान बरधाना, संजय कबलाना, दिनेश कौशिक आदि मौजूद रहे। भाजपा नेता डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की गठबंधन की सरकार ने बिहार में विकास को नई रफ्तार दी है। अब बिहार में विकास रफ्तार पकड़ चुका है, बिहार जंगल राज से मुक्त और विकास राज के रास्ते पर चल पड़ा है। यह जनादेश बिहार में कानून व्यवस्था की दुरुस्ती, बुनियादी विकास के लिए जनता ने एनडीए को दिया है। डॉ. पूनिया ने कहा कि जिस तरीके से आरजेडी के राज में भ्रष्टाचार था, जंगल राज था उसको नकारते हुए एक नया भरोसा बिहार की जनता ने पीएम मोदी और नीतीश कुमार पर किया है। बिहार की जो चुनौतियां और समस्याएं हैं उनका इस पूरे कालखंड में समाधान हुआ है। आज मिला जनादेश बिहार के भरोसे का जनादेश है। एक सवाल पर बोलते हुए डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि अब राहुल गांधी के माथे पर एक और हार लिखी गई है। राहुल गांधी धरातल पर नहीं, बल्कि कल्पनाओं में जीते हैं। हिन्दुस्तान की चुनावी राजनीति में जनता के बीच होना होता है, लेकिन राहुल गांधी कहां होते हैं यह पता ही नहीं होता।

बिहार चुनाव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कद बढ़ायाः आरती सिंह राव

एजेंसी
रेवाड़ी। बिहार की ऐतिहासिक रिकॉर्ड जीत ने यह साबित कर दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर देश को पूरा भरोसा है। इस जीत से भारत की राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कद और बढ़ा है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कोसली किसान भवन परिसर में आयोजित हुई जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। कोसली व भाकली का आभार व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि यह इलाका केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के लिए रीढ़ की हड्डी की तरह ताकत देता है। शुरु से ही कोसली क्षेत्र ने राव इंद्रजीत सिंह का मजबूती से साथ दिया। उन्होंने कहा कि अटेली के चुनाव में भी उनको कोसली का साथ मिला तथा यहां विधायक अनिल यादव को भारी मतों से जीत दिलवाई, जिसके लिए वह यहां की जनता का आभार व्यक्त करती हैं नवनियुक्त मार्केट कमेटी चेयरमैन महेश यादव एवं वाइस चेयरमैन दिनेश गोयल के पदभार संभालने के उपलक्ष्य में आयोजित हुए इस समारोह में मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि कोसली

विधानसभा क्षेत्र में सब हेल्थ सेंटर, पीएचसी, सीएचसी व बीएचयू की स्थापना के लिए 57 करोड़ की राशि खर्च की जा रही है। भविष्य में चिकित्सा सुविधाओं को और भी विस्तार दिया जाएगा। विधायक अनिल यादव ने कहा कि केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की स्पष्ट और ईमानदार कार्यशैली को स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव आगे बढ़ा रही हैं। किसान भवन में मंत्री आरती सिंह राव, विधायक अनिल यादव व भाजपा जिलाध्यक्ष डा वंदना पोपली के सानिध्य में महेश यादव व दिनेश गोयल ने अपना पदभार ग्रहण किया। स्वास्थ्य मंत्री ने उम्मीद जताई कि दोनों पदाधिकारी कोसली क्षेत्र के किसानों की भलाई के लिए काम करेंगे। सभा में मुकेश जाहिदपुर ने कोसली हलका में आईएमटी तथा रेवाड़ी में एम्स लाने के लिए केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह तथा स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का आभार जताया। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता वीर कुमार यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष मा हुकमचंद, चेयरमैन दुष्यंत सिंह, चेयरमैन कर्णपाल, हिमांशु पालीवाल, जिला उपाध्यक्ष बलजीत सिंह, कपिल चेयरमैन आदि मौजूद रहे।

एसीपी अमित ने सुरक्षा मजबूत करने को पुलिस-व्यापारियों की बैठक ली

एजेंसी
सोनीपत। सहायक पुलिस आयुक्त अमित धनखड़ की अध्यक्षता में थाना सिविल लाइन क्षेत्र के होटल व ढाबा मालिकों, टैक्सी एसोसिएशन तथा गाड़ी सेल-परचेज कारोबारियों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक का उद्देश्य क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करना, चोरी-ठगी पर रोक लगाना तथा होटल में ठहरने वाले व्यक्तियों और वाहन खरीद-फरोख्त में संलिप्त लोगों की पहचान सुनिश्चित करना रहा।

एसीपी अमित धनखड़ ने सभी संचालकों को निर्देश दिए कि होटल, ढाबा या गाड़ी सेल-परचेज कार्य से जुड़े हर व्यक्ति की पहचान का सही अभिलेख रखना अनिवार्य किया जाए। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वाहन या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दी जाए, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्व अक्सर ऐसे स्थानों का इस्तेमाल छिपने या गैरकानूनी गतिविधियों के लिए करते हैं। इसलिए सभी कारोबारी सतर्करहें और अपनी जिम्मेदारी निभाएं। क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की नियमित जांच और समय-समय पर तकनीकी सुधार सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। एसीपी ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज कई मामलों में अपराध की जांच का महत्वपूर्ण आधार बनती है, इसलिए कैमरे

हमेशा सही स्थिति में हों। उन्होंने कहा कि पुलिस-प्रशासन जनता की सुरक्षा के लिए पूर्णतः समर्पित है, परन्तु सुरक्षा व्यवस्था तभी प्रभावी बनती है जब पुलिस और व्यापारी वर्ग के बीच निरंतर सहयोग बना रहे। सभी संचालक तय नियमों का पालन करें और किसी भी जानकारी को छिपाने के बजाय तुरंत साझा करें। बैठक में थाना सिविल लाइन प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार सहित अनेक व्यापारी मौजूद रहे। अंत में एसीपी धनखड़ ने कहा कि पुलिस और व्यापारियों के बीच मजबूत संवाद से क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था और अधिक प्रभावी बन सकती है।

लाडो लक्ष्मी योजना में होगा बदलाव, अब हर माह की बजाय साल में दो बार मिलेंगे पैसे

एजेंसी
हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हाल ही में शुरू की गई लाडो लक्ष्मी योजना में थोड़ा बदलाव करने के संकेत दिए हैं। इसके तहत महिलाओं को हर माह 2100 रुपये देने की बजाय पूरी रकम दो किस्तों में देने की योजना है। मुख्यमंत्री ने इस योजना पर काम करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बरवाला क्षेत्र के गांव खरक पूनिया में एक समारोह को संबोधित करते हुए ये बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने वादे के अनुसार लाडो लक्ष्मी योजना की शुरूआत कर दी है और पहले ही बजट में सरकार ने पांच हजार करोड़ के बजट का प्रावधान कर दिया था। सरकार ने एक नंबवर से महिलाओं के खाते में 2100 रुपये डालने भी शुरू कर दिए हैं लेकिन हमारा मानना है कि यह राशि बहुत छोटी है। ऐसे में हमने विचार किया है कि यह राशि हर माह महिलाओं के खातों में डालने की बजाय दो किस्तों में ब्याज सहित डाली जाए तो ठीक रहेगा। इससे महिलाएं अपना कोई स्वरोजगार का काम शुरू कर पाएगी। इस पर विचार करने के

निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि साल में दो किस्तों में ये राशि जाएगी तो महिलाओं को भी फायदा होगा। यदि योजना सिरे चढ़ी तो हरियाणा में लाडो लक्ष्मी योजना के 2100 रुपए हर महीने देने की बजाय साल में दो बार (12600-12600) रुपये दिए जाएंगे। सरकार व पार्टी का मानना है कि एक साथ पैसा महिलाओं के खाते में जाएगा तो इससे बड़ा मैसेज जाएगा। भाजपा ने चुनाव में किया था वादा पिछले वर्ष हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने लाडो लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को 2100 रुपये हर माह देने की घोषणा की थी। इस वर्ष मार्च में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बजट भाषण में योजना का औपचारिक ऐलान किया और इसके लिए 5000 करोड़ रुपए का प्रावधान भी कर दिया था। सितंबर माह में योजना लॉन्च करते हुए एक नवंबर को हरियाणा दिवस के मौके पर 2100 रुपए की मासिक किस्त डीबीटी के जरिए मिली।

युवा उत्सव रिदम में ऊर्जा, रचनात्मकता और स्वदेशी विचारों का संदेश हैः कुलगुरु

एजेंसी
सोनीपत। दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल में वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव रिदम 2025 की शुरुआत हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलगुरु प्रो. प्रकाश सिंह और आरएसएस के प्रांत प्रचार प्रमुख राजेश द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया। दो दिन तक चलने वाले इस युवा उत्सव में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थी पाँच मंचों पर अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि राजेश ने कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में रिदम की आवश्यकता होती है। रिदम केवल संगीत का हिस्सा नहीं, बल्कि जीवन की सुचारु गति का आधार है। उन्होंने कहा कि जब भी जीवन में रिदम टूटता है, तो उसका संचालन कठिन हो जाता है। समाज और प्रकृति के बीच संतुलन बनाकर रखना आवश्यक है।

उन्होंने जल और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि पानी को व्यर्थ न बहाएं, प्लास्टिक का उपयोग बंद करें तथा पौधारोपण कर प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि भाषा, भजन, भोजन, भवन और भ्रमण में स्वदेशी अपनाने से व्यक्ति और समाज दोनों सशक्त कुलगुरु प्रो. सिंह ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि रिदम विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। यह केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवा मन की लय और रचनात्मकता का उत्सव है। उन्होंने कहा कि आज शिक्षा का अर्थ केवल पाठ्यपुस्तक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की कला है। विद्यार्थी मंच पर प्रस्तुति देकर अपने आत्मविश्वास और सृजनात्मकता को व्यक्त करते हैं, यही वास्तविक शिक्षा है। उन्होंने विद्यार्थियों से पंच प्रण अपनाने तथा राष्ट्रीय एकता, विरासत पर गर्व और कर्त्तव्यों के पालन का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में रिदम कोर्डिनेटर डा. आरती देवेश्वर ने विवरण प्रस्तुत किया। इस दौरान विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एशिया-पैसिफिक में 19,560 नए हवाई जहाजों की जरूरतः एयरबस

नैरो-बॉडी और वाइड-बॉडी दोनों प्रकार के प्लेन शामिल

मुंबई एयरबस ने कहा कि अगले 20 सालों में एशिया-पैसिफिक क्षेत्र को 19,560 नए हवाई जहाजों की जरूरत होगी। इसमें नैरो-बॉडी और वाइड-बॉडी दोनों प्रकार के प्लेन शामिल हैं। यह वैश्विक मांग का लगभग 46 फीसदी है, क्योंकि दुनिया में कुल 42,520 नए विमान चाहिए होंगे। भारत और चीन इस वृद्धि में सबसे बड़ा योगदान देंगे। इस क्षेत्र में पैसेंजर ट्रैफिक हर साल 4.4 फीसदी की दर से बढ़ेगा, जो वैश्विक औसत 3.6 फीसदी से अधिक है। एयरबस ने बताया कि क्षेत्र में लगभग 3,500 वाइड-बॉडी प्लेन और 16,100 सिंगल-आइजल प्लेन की मांग होगी। एयरलाइंस की बढ़ती जरूरत, नई रूट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार से क्षेत्र तेजी से विकास कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का फेज 1 उद्घाटन किया, जिसकी लागत 19,650 करोड़ है। यह डिजिटल सुविधाओं से लैस होगा और सालाना 20 मिलियन पैसेंजर्स संभालेगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में भी अच्छी प्रगति है, जो दिल्ली-एनसीआर को आसपास के शहरों से जोड़ेगा।

यूनिफिन्ज़ कैपिटल इंडिया ने किया 4:1 बोनस शेयर का ऐलान

22 दिसंबर तक निवेशकों को मिलेंगे बोनस शेयर; पिछले 5 साल में स्टॉक 1635 फीसदी चढ़ा

मुंबई स्मॉल-कैप एनबीएफसी कंपनी यूनिफिन्ज़ कैपिटल इंडिया लिमिटेड ने निवेशकों को बड़ा तोहफ़ा देते हुए 4:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की है। कंपनी के बोर्ड ने यह फैसला 14 नवंबर को हुई बैठक में लिया। इसी बैठक में बोर्ड ने कर्मचारियों के लिए ईएसओपी 2025 योजना को भी मंजूरी दे दी। कंपनी ने बताया कि योग्य निवेशकों को बोनस शेयर 22 दिसंबर तक जारी कर दिए जाएंगे, हालांकि अभी रिकॉर्ड डेट घोषित नहीं की गई है। कंपनी द्वारा घोषित 4:1 बोनस रेशियो का मतलब है कि निवेशकों को हर 1 शेयर पर 4 नए बोनस शेयर मिलेंगे। उदाहरण के तौर पर यदि किसी निवेशक के पास 10 शेयर हैं, तो बोनस जारी होने के बाद उसका कुल होल्डिंग बढ़कर 50 शेयर हो जाएगा। बोनस शेयर जारी करने का उद्देश्य शेयरों की तरलता बढ़ाना और व्यापक निवेशक आधार को आकर्षित करना होता है।

एडवांस्ड कार 2026 पोर्शे 911 टर्बो एस लॉन्च

नईदिल्ली भारत में पोर्शे कंपनी ने अपनी अब तक की सबसे शक्तिशाली और एडवांस्ड कार 2026 पोर्शे 911 टर्बो एस लॉन्च कर दी है। यह न सिर्फ पोर्शे 911 टर्बो एस सीरीज का टॉप मॉडल है, बल्कि पोर्शे की अब तक की सबसे तेज और हाई-टेक रोड कार भी मानी जा रही है। कंपनी ने इसकी एक्स-शोरूम कीमत 3.80 करोड़ रुपये तय की है। नई 911 टर्बो एसमें कंपनी ने टेक्नोलॉजी, परफॉर्मेंस और लक्जरी का बेहतरीन मेल पेश किया है। इस बार पोर्शे ने पारंपरिक पेट्रोल इंजन के बजाय इसे हाइब्रिड पावरट्रेन के साथ पेश किया है। कार में नया 3.6-लीटर फ्लैट-सिक्स ट्विन-टर्बो इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर का संयोजन दिया गया है, जो मिलकर 711 बीएचपी की पावर और 800 एनएम का टॉर्क जनरेट करते हैं। इतनी ताकत के साथ यह सुपरकार 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार महज 2.5 सेकंड में पकड़ लेती है, जबकि इसकी टॉप स्पीड 322 किमी/घंटा तक जाती है। डिजाइन के मामले में नई 911 टर्बो एस पूरी तरह एक स्पोर्टी आभा लिए हुए है। इसके रियर में नया 'डकटेल' स्पॉइलर, साइड्स पर बड़े एयर इनटेक्स और नए डिजाइन के सेंटर-लॉक अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। अंदर का केबिन भी उतना ही शानदार है, जिसमें फुली डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम (एंड्राएड ऑटो और एप्पल कारप्ले सपोर्ट के साथ), इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स सीट्स और प्रीमियम लेदर फिनिश शामिल हैं।

अमेरिकी टैरिफ के चलते भारतीय खिलौना निर्यात पर संकट

खेल व स्पोर्ट्स सामान का निर्यात 8.9 फीसदी बढ़कर 302.6 मिलियन डॉलर पहुंचा

मुंबई

वित्त वर्ष की शुरुआत में भारतीय खिलौना निर्यातकों के लिए माहौल सकारात्मक रहा। अप्रैल से अगस्त तक उत्सव, कार्निवल और मनोरंजन वाले खिलौनों का निर्यात 4 फीसदी बढ़कर 101.9 मिलियन डॉलर और कुल खिलौने, खेल व स्पोर्ट्स सामान का निर्यात 8.9 फीसदी बढ़कर 302.6 मिलियन डॉलर पहुंच गया।

अमेरिका इस क्षेत्र का सबसे बड़ा बाजार है और अमेरिकी खरीदारों की एडवांस खरीदारी ने अप्रैल-अगस्त तक निर्यात को मजबूती दी। फनस्कूल इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, अमेरिकी त्योहारों के लिए शिपमेंट अप्रैल से शुरू होते हैं। 1 अगस्त से भारत पर अमेरिकी ड्यूटी 25 फीसदी और 27 अगस्त से 50 फीसदी कर दी गई। यह कदम भारत के रूसी क्रूड खरीदने से जुड़ा था। इसके बाद नए ऑर्डर अचानक कम हो गए और अमेरिकी खरीदार अब अन्य देशों की ओर रुख कर रहे हैं। टैरिफ के बढ़ने से भारतीय निर्यातक कीमतें घटाने और पैकेजिंग साधारण करने पर मजबूर हो गए। कई खिलौनों का आकार छोटा किया गया और फीचर्स कम कर दिए गए।

दिल्ली के एक निर्यातक का कहना है कि कस्टमर अधिक डिस्काउंट मांग रहे हैं, वरना व्यवसाय वियतनाम जैसी जगहों पर चला जाएगा।

अक्टूबर-नवंबर के त्योहार सीजन में साइकिल और अन्य खिलौनों की बुकिंग इस बार आधी रह गई है।

फोर्स मोटर्स साझा परिवहन और वैश्विक विस्तार में सक्रिय

तीन साल में 2,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी

नई दिल्ली फोर्स मोटर्स ने साझा परिवहन समाधानों और बहुउपयोगी वाहनों पर ध्यान केंद्रित किया है। कंपनी के प्रमुख उत्पादों में मसल ट्रैवलर और अर्बनिया प्लेटफ़ॉर्म शामिल हैं, जो शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन क्षेत्रों के लिए हल्के वाणिज्यिक वाहन प्रदान करते हैं। पिछले दो तिमाहियों से कर्ज-मुक्त फोर्स मोटर्स ने अगले तीन वर्षों में डिजिटलीकरण, उत्पादन सुविधाओं के आधुनिकीकरण और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लगभग 2,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत निवेश की योजना बनाई है। कंपनी खाड़ी क्षेत्र के 20 देशों को निर्यात कर रही है और लातिनी अमेरिका व अफ्रीका के नए बाजारों में प्रवेश करने की तैयारी कर रही है। इस साल पांच और अंतरराष्ट्रीय बाजार जोड़ने का लक्ष्य है।ट्रैवलर खंड में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 70 फीसदी से अधिक है। फोर्स मोटर्स साझा परिवहन और रक्षा क्षेत्र में आक्रामक वृद्धि की ओर बढ़ रही है।

ऑटोराइडर्स ने शेयरधारकों को दिया बड़ा तोहफ़ा, 5:1 अनुपात में जारी होंगे बोनस शेयर

रिकॉर्ड डेट 18 नवंबर 2025 तय, बिक्री में उछाल लेकिन सितंबर तिमाही में मुनाफा दबा

मुंबई आटो सेक्टर की कंपनी ऑटोराइडर्स इंटरनेशनल ने अपने शेयरधारकों के लिए बड़ा ऐलान करते हुए 5:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की मंजूरी दे दी है। कंपनी के बोर्ड ने बताया कि हर एक मौजूदा शेयर पर निवेशकों को पांच नए बोनस शेयर मुफ्त में मिलेंगे। यह जानकारी कंपनी ने पिछले सोमवार को स्टॉक एक्सचेंज को सौंपे गए फाइलिंग में दी। नए बोनस शेयर पूरी तरह पेड-अप होंगे और प्रत्येक शेयर की फेस वैल्यू 10 रुपये तय की गई है। कंपनी ने स्पष्ट किया कि बोनस शेयर जारी करने के लिए वह किसी भी तरह की नई पूंजी नहीं जुटाएगी, बल्कि अपने सिक्योरिटी प्रीमियम अकाउंट, फ्री रिजर्व और अन्य योग्य रिजर्व को कैपिटलाइज़ किया जाएगा। इसका मतलब है कि बोनस शेयरों के लिए पैसा कंपनी के आंतरिक फंड से ही लिया जाएगा। कंपनी ने बोनस पाने के लिए 18 नवंबर 2025 को रिकॉर्ड डेट घोषित की है। यानी इस तारीख को जिन निवेशकों का नाम कंपनी के मेंबर रजिस्टर में दर्ज होगा, वे बोनस शेयर के हकदार होंगे। हालांकि, शेयरधारकों के पास मौजूद मौजूदा शेयरों की गणना 17 नवंबर तक के होल्डिंग के आधार पर की जाएगी। कंपनी के मुताबिक, नए जारी होने वाले बोनस शेयर हर तरह से मौजूदा इक्विटी शेयरों के बराबर रहेंगे। इसी के साथ कंपनी की सितंबर तिमाही के नतीजे भी सामने आए हैं। दूसरी तिमाही वित्त वर्ष 26 में कंपनी का नेट प्रॉफिट 10.82 फीसदी गिरकर 2.39 करोड़ रुपये रह गया, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 2.68 करोड़ रुपये था।

वैश्विक कारक तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

अन्य देशों की आर्थिक नीतियां, तेल व कच्चे माल की कीमतों में बदलाव भी शेयर बाजार को कर सकते हैं प्रभावित

मुंबई

पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजार ने डेढ़ प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की। बाजार इस समय अपने उच्चतम स्तर के करीब है, जिससे निवेशकों का उत्साह बरकरार है। विशेषज्ञों का कहना है कि कंपनियों के तिमाही परिणाम अपेक्षाकृत मजबूत रहे हैं, जिससे बाजार में सकारात्मक माहौल बना हुआ है। बैंकिंग, आईटी और एफएमसीजी सेक्टर में बेहतर प्रदर्शन ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। इस सप्ताह में घरेलू बाजार की दिशा वैश्विक घटनाक्रम से प्रभावित होने की संभावना है। अमेरिका और अन्य प्रमुख देशों की आर्थिक नीतियां, तेल व कच्चे माल की कीमतों में बदलाव, और अंतरराष्ट्रीय बाजारों का रुख घरेलू शेयर बाजार पर असर डाल सकते हैं। निवेशक विशेष रूप से भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता की प्रगति पर नजर रखेंगे। व्यापार समझौते या किसी विवाद से बाजार में उतार-चढ़ाव संभव है।

आगामी सप्ताह भारत के आयात-निर्यात आंकड़े भी जारी होने हैं। यदि निर्यात में बढ़ोतरी और आयात पर नियंत्रण रहता है, तो रुपये की मजबूती के साथ बाजार में सकारात्मक रुझान देखने को मिल सकता है। वहीं, आयात बढ़ने और व्यापार घाटे में वृद्धि से बाजार पर दबाव पड़ सकता है। हालिया तिमाही परिणाम और बाजार की स्थिरता निवेशकों के लिए उत्साहजनक संकेत हैं। हालांकि, वैश्विक घटनाओं, व्यापार वार्ता और आगामी आर्थिक आंकड़ों पर नजर बनाए रखना आवश्यक होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह बाजार में हल्के उतार-चढ़ाव के साथ स्थिरता देखने को मिल सकती है, और निवेशकों को सतर्क रहकर ही निर्णय लेने चाहिए।

सेंसेक्स की आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.05 लाख करोड़ बढ़ा

भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही

नई दिल्ली

बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में कुल 2,05,185.08 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रहीं।

भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 55,652.54 करोड़ रुपये बढ़कर 11,96,700.84 करोड़ रुपये हो गया, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 54,941.84 करोड़ रुपये का इज़ाफ़ा दर्ज किया और इसका बाजार पूंजीकरण 20,55,379.61 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 40,757.75 करोड़ रुपये बढ़कर 11,23,416.17 करोड़ रुपये हो गया, आईसीआईसीआई बैंक ने 20,834.35 करोड़ रुपये बढ़ाकर 9,80,374.43 करोड़ रुपये का बाजार पूंजीकरण दर्ज किया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) 10,522.9 करोड़ रुपये बढ़कर 8,92,923.79 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 10,448.32 करोड़ रुपये बढ़कर 6,24,198.80 करोड़ रुपये हो गया, एचडीएफसी बैंक ने 9,149.13 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया और इसका बाजार पूंजीकरण 15,20,524.34 करोड़ रुपये हो गया, हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 2,878.25 करोड़ रुपये बढ़कर 5,70,187.06 करोड़ रुपये पर रहा।

इसके विपरीत बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 30,147.94 करोड़ रुपये घटकर 6,33,573.38 करोड़ रुपये रह गया।

भारतीय जीवन बीमा निगम का बाजार पूंजीकरण 9,266.12 करोड़ रुपये घटकर 5,75,100.42 करोड़ रुपये पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर बनी रही, उसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, एलआईसी और एचयूएल का क्रम रहा।

त्योहारी सीजन से पहले कोयला आयात में वृद्धि, इस्पात उद्योग की मांग बढ़ी

सितंबर में आयात 13.54 प्रतिशत बढ़कर 2.20 करोड़ टन के पार

नई दिल्ली सितंबर 2025 में भारत का कोयला आयात 13.54 प्रतिशत बढ़कर 2.20 करोड़ टन पहुंच गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 1.94 करोड़ टन था। गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.39 करोड़ टन रहा, जो पिछले साल के 1.32 करोड़ टन से थोड़ा अधिक है। इस्पात क्षेत्र के लिए आवश्यक कोकिंग कोयले का आयात 33.9 लाख टन से बढ़कर 45 लाख टन हो गया। एमजंक्शन सर्विसेज के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-सितंबर, 2025 में गैर-कोकिंग कोयले का आयात घटकर 8.60 करोड़ टन और कोकिंग कोयले का आयात बढ़कर 3.15 करोड़ टन रहा। एमजंक्शन के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार त्योहारों के मौसम में खरीदारों की बढ़ी हुई मांग और सर्दियों में इस्पात मिलों की पुनः भंडारण आवश्यकता आयात वृद्धि का मुख्य कारण है। क्षेत्रीय विशेषज्ञों का मानना है कि इस्पात और औद्योगिक कोयले की मजबूत मांग बिजली क्षेत्र में मौसमी कमजोरी को संतुलित करेगी। भारत घरेलू कोयला उत्पादन बढ़ा रहा है, लेकिन उच्च-श्रेणी के तापीय और कोकिंग कोयले की कमी के कारण आयात आवश्यक बना हुआ है।

एनटीपीसी की नई परमाणु ऊर्जा योजना, 30 फीसदी हिस्सेदारी का लक्ष्य

प्रति गीगावाट संयंत्र के लिए 15,000–20,000 करोड़ रुपये का निवेश आवश्यक होगा

नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड ने भारत में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बड़े विस्तार की योजना की घोषणा की है।

कंपनी 700 मेगावाट, 1,000 मेगावाट और 1,600 मेगावाट क्षमता वाली परियोजनाओं को देश के विभिन्न हिस्सों में स्थापित करने की योजना बना रही है। एनटीपीसी का लक्ष्य 2047 तक भारत की प्रस्तावित 100 गीगावाट परमाणु क्षमता में 30 गीगावाट का हिस्सा हासिल करना है।

उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, प्रति गीगावाट संयंत्र के लिए 15,000-20,000 करोड़ रुपये का निवेश आवश्यक होगा और परियोजना शुरू होने से चालू होने तक लगभग तीन साल का समय लगता है। कंपनी ने गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार और आंध्र प्रदेश में भूमि विकल्पों का मूल्यांकन शुरू कर दिया है। परियोजनाएं केवल परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) द्वारा अनुमोदित स्थलों पर ही क्रियान्वित की जाएंगी। एनटीपीसी एईआरबी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप परियोजनाओं को लागू करेगी। यूरेनियम, जो परमाणु रिएक्टर का मुख्य ईंधन है, के लिए कंपनी ने विदेशों में परिसंपत्तियों के अधिग्रहण और संयुक्त तकनीकी-व्यावसायिक जांच के लिए यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) के साथ समझौते किए हैं। एनटीपीसी 700 मेगावाट और 1,000 मेगावाट संयंत्रों के लिए स्वदेशी दाबयुक्त भारी जल रिएक्टर का उपयोग करेगी। वहीं 1,600 मेगावाट परियोजनाओं के लिए तकनीकी सहयोग पर विचार किया जा रहा है।

पेज इंडस्ट्रीज ने 125 रुपए प्रति शेयर अंतरिम डिविडेंड घोषित किया

▸▸ लगातार आठवीं बार कंपनी ने 100 रुपए से अधिक का अंतरिम डिविडेंड दिया

नई दिल्ली

इनरवियर और लाउंजवियर सेगमेंट की अग्रणी कंपनी पेज इंडस्ट्रीज ने अपने शेयरधारकों को एक बार फिर बड़ा तोहफ़ा दिया है। कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले प्रति शेयर पर 125 रुपये का दूसरा अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। यह लगातार आठवीं बार है जब कंपनी ने 100 रुपये से अधिक का अंतरिम डिविडेंड दिया है। यह निर्णय 13 नवंबर को हुई बोर्ड मीटिंग के बाद एक्सचेंज फाइलिंग के माध्यम से जारी किया गया। पेज इंडस्ट्रीज भारत में जॉकी ब्रांड की एक्सक्लूसिव लाइसेंसी है, जिससे इसका बाज़ार में प्रीमियम स्थान बना हुआ है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए घोषित इस 1250 फीसदी डिविडेंड की पात्रता तय करने हेतु रिकॉर्ड डेट 19 नवंबर 2025 रखी है। योग्य निवेशकों को डिविडेंड की राशि 12 दिसंबर तक या उससे पहले भुगतान कर दी जाएगी। डिविडेंड घोषणा से निवेशकों में उत्साह दिखा है, हालांकि पिछले कुछ समय में शेयर कीमतों में मामूली उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया है। दूसरी तिमाही के नतीजों की बात करें तो जुलाई-सितंबर 2025 में कंपनी का नेट प्रॉफिट 194.76 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 195.25 करोड़ रुपये से थोड़ा कम है।

हालांकि, ऑपरेशंस से रेवेन्यू लगभग 4 फीसदी बढ़कर 1,290.85 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान सेल्स वॉल्यूम में 2.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई और कुल 56.6 मिलियन पीस बेचे गए। एबिटिडा हल्की गिरावट के साथ 279.5 करोड़ रुपये रहा। मार्केट कैप लगभग 44,328 करोड़ रुपये वाली पेज इंडस्ट्रीज भारत के सबसे महंगे स्टॉक्स में शामिल है।

तेल-तिलहन बाजार में मिली-जुली चाल, कुछ दाम बढ़े तो कुछ घटे

सरकारी आयात शुल्क में कटौती, मौसमी मांग और अंतरराष्ट्रीय कीमतों में बदलाव से बाजार की चाल प्रभावित हुआ

नई दिल्ली

देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह दामों में उथल-पुथल देखने को मिली। कुछ तिलहन और तेलों के भाव में सुधार हुआ तो कुछ में गिरावट दर्ज की गई। सरकारी आयात शुल्क में कटौती, मौसमी मांग और अंतरराष्ट्रीय कीमतों में बदलाव ने बाजार की चाल को प्रभावित किया। इस बीच किसानों और व्यापारियों के लिए दामों में संतुलन बना पाना चुनौतीपूर्ण रहा।

सरसों दाने के दाम में 25 रुपये की बढ़त रही और यह 7,125-7,175 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं, सरसों तेल के भाव में गिरावट आई। दादरी तेल 125 रुपये घटकर 14,750 रुपये प्रति क्विंटल और पक्की व कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,470-2,570 और 2,470-2,505 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए। सरसों तिलहन के ऊंचे भाव के बावजूद आयात शुल्क में कटौती और कमजोर लिवाली के कारण सरसों तेल के दाम दबाव में रहे।

सोयाबीन दाना और लूज के थोक भाव में 150 रुपये की बढ़त हुई, क्रमशः 4,700-4,750 और 4,400-4,500 रुपये प्रति क्विंटल पर। सोयाबीन तेल (दिल्ली, इंदौर, डीगम) स्थिर रहे। घरेलू दाम अभी भी एमएसपी से नीचे हैं और आयातित सोयाबीन लागत से कम पर बिकने के कारण दाम स्थिर बने। मूंगफली तिलहन 275 रुपये की बढ़त के साथ 6,175-6,550 रुपये प्रति क्विंटल पर और मूंगफली तेल गुजरात थोक 14,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बिनौला तेल के दाम 150 रुपये बढ़कर 12,550 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंचे। जाड़े में मूंगफली की मांग और गुजरात में बिनौला तेल की सस्ती उपलब्धता इसकी वजह रही। सीपीओ का दाम 25 रुपये घटकर 11,300 रुपये प्रति क्विंटल और पामोलीन दिल्ली 13,075, एक्स-कांडला 12,075 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। जाड़े में तेल जमने और अंतरराष्ट्रीय कीमतों में गिरावट, साथ ही आयात शुल्क में कटौती, पाम तेल की कीमतें घटाने का मुख्य कारण रहे। सरकार ने आयात शुल्क में कटौती की- सीपीओ 70, पामोलीन 182 और सोयाबीन डीगम 42 रुपये प्रति क्विंटल। विशेषज्ञों का कहना है कि किसानों को एमएसपी के अनुरूप दाम देने से घरेलू उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

नेटको फार्मा ने निवेशकों को दिया बड़ा तोहफा, अंतरिम डिविडेंड का ऐलान

सितंबर तिमाही में मुनाफा घटा, खर्च बढ़ने से मार्जिन पर दबाव

नई दिल्ली

फार्मा सेक्टर की प्रमुख कंपनी नेटको फार्मा ने अपने निवेशकों को बड़ी राहत देते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अंतरिम डिविडेंड की घोषणा कर दी है। कंपनी ने बताया कि 2 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 1.50 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड दिया जाएगा, जो 75 फीसदी के बराबर है। बोर्ड ने यह मंजूरी अपनी मीटिंग में दी। कंपनी ने 20 नवंबर को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी इस तारीख तक जिन निवेशकों के पास शेयर होंगे, वही डिविडेंड पाने के हकदार होंगे। निवेशकों को भुगतान 28 नवंबर से शुरू होगा। इससे पहले कंपनी ने अगस्त में 2 प्रति शेयर और फरवरी में 1.50 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड दिया था। कंपनी ने सितंबर 2025 में खत्म हुई तिमाही के नतीजे भी जारी किए। इस दौरान नेटको का मुनाफा 517.9 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के 676.5 करोड़ रुपये की तुलना में काफी कम है। कंपनी ने बताया कि आरएंडडी पर बढ़ा खर्च और वन-टाइम कर्मचारी बोनस मुनाफे में गिरावट की प्रमुख वजहें रहीं। वहीं, ऑपरेशंस से होने वाली कमाई 1,363 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल के 1,371.1 करोड़ रुपये से थोड़ा कम है। इस तिमाही में कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 849.3 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 616.7 करोड़ रुपये था। शेयर बाजार में शुक्रवार को नेटको फार्मा के शेयरों में हल्की कमजोरी देखने को मिली और यह 1.33 फीसदी गिरकर 815.10 रुपए पर बंद हुआ। कंपनी का मार्केट कैप इस समय 14,599.25 करोड़ रुपए है। पिछले एक महीने में शेयर ने 0.66 फीसदी का रिटर्न दिया है, जबकि एक साल में इसमें 40.75 फीसदी की गिरावट आई है।

एनडीए की 'सुनामी' को भांपने में क्यों फेल हुए एग्जिट पोल?

योगेश कुमार गोयल

बिहार के दो चरणों वाले चुनाव में भारी मतदान ने यह संकेत पहले ही दे दिया था कि इस बार कुछ अलग ही लहर है लेकिन यह लहर कितनी प्रचंड होगी, इसे कोई भी एजेंसी अपने सर्वे में नहीं पकड़ सकी। 65 और 68 प्रतिशत की रिकॉर्ड वोटिंग ने विश्लेषकों को जरूर सतर्क किया था लेकिन यह सतर्कता भी उस समय ध्वस्त हो गई, जब एग्जिट पोल्स ने लगभग एक जैसी थाली परोसी यानी एनडीए की जीत लेकिन सीमित मार्जिन के साथ।

नीतियों, संख्या-शास्त्र और राजनीतिक सामाजिक रुझानों को समझने का दावा करने वाले एग्जिट पोल्स एक बार फिर बिहार के जनादेश के सामने बुरी तरह धराशायी हो गए। यह वही बिहार है, जहां जनता की राजनीतिक सूझबूझ देशभर में मिसाल मानी जाती है और इसी बिहार ने 2025 के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि मतदाता का मन कागजों, ग्राफों और टीवी स्टूडियो की चचाओं से नहीं पढ़ा जा सकता। लगभग दो दर्जन एजेंसियों ने अपने-अपने अनुमानों की बौछार कर दी थी लेकिन नतीजों ने इनकी तथाकथित वैज्ञानिकता का मुखौटा एक झटके में उतारकर फैंक दिया। मतदान के बाद तमाम टीवी चैनलों पर जोर-शोर से दावे किए जा रहे थे कि इस बार तस्वीर साफ है, रुझान स्थिर हैं और रणनीति मजबूत है परन्तु असलियत यह थी कि वैज्ञानिक 'सैम्पलिंग' के नाम पर केवल अनुमान बेचे जा रहे थे और इन अनुमानों का आधार जमीन से ज्यादा स्टूडियो-केन्द्रित 'कॉलिनियरिटी' था।

हालांकि बिहार के दो चरणों वाले चुनाव में भारी मतदान ने यह संकेत पहले ही दे दिया था कि इस बार कुछ अलग ही लहर है लेकिन यह लहर कितनी प्रचंड होगी, इसे कोई भी एजेंसी अपने सर्वे में नहीं पकड़ सकी। 65 और 68 प्रतिशत की रिकॉर्ड वोटिंग ने विश्लेषकों को जरूर सतर्क किया था लेकिन यह सतर्कता भी उस समय ध्वस्त हो गई, जब एग्जिट पोल्स ने लगभग एक जैसी थाली परोसी यानी एनडीए की जीत लेकिन सीमित मार्जिन के साथ। लगभग सभी 'पोल ऑफ पोल्स' ने एनडीए को 150 के आसपास और महागठबंधन को 80-90 सीटों तक टिका दिया, मानो मतदाता किसी स्थिर पैटर्न में वोट डालने गया हो। इन अनुमानित संख्याओं में न आत्मविश्वास झलकता था, न शोध की गंभीरता। यही नहीं, प्रतिष्ठित मानी जाने वाली एक्सिस माय इंडिया और टुडेज चाणक्य जैसी एजेंसियां भी उस भूचाल को भांप नहीं सकी, जिसने एनडीए को 200 से अधिक सीटों के साथ रिकॉर्ड बहुमत दे दिया। यह पराजय अनुमान की नहीं, समझ की थी और यह विफलता आंकड़ों की नहीं, पद्धति की थी, जो सवाल उठाती है कि क्या एग्जिट पोल्स विश्लेषण करते हैं या महज भविष्यवाणी का खेल खेलते हैं?

सबसे दिलचस्प बात यह रही कि सभी एजेंसियों के बीच 'पोल डायरी' नाम की एकमात्र एजेंसी थी, जिसने एनडीए को 184-209 सीटों तक का अनुमान देकर राजनीतिक गलियारों को चौकन्ना कर दिया था। उस समय इसे कई

विशेषज्ञों ने 'आउटलायर' कहकर खारिज कर दिया था परंतु नतीजे आए तो वही आउट्लायर सबसे सटीक साबित हुआ। महागठबंधन को 32-49 सीटों का उसका अनुमान भी वास्तविक परिणामों से मेल खा गया। यह सवाल और बड़ा हो जाता है कि जब सारी एजेंसियां एक दिशा में झुकी हों और एक एजेंसी अलग दृष्टि दे रही हो, तब भी आखिर क्यों तथाकथित विशेषज्ञता उस एकमात्र भिन्न अनुमान को गंम्भीरता से नहीं लेती? जवाब स्पष्ट है कि एग्जिट पोल अब एक उद्योग है और उद्योग में जोखिम लेने की जगह कम होती है। सबको उसी लय में बोलना सुविधाजनक लगता है, जिसमें बहुमत की आवाज सुनाई देती है।

बिहार में एक्सिस ने 121-141, चाणक्य ने 148-172, भास्कर ने 145-160, पीपुल पल्स ने 133-159, मैट्रिज-आईएएनएस ने 147-167 और लगभग हर एजेंसी ने 130 से 160 के बीच एनडीए को बांधकर रखा। महागठबंधन को इन्हीं एजेंसियों ने उदारता के साथ 75-110 सीटें सौंप दी, मानो राजनीतिक ध्रुवीकरण, जातीय समीकरणों के पुनर्संयोजन, महिलाओं और युवाओं के मतदान पैटर्न जैसी वास्तविकताओं का कोई महत्व ही न हो। नतीजा? जमीन पर वोटर ने इन सारे अनुमानों को ह्यकागजी गणितह्न साबित कर दिया। एनडीए जहां 200 सीटों से ऊपर निकल गया, वहीं महागठबंधन 35 के आसपास सिमट गया।

बिहार की राजनीति की जटिलता को समझ पाने में एग्जिट पोल्स की असमर्थता कोई नई बात नहीं है। 2010, 2015 और 2020 में भी वे लगातार विफल रहे। 2015 में जब नीतीश-लालू गठबंधन की प्रचंड जीत हुई थी जबकि सर्वे एजेंसियों ने इसके उलट एनडीए की बढ़त दिखाई थी। 2020 में जब लगभग हर सर्वे ने महागठबंधन की जीत की भविष्यवाणी की थी, तब नतीजों ने एनडीए को 125 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत पर पहुंचा दिया था। अब 2025 में जब एनडीए की सुनामी आई, तब उसे भी पढ़ने में लगभग सभी एजेंसियां एक बार फिर चूक गई। आखिर चुनावी समाजशास्त्र में ऐसी क्या अंधी दीवार है, जो इन एजेंसियों को वास्तविकता से टकराने पर मजबूर कर देती है?

यह विफलता केवल बिहार तक सीमित नहीं है। हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और यहां तक कि लोकसभा चुनावों तक में एग्जिट पोल्स बार-बार चित्त होते आए हैं। 2024 लोकसभा चुनाव में तो लगभग हर एजेंसी ने एनडीए को 350-400 सीटों का आकाश छूता अनुमान दिया था जबकि भाजपा 240 सीटों पर रुक गई थी और एनडीए 292 पर। महाराष्ट्र में एग्जिट पोल्स ने 150-170 सीटों की 'महायुति' दिखा दी पर वास्तविक नतीजे 234 सीटों के विशाल बहुमत में तब्दील हो गए। झारखंड में अनुमान एनडीए का, नतीजा इंडिया ब्लॉक का; बंगाल में अनुमान त्रिशंकु का, नतीजा टीएमसी की सुनामी का, तो क्या यह कहना गलत है कि एग्जिट पोल अब विश्लेषण का औजार नहीं बल्कि मनोरंजन का साधन बन चुके हैं?

सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि आखिर एग्जिट पोल्स किस 'विज्ञान' पर चलते हैं? एजेंसियां दावा करती हैं कि वे वैज्ञानिक सैम्पलिंग, पिछले चुनावों के पैटर्न, जातीय-क्षेत्रीय वितरण, बूथवार गणना और वोट शेयर रूपांतरण मॉडल पर काम करती हैं लेकिन वास्तविकता यह है कि यह डेटा कितने बूथों से लिया जाता है, कितने मतदाताओं से बात होती है, कौनसे अनुपात लागू किए जाते हैं, इन सबकी पारदर्शिता लगभग शून्य है। 'वैज्ञानिक मॉडल' की आड़ में यह उद्योग एक ब्लैक बॉक्स की तरह काम करता है, जहां अंदर क्या चल रहा है, कोई नहीं जानता और बाहर सिर्फ अनुमान बेचा जाता है। हालांकि ऐसा नहीं है कि सैंपलिंग से नतीजे निकाले नहीं जा सकते। दुनियाभर में चुनाव पूर्व सर्वे और एग्जिट पोल आम प्रचलन में हैं लेकिन वहां मैथडोलॉजी खुली होती है, डेटा उपलब्ध होता है और एजेंसियों का मूल्यांकन उनके पिछले रिकॉर्ड के आधार पर किया जाता है। भारत में इसके उलट, टीवी चैनल टीआरपी के लिए और सर्वे एजेंसियां कॉन्ट्रैक्ट के लिए एग्जिट पोल पेश करती हैं। इन्हें वास्तविकता से ज्यादा कथानक गढ़ने में रुचि होती है। कई बार राजनीतिक पक्षधरता, कई बार व्यावसायिक दबाव और कुछ मामलों में 'सैंपल की कमी' जैसे बहाने इस उद्योग का स्थायी फॉर्मूला बन चुके हैं।

कुल मिलाकर, बिहार के 2025 के जनादेश ने एक बार फिर यह साबित किया है कि एग्जिट पोल्स मतदाता को पढ़ने का नहीं, मतदाता को प्रभावित करने का उपकरण बन चुके हैं। किसी भी लोकतंत्र में यह एक खतरनाक प्रवृत्ति है। जब टीवी चैनल और एजेंसियां मिलकर मतदाता के मन की थाह लेने के बजाय उसकी धारणाओं को दिशा देने में लग जाएं, तब उनकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगने स्वाभाविक है। यह समय है कि भारत में एग्जिट पोल्स के लिए स्वतंत्र विधिक नियंत्रण, स्पष्ट पद्धति प्रकटीकरण, सैम्पलिंग मानक, पारदर्शिता नियम और जवाबदेही लागू की जाए। जब तक यह उद्योग 'अनुमानों की दुकान' बना रहेगा, तब तक उसका हर अनुमान एक जोखिम होगा और उसकी हर भविष्यवाणी लोकतंत्र को भ्रमित करने का माध्यम। हालांकि बिहार ने एक बार फिर दुनिया को दिखा दिया कि यहां का मतदाता किसी भी 'पोल' से बड़ा है। 'पोल ऑफ पोल्स' विफल हुआ लेकिन जनता का पोल एकदम सही बैठा। यही बिहार की राजनीतिक चेतना की असली शक्ति है और यही लोकतंत्र की वह जीवंत धड़कन है, जिसे कोई सर्वे, कोई ग्राफ और कोई चैनल स्टूडियो कभी समझ नहीं पाएगा।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

महंगाई में कमी

सरकारी आंकड़े हमेशा सार्वजनिक विमर्श में रहते हैं। राहत और तरक्की के दावे विभिन्न सरकारों के दौर में अकसर सामने आते हैं। टकसाली सत्य यही है कि राहत व तरक्की का जमीनी प्रभाव भी नजर आना चाहिए। मसलन, जिस जनहित की बात की जा रही है, उसका अहसास भी आमजन को होना चाहिए। प्रथम दृष्टया यह राहतकारी माना जाना चाहिए कि देश में खुदरा महंगाई की दर में गिरावट दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि अक्तूबर में देश की मुद्रास्फीति की दर घटकर 0.25 रह गई है। यह स्थिति साल 2013 के बाद से सबसे कम बताई जा रही है। जाहिर है सरकार ने इसे अपनी बड़ी उपलब्धि माना है। सरकार का दावा है कि मुद्रास्फीति में यह बड़ी गिरावट कीमतों पर मजबूत नियंत्रण और कुशल वित्तीय प्रबंधन को ही दर्शाती है। लेकिन वहीं दूसरी ओर आम परिवारों के लिये इस राहत का अहसास करना इतना भी आसान नहीं है। दरअसल, मुद्रास्फीति में इस गिरावट में मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कम कीमतों की भूमिका देखी जा रही है। वहीं दूसरी ओर हाल ही में की गई जीएसटी दरों में कटौती का प्रभाव भी बताया जा रहा है। जिसके चलते उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में गिरावट आई है। वहीं दूसरी ओर मुद्रास्फीति में यह तीव्र गिरावट पिछले साल की ऊंची कीमतों के आधार प्रभाव को भी दर्शाती है, जो शायद लंबे समय तक न रहे। प्रथम दृष्टया भले ही यह प्रभावशाली लगे, लेकिन कई लोग अभी भी उच्च घरेलू खर्चों का दबाव महसूस कर रहे हैं। दूध, दालों और सब्जियों जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में अभी भी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। जिससे लोगों का पारिवारिक बजट प्रभावित हो रहा है। इसलिए, जहां समग्र मुद्रास्फीति दर में गिरावट आई है, वहीं आम लोगों के लिये व्यावहारिक जीवन यापन की लागत में उसी तरह की गिरावट महसूस नहीं की जा रही है। वैसे देखा जाए तो भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई के लिये यह स्थिति राहत और चुनौती दोनों ही लेकर आ रही है।

दरअसल, ध्यान देने योग्य बात यह है कि मुख्य मुद्रास्फीति, जिसमें खाद्य और ईंधन शामिल नहीं हैं, ऊंची बनी हुई है। जो यह भी दर्शाती है कि मूल्य दबाव पूरी तरह से कम नहीं हुआ है। ऐसे में फुटकर मुद्रास्फीति इतनी कम होने के कारण उद्योग जगत की तरफ से दलील दी जा सकती है कि भारतीय रिजर्व बैंक दिसंबर की अपनी बैठक में उधार लेने और खर्च को प्रोत्साहित करने के लिये बैंक ब्याज दरों में कटौती पर विचार करे। लेकिन केंद्रीय बैंक को इस दिशा में सावधान भी रहना होगा। यदि केंद्रीय बैंक इस दिशा में कोई कदम उठाता है तो मुद्रास्फीति फिर से बढ़ भी सकती है। खासकर, अगर वैश्विक तेल की कीमतों में कोई अप्रत्याशित उछाल आ जाता है। वहीं दूसरी ओर यदि वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में रुपया कुछ कमजोर होता है। वैसे देखा जाए तो इस दौरान, मुद्रास्फीति में गिरावट का बेहतर ढंग से उपयोग मांग बढ़ाने, आय बढ़ाने और खाद्य कीमतों को स्थिर बनाने में भी किया जा सकता है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी देश में मुद्रास्फीति की कम दर एक छोटी अवधि में विकास को पुनर्जीवित करने में मदद भी कर सकती है।

चिंतन-मनन

समता की अनुभूति

मनोबल के विकास का दूसरा सूत्र बताया गया है- स्व दर्शन समता का दर्शन या परमात्मा का दर्शन। प्रांस की यूनिवर्सिटी का एक प्रोफेसर अहंकार में आकर बोला, मैं दुनिया का सर्वश्रेष्ठ आदमी हूं। किसी ने पूछ लिया-यह कैसे? उसने कहा, प्रांस दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश है। पेरिस प्रांस का सर्वश्रेष्ठ नगर और हमारा विश्वविद्यालय हमारे नगर का सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र। दर्शन का विभाग उसमें सर्वश्रेष्ठ। मैं उसका अध्यक्ष। इसलिए मैं सर्वश्रेष्ठ आदमी। यह कैसा गणित है! हमारी दृष्टि जब दूसरों की ओर जाती है तो यही निष्कर्ष निकलता है कि हम दूसरों को काटते जाते हैं, तोड़ते जाते हैं और दूसरों के संदर्भ में हम अपने को सर्वश्रेष्ठ प्रतिष्ठापित करते जाते हैं। इसके अतिरिक्त कोई निष्कर्ष निकलता ही नहीं है। जब स्व-दर्शन में आदमी आता है तो उसे अनुभव होता है कि न प्रांस सर्वश्रेष्ठ, न पेरिस सर्वश्रेष्ठ, न विश्वविद्यालय सर्वश्रेष्ठ, न दर्शन का विभाग सर्वश्रेष्ठ और न विभागाध्यक्ष। सब समान है। सब व्यक्ति समान, सब देश समान, सब राष्ट्र समान और सब आत्माएं समान।

जो समता के क्षण में जाता है, उसे यह नहीं लगता कि यह अलग, वह अलग। उसे लगता है कि सब मेरे-जैसे हैं। यह समान ही समान का गणित ?सा चलता है कि अनन्त में से अनंत निकालो तो भी पीछे अनन्त ही रहेगा। अनन्त में अनन्त मिलाओ तो भी अनन्त ही रहेगा। समता में मिलाते जाओ, निष्कर्ष समता। यह समता की अनुभूति जब जागती है, तब एक विचित्र अनुभव होता है। उसे जगाने का जो सूत्र है, वह मनोबल को जगाने का परम सूत्र होता है।

सफेद कालर के आतंकियों ने देश के भरोसे को तोड़ दिया!

मनोज कुमार अग्रवाल

राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास हुए विस्फोट ने देश की सुरक्षा व्यवस्था को गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है, क्योंकि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे आतंकवाद की भयावह परतें खुलती जा रही हैं। जिन खतरनाक खुलासों का पदार्फाश हो रहा है, वे सिर्फ चिंता नहीं, बल्कि आतंक के बदलते स्वरूप की भयावह तस्वीर पेश करते हैं। जो नया खुलासा हुआ है, निःसंदेह प्रत्येक देशवासी को दहशत में में डालने वाला है, क्योंकि आतंकी देश के एक एक या दो जगहों में नहीं, बल्कि 32 जगहों में धमाके करने वाले वाले थे। यह सोच कर ही रूह कांप जा रहा है कि अगर आतंकी अपने मनसूबे में कामयाब हो जाते, तो फिर क्या होता। इससे एक बात यह भी साफ हो जाती है कि आतंकी अपना नेटवर्क पूरे देश में फैल चुका है। इसके साथ यह साफ हो गया है कि अब आतंकवाद किसी सीमित दायरे का मुद्दा नहीं, बल्कि ऐसे व्हाइट कॉलर नेटवर्क का रूप ले चुका है जिसके तार देश के प्रतिष्ठित संस्थानों, शिक्षण केंद्रों और उच्च शिक्षा प्राप्त वर्ग तक फैले हुए हैं।सफेद कोट और चिकित्सा जैसे पवित्र पेशे से जुड़े करीब दस उच्च शिक्षा प्राप्त डिग्री धारी डॉक्टर अब तक इस आतंकी साजिश की कड़ी में लिप्त मिल चुके हैं इस वारदात ने पहली बार डॉक्टर जैसे पवित्र पेशे पर आम आदमी के विश्वास और भरोसे को मटियामेट कर दिया है। वहीं एक संप्रदाय विशेष पर भी विश्वास का संकट पैदा करने के हालात बनाने का नापाक काम किया है खासकर काश्मीर मुस्लिमों को अब देश दुनिया भर में शंका की नजर झेलनी होगी। आपको बता दें कि अभी तक की जांच में पता चला है कि साजिश करने वाले आतंकी देश भर के विभिन्न स्थानों पर तैतीस गाडियों में विस्फोट करने का षडयंत्र कर रहे थे पहले इस मामले में सिर्फ चार गाड़ियों की बात सामने आई थी, लेकिन जांच एजेंसियों के नए इनपुट ने आतंकियों की योजना की व्यापकता को उजागर कर दिया है। ये गाड़ियां सिर्फ वाहन नहीं, आतंक की चलती फिरती फैक्टरियां थीं- जिनमें आई 20, मारुति सुजुकी ब्रेजा, स्विफ्ट डिजायर और फोर्ड इकोस्पोर्ट जैसी पुरानी कारों का इस्तेमाल किया जा रहा था। इन गाड़ियों को कई हाथों में ट्रांसफर किया गया था, ताकि पुलिस साजिशकताओं तक न पहुंच सके। यह तरीका आतंकियों की चालाकी के साथ-साथ उनके व्यापक नेटवर्क की पुष्टि करता है। जांच में सामने आया है कि यह पूरी पूरी साजिश 6 दिसंबर को अयोध्या में हुई बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी पर बदला लेने की नीयत नीयत से रची गई थी। 33 साल पुराने घटना का हवाला देकर आज भी देश को अस्थिर करने की कोशिशें जारी हैं, यह अपने आप में बेहद चिंताजनक है। इसके अलावा पहले इस धमाके को शुरू में एक स्थानीय घटना माना जा रहा था, लेकिन अब इसके तार अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क से जुड़ते नजर आ रहे हैं। और इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि यह साजिश किसी एक हमले तक सीमित नहीं थी, चल्कि देशभर में दहशत फैलाने की एक विस्तृत योजना का हिस्सा थी। जांच एजेंसियों के अनुसार, जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े मॉड्यूल ने न केवल हथियार और विस्फोटक जुटाए थे, बल्कि 32 कारों को आईईडी से लैस कर आत्मघाती धमाकों के लिए तैयार किया जा रहा था। यह संयोग नहीं है कि इन कारों का उपयोग 6 दिसंबर को, बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी पर, विभिन्न जगहों पर धमाके करने के लिए होना था। कई प्रमुख स्थानों को निशाना बनाया जाना था जिनमें सिर्फ दिल्ली में छह प्रमुख लोकेशन शामिल थीं। यह स्पष्ट संकेत है कि आतंकियों का मकसद सिर्फ दहशत फैलाना नहीं, बल्कि देश को कई मोर्चों पर अस्थिर करना था। इस पूरी साजिश को और गंभीर बनाता है इसका अंतरराष्ट्रीय पहलू। जांच एजेंसियों का मानना है कि तुर्किये में बैठे एक हैंडलर से उमर नवी लगातार संपर्क में था। हैंडलर का कोड नेम उकासा था। जांच में खुलासा हुआ है कि उमर 2022 में तुर्किये गया था, जहां उसने जैश-ए-मोहश्वमद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े लोगों के साथ सीक्रेट मीटिंग की। टेलीग्राम से शुरू हुई बातचीत एन्क्रिप्टेड ऐप्स तक पहुंची, और वहीं कारों में विस्फोटक भरकर दिली और अयोध्या जैसे शहरों को दहलाने की साजिश रची गई। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, उकासा दिल्ली स्थित मॉड्यूल और प्रतिबंधित संगठनों जैश-ए-मोहम्मद और अंसारगजत उल हिंद के हैंडलरों के बीच मुख्य कड़ी के रूप में काम करता था। अधिकारियों ने बताया कि यह साजिश 2022 की शुरूआत शुरूआत में तुर्की में रची गई थी, जहां उमर और तीन अन्य जो सभी पाकिस्तान समर्थित दो समूहों से जुड़े थे, वहां गए थे। उमर मार्च 2022 में तुर्किये गया था और दो हफ्ते अंकारा में रहा था। उकासा ने ही उन्हें सीक्रेट सेल बनाने और डिजिटल फुटप्रिंट से बचने का तरीका बताया था। कथित तौर पर इस ऑपरेशन के लिए तीन कारें, एक हुंडई आई 20, एक लाल रंग की फोर्ड इकोस्पोर्ट और एक मारुति ब्रेजा खरीदी गई थीं। स्ट है कि आतंकवादी नेटवर्क की गतिविधियां अब सीमापार फैले हुए संरचनात्मक सहयोग से चल रही हैं। यह भी स्पष्ट हो चुका है कि भारत में स्लीपर सेल का जाल पहले से अधिक गंभीर व खतरनाक रूप ले चुका है।ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह माना जा रहा था कि आतंकवादी संगठन भारत की धरती पर कोई बड़ा हमला करने की हिम्मत नहीं करेंगे। लेकिन इस घटना ने उस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। इस पूरी जांच का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यह कैसे संभव हुआ कि आतंकियों को दिल्ली जैसे शहर में सहानुभूति के ठिकाने मिल सके ? कश्मीर में दशकों से कुछ क्षेत्रों में आतंकी नेटवर्किंग के प्रति सहानुभूति का वातावरण बनता रहा है, जिससे आतंकियों को पनाह मिलती रही। लेकिन दिल्ली में ऐसा कोई इतिहास नहीं रहा है। ऐसे में यह सवाल और भी पेचीदा हो जाता है है कि आखिर आतंकियों ने यहां कैसे अपने नेटवर्क को सक्रिय किया और कैसे स्थानीय सहयोग हासिल किया? यह बात साफ दिखाती है कि सुरक्षा एजेंसियों को अब आतंकवाद के स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों आयामों को नए सिरे से समझने की आवश्यकता है। अब आवश्यकता इस बात की है कि जांच केवल आरोपियों को पकड़ने तक सीमित न रहे, बल्कि उससे आगे जाकर यह समझा जाए कि सिस्टम की ऐसी कौन-सी कमजोरियां हैं जिनका फायदा उठाकर आतंकियों ने इतनी बड़ी साजिश को जन्म दिया। यह भी अत्यंत जरूरी है कि देश की सुरक्षा प्रणाली में ऐसी दीर्घकालिक रणनीति तैयार की जाए जो आतंकवाद को केवल जड़ से उखाड़े ही नहीं, बल्कि उसकी संभावनाओं को भी समाप्त कर दे। आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी लड़ाई केवल सुरक्षा एजेंसियों के बल पर नहीं लड़ी जा सकती। इसके लिए प्रशासन, खुफिया एजेंसियों और नागरिक समाज के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता है। सबसे अहम बात यह है कि जनता की भागीदारी सुनिश्चित हो। किसी भी समाज में आतंकवादी विचारधारा तभी पनपती है जब उसे स्थानीय समर्थन या सहानुभूति मिलती है। इसलिए यह आवश्यक है कि ऐसे तत्वों की पहचान कर उन्हें सामाजिक रूप से अलग-थलग किया जाए। सुरक्षा रणनीति में यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि भारत-विरोधी तत्व चाहे वे सक्रिय हों अथवा स्लीपर सेल को निष्प्रभावी करने के लिए बहु-स्तरीय योजना काम में लाई जाए। इसके तहत निगरानी तंत्र को आधुनिक तकनीक से लैस करना, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा ढांचे को और सुदृढ़ बनाना शामिल होना चाहिए। यह विस्फोट एक चेतावनी है कि आतंकवाद ने अपना रूप, साधन और संचालन का ढांचा बदल लिया है।

लोकतंत्र में मतदाता सूची की शुचिता का प्रश्न और एसआईआर की अनिवार्यता

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहाँ शासन की असली शक्ति जनता के हाथों में निहित मानी जाती है। यहाँ सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है और संविधान की स्पष्ट व्यवस्था के अनुसार यह प्रक्रिया चुनाव आयोग की निष्पक्ष संरचना और उसकी कार्यशैली द्वारा संचालित होती है। मतदाता सूची इस पूरी प्रक्रिया की आधारशिला है-क्योंकि उसी के माध्यम से नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। इसलिए मतदाता सूची की विश्वसनीयता और शुचिता लोकतंत्र की स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यही संदर्भ विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया-स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर)-को अत्यधिक महत्वपूर्ण बनाता है।

मतदाता सूची में त्रुटियाँ कई रूपों में सामने आती हैं-मृत व्यक्तियों के नाम, एक व्यक्ति का दो स्थानों पर नाम, पात्र मतदाताओं के नाम का गायब होना, या पते के परिवर्तन के बावजूद संशोधन न होना। ऐसी स्थिति चुनावों की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 चुनाव आयोग को व्यापक अधिकार देता है, जिसमें चुनाव संचालन, नियंत्रण, निर्देशन और पर्यवेक्षण शामिल हैं। अतः एसआईआर केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संवैधानिक रूप से स्थापित लोकतांत्रिक दायित्व है।

1950 में संविधान लागू होने के बाद से ही चुनाव आयोग नियमित रूप से मतदाता सूची में संशोधन करता रहा है। कुछ राज्यों में एसआईआर के दौरान बड़ी मात्रा में मृतकों के नाम हटाए गए, गलत प्रविष्टियाँ सुधारी गईं, और स्थानांतरित या नए पात्र मतदाताओं को सूची में जोड़ा गया। बिहार और बंगाल में हुए पुनरीक्षणों के उदाहरण बताते हैं कि लंबे समय से निष्क्रिय पड़े नामों को हटाने से मतदाता सूची अधिक वास्तविक और पारदर्शी बन सकी। बंगाल में 7.6 करोड़ मतदाताओं की सूची में से लगभग 47 लाख नाम हटाए गए, जिससे पता चलता है कि अगर नियमित संशोधन न हो तो सूची कितनी विकृत हो सकती है।

मतदाता सूची में त्रुटियाँ केवल तकनीकी समस्या नहीं-वे चुनावी निष्पक्षता, प्रतिनिधित्व के अधिकार और जनविश्वास पर सीधा आघात करती हैं। यदि किसी नागरिक का नाम सूची से गायब है, तो वह अपने मौलिक लोकतांत्रिक अधिकार-मताधिकार-से वंचित हो जाता है। दूसरी ओर, मृतकों या स्थानांतरित लोगों के नाम बने रहने से फर्जी मतदान या राजनीतिक दुरुपयोग की आशंका बढ़ती है। इन विसंगतियों से लोकतंत्र की वैधता कमजोर होती है।

कुछ लोग एसआईआर को राजनीतिक हस्तक्षेप या सरकार द्वारा मतदाता सूचियों में हस्तक्षेप के रूप में देखने लगते हैं, जबकि यह शंका तथ्यहीन है। मतदाता सूची का शुद्धिकरण किसी दल की जीत या हार के लिए नहीं, बल्कि निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए आवश्यक है। चुनाव आयोग पूर्णतः स्वायत्त संस्था है और उसके निर्णय न्यायालयों द्वारा भी संरक्षित माने जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कई फैसलों में स्पष्ट कहा है कि निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की आधारशिला है और इसके लिए मतदाता सूची की शुचिता सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

एसआईआर के दौरान नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। यदि लोग स्वयं अपनी प्रविष्टियों की जाँच न करें, त्रुटियाँ सम्बंधित बूथ लेवल अधिकारियों को न बताएं, और दस्तावेज उपलब्ध न कराएं तो प्रक्रिया धीमी हो जाती है। आज भी बड़ी संख्या में ऐसे नागरिक हैं जिनके नाम गलत होने पर वे स्वयं सुधार के लिए आगे नहीं आते। यह उदासीनता लोकतंत्र को कमजोर करती है। इसलिए चुनाव आयोग ने डिजिटल साधनों-जैसे वोटर हेल्पलाइन ऐप, ऑनलाइन फॉर्म, पोर्टल-का उपयोग बढ़ाया है ताकि लोग आसानी से संशोधन कर सकें।

एसआईआर के विरोध करने वालों को यह समझना चाहिए कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची में विसंगतियों को दूर करने, फर्जी मतदान रोकने और सही मतदाता आधार सुरक्षित करने के लिए है। जिन राज्यों में यह प्रक्रिया रोकी गई या राजनीतिक विवाद के कारण ठप हो गई, वहां मतदाता सूची में भारी त्रुटियाँ पाई गईं। ऐसे मामलों में न्यायालयों ने स्वयं दिशा-निर्देश जारी कर मतदाता सूची के शुद्धिकरण की आवश्यकता दोहराई है। अतः एसआईआर का विरोध लोकतांत्रिक मूल्यों का विरोध है।

भारत जैसे विशाल देश में जहाँ 96 करोड़ से अधिक मतदाता हैं, वहां मतदाता सूची का अद्यतन एक अत्यंत जटिल, विशाल और सतत प्रक्रिया है। इसे केवल सरकारी जिम्मेदारी मानना पर्याप्त नहीं; यह नागरिक कर्तव्य भी है। चुनाव आयोग केवल ढाँचा देता है, लेकिन उसे प्रभावी बनाने का दायित्व जनता के सहयोग पर निर्भर है। मतदाता सूची में अपनी प्रविष्टि को सही रखना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना मतदान के दिन वोट देना।

अंततः, लोकतंत्र केवल मतदान का दिन नहीं-पूरी व्यवस्था का नाम है। इस व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए मतदाता सूची की शुचिता सर्वोपरि है। एसआईआर यही सुनिश्चित करता है कि चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय हों। यह लोकतांत्रिक प्रणाली की आत्मा को जीवित रखता है और नागरिकों के अधिकारों को सुरक्षित करता है। इसलिए मतदाता सूची के नियमित शुद्धिकरण को लेकर जागरूकता बढ़ाना, नागरिकों को भागीदारी के लिए प्रेरित करना और एसआईआर जैसी प्रक्रियाओं को सहयोग देना हर जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में क्रूरता! कुत्ते के 33 पिल्लों पर किया अमानवीय अत्याचार, दो भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। काठमांडू में दो भारतीय नागरिकों को कुत्तों के 33 बच्चों को अमानवीय परिस्थितियों में एक छोटे पिंजरे में रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आरोपियों की पहचान बिहार के पटना जिले के आलमगंज निवासी 18 वर्षीय मोहम्मद गुड्डू और 28 वर्षीय मोहम्मद नसाद के रूप में हुई है। नेपाल पुलिस ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि पुलिस की एक टीम ने चौमाटी क्षेत्र में एक किराए के शेड से कुत्ते के बच्चों को बचाया और उन्हें पुनर्वास के लिए एक गैर-सरकारी संगठन (टीम संकल्प नेपाल) को सौंप दिया। पुलिस ने बताया कि कुत्ते के बच्चों को अमानवीय तरीके से एक तंग पिंजरे में बंद पाया गया। दोनों गिरफ्तार लोगों को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

ट्रंप ने फिर की अपनी प्रशंसा, बोले- मैंने आज एक और युद्ध रोका!

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को दावा किया कि वह अमेरिका की मध्यस्थता से कंबोडिया और थाईलैंड के बीच हुए उस संघर्षविराम समझौते को बनाए रखने में सफल रहे हैं जो टूटने के कगार पर था। ट्रंप ने सप्ताहांत में फ्लोरिडा स्थित अपने मार-ए-लागो एस्टेट के लिए उड़ान भरते समय 'एयरफोर्स वन (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक विमान) में पत्रकारों से कहा, ''मैंने आज ही एक युद्ध रोका है। उन्होंने कहा कि उनके ये कदम दुनिया भर के देशों पर भारी शुल्क लगाने की उनकी इच्छाशक्ति के कारण संभव हुए हैं। ट्रंप का तर्क है कि उनकी देशों पर शुल्क लगाने की रणनीति के कारण अमेरिका को व्यापार और कूटनीतिक लाभ में बड़ी बढ़त मिलती है। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने कंबोडिया और थाईलैंड के प्रधानमंत्रियों से फोन पर बात की थी, जो अब ''बहुत अच्छा कर रहे हैं। इन दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई पड़ोसी देशों के बीच सीमा को लेकर क्षेत्रीय विवाद के कारण जुलाई के अंत में पांच दिनों तक सशस्त्र संघर्ष चला था जिसमें कई सैनिक और आम नागरिक मारे गए थे। ट्रंप ने धमकी दी थी कि अगर दोनों देशों ने युद्ध नहीं रोका तो उन्हें व्यापार संबंधी विशेषाधिकार नहीं मिलेगा जिससे संघर्ष को अस्थायी रूप से रोकने में मदद मिली। हालांकि, इस सप्ताह संघर्षविराम उस समय टूटने की कगार पर पहुंच गया था जब कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेत ने कहा कि थाईलैंड के साथ लगती उनके देश की सीमा पर गोलीबारी में एक ग्रामीण की मौत हो गई।

जी20 से अमेरिका ने बनाई दूरी, अब खाली कुर्सी के हवाले अध्यक्षता

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने कहा कि अगले सप्ताह होने वाले शिखर सम्मेलन में अमेरिकी नेतृत्व की अनुपस्थिति में दक्षिण अफ्रीका प्रतीकात्मक रूप से जी-20 की अध्यक्षता एक खाली कुर्सी को सौंप देगा। उन्होंने वाशिंगटन के साथ व्यापारिक संबंधों को सुधारने की आवश्यकता पर भी बल दिया ।उन्होंने श्वेत दक्षिण अफ्रीकियों को कत्ल किए जाने तथा उनकी भूमि से भगाये जाने के बारे में व्यापक रूप से खारिज किये गए दावों का हवाला दिया था। रामफोसा ने सोवेटो में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा, मैंने पहले भी कहा है कि मैं किसी खाली कुर्सी को अध्यक्षता सौंपना नहीं चाहता। लेकिन खाली कुर्सी तो वहां होगी ही, शायद प्रतीकात्मक रूप से उस खाली कुर्सी को सौंप दूंगा और फिर राष्ट्रपति ट्रंप से बात करूंगा। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह कहा था कि कोई भी सरकारी अधिकारी 22-23 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेगा, क्योंकि उनके अनुसार वहां मानवाधिकारों का हनन हो रहा है। दक्षिण अफ्रीकी अधिकारियों ने इस बात से इन्कार किया है कि अश्वेत बहुल इस देश में किसी को भी अपनी नस्ल के आधार पर भेदभाव का सामना करना पड़ता है।

कांग्रेस की इंटरनेशनल फजीहत, अमेरिकी सिंगर ने राहुल गांधी पर गाया ऐसा गाना; वीडियो वायरल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला किया, क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाले राजग ने बिहार विधानसभा चुनाव में एक बड़ी जीत हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसक मिलबेन ने एक पोस्ट साझा कर कांग्रेस समर्थकों पर आरोप लगाया कि उन्होंने पहले इंटरनेट मीडिया पर उनके खिलाफ ट्रोलिंग की थी क्योंकि उन्होंने भाजपा का समर्थन किया था।

मिलबेन का पोस्ट : मिलबेन ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, प्रिय राहुल गांधी, कांग्रेस और सभी गांधी गुंडों जिन्होंने मुझे कई हफ्ते पहले एक्स पर ट्रोल किया था और अब मेरे मित्र पीएम नरेन्द्र मोदी और भाजपा बिहार चुनाव में जीत रहे हैं। जबकि कांग्रेस और राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन को बिहार चुनाव में बुरी तरह हार का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने बिहार चुनाव में जीत का एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। पीएम मोदी का बडा संबोधन बिहार के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 90 सीटों पर बढ़त बनाई हुई है और एक प्रचंड जीत की ओर पार्टी बढ़ रही है। एनडीए की बात करें तो भाजपा और जनता दल यूनाइटेड समेत तमाम सहयोगी पार्टियों का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। इन नतीजों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में स्थित भाजपा का मुख्यालय से कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और इस दौरान उनका एक अलग अंदाज दिखा। उन्होंने सबसे पहले गमछा लहराकर जीत का जश्न मनाया और फिर बिहार की जनता को संबोधित करते हुए कहा, लोगों ने गर्दा उड़ा दिया। महागठबंधन पर पीएम मोदी का निशाना पीएम मोदी ने इस दौरान कर्पूरी ठाकुर और जेपी नारायण को नमन भी किया। उन्होंने कहा कि जनता ने जंगलराज वालों के एमवाय फॉर्मूले को नकार दिया। उन्होंने कहा, कुछ लोगों ने तुष्टिकरण वाला एमवाय फॉर्मूला बनाया था। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार की जनता ने 2010 के बाद सबसे बड़ा जनादेश दिया है। उन्होंने एनडीए के सभी दलों की ओर से बिहार के लोगों का आभार भी जताया। उन्होंने कहा कि अब साकारात्मक वाला एमवाय फॉर्मूला बना है।

व्हाइट हाउस ने ट्रंप की नई एच-1बी वीजा नीति पर दी सफाई

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस ने एच-1बी वीजा नीति को लेकर कहा कि 1 लाख डॉलर की नई फीस प्रणाली दुरुपयोग रोकने की पहली बड़ी कड़ी है। ट्रंप प्रशासन की एच-1बी वीजा नीति का बचाव करते हुए व्हाइट हाउस के प्रवक्ता टेलर रोजर्स ने आईएएनएस को बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने आव्रजन कानूनों को कड़ा करने और अमेरिकी श्रमिकों को प्राथमिकता देने के लिए आधुनिक इतिहास में किसी भी राष्ट्रपति से अधिक काम किया है। दरअसल, समाचार एजेंसी आईएएनएस के साथ बातचीत करते हुए व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ने कहा कि नए एच1-बी वीजा आवेदनों के लिए आवश्यक 100,000 डॉलर का भुगतान प्रणाली दुरुपयोग को रोकने और यह सुनिश्चित करने की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम है कि अमेरिकी श्रमिकों की जगह अब कम वेतन वाले विदेशी श्रमिक न आएं।

प्रोजेक्ट फायरवॉल : रोजर्स ने एच-1बी वीजा नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों की जांच के लिए हाल ही में शुरू किए गए प्रोजेक्ट फायरवॉल पर भी प्रकाश डाला। श्रम विभाग ने एच1-बी वीजा प्रणाली का दुरुपयोग करने वाली कंपनियों की जांच के लिए एक नई प्रवर्तन पहल के रूप में प्रोजेक्ट फायरवॉल शुरू किया है। रोजर्स ने आगे कहा कि ट्रंप प्रशासन एच1-बी प्रक्रिया में जवाबदेही बहाल करके अमेरिकी श्रमिकों की रक्षा कर रहा है, यह सुनिश्चित करते हुए कि इसका उपयोग केवल विशेष व्यवसायों में उच्चतम कुशल विदेशी श्रमिकों को लाने के लिए किया जाए, न कि कम वेतन वाले श्रमिकों को, जो अमेरिकियों को विस्थापित कर देंगे। व्हाइट हाउस की यह प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप द्वारा इस कार्यक्रम का बचाव करने के कुछ दिनों बाद आई है, जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उनका प्रशासन एच-1बी वीज़ा को प्राथमिकता से हटाने की योजना बना रहा है।

अमेरिका बढ़ाएगा सऊदी अरब की ताकत, ट्रंप प्रिंस सलमान को देने जा रहे एफ-35 लड़ाकू विमान

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब और अमेरिका दोनों एक नए रक्षा अध्याय की ओर बढ़ रहे हैं। डोनल्ड ट्रंप, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के काफी करीबी माने जाते हैं। साल के शुरुआत में सऊदी अरब ने ट्रंप से सीधे एफ-35 खरीदने में दिलचस्पी दिखाई थी। वहीं, शुक्रवार को ट्रंप ने इस बात का संकेत दे दिया कि वह सऊदी अरब को लॉकहीड मार्टिन द्वारा निर्मित एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमानों की आपूर्ति के लिए एक समझौते पर सहमत होने पर विचार कर रहे हैं। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से कहा कि सऊदी अरब ढेर सारे विमान खरीदना चाहत है। मैं इस पर विचार कर रहा हूं। उन्होंने मुझे इस पर विचार करने के लिए कहा है। वे 35 विमान खरीदना चाहते हैं - लेकिन सऊदी अरब वास्तव में उससे भी ज्यादा लड़ाकू विमान खरीदना चाहता है। आर्थिक और रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर की उम्मीद बता दें कि प प्रशासन सऊदी अरब के 48 एफ-35 खरीदने के अनुरोध पर विचार कर रहा है। अमेरिका द्वारा यह संभावित बिक्री ऐसे समय में हो रही है, जब ट्रंप अगले हफ्ते व्हाइट हाउस में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की मेजबानी करने की योजना बना रहे हैं, जहां उनके बीच आर्थिक और रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। ब्राहम समझौते में शामिल होगा सऊदी अरब... बातचीत के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि यह मुलाकात से कहीं बढ़कर, हम सऊदी अरब का सम्मान कर रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि उन्हें उम्मीद है कि सऊदी अरब जल्द ही अब्राहम समझौते में शामिल होगा, जिसने इजराइल और मुस्लिम-बहुल देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाया है। रियाद ने फिलिस्तीनी राज्य के रोडमैप पर सहमति के अभाव में इस तरह के कदम का विरोध किया है।

स्टॉकहोम में बड़ा हादसा: बस स्टॉप पर घुसी बस, 6 लोगों की मौत, कई घायल

स्टॉकहोम, एजेंसी। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। शहर के एक व्यस्त इलाके में एक डबल-डेकर बस अचानक नियंत्रण खो बैठी और सीधे बस स्टॉप में घुस गई। पुलिस और राहत एजेंसियों ने बताया कि इस दुर्घटना में कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। राहत दल के अनुसार हादसे के समय बस में कोई यात्री मौजूद नहीं था। बस सीधे फुटपाथ और बस स्टॉप की ओर मुड़ गई, जिसके कारण वहां खड़े लोग इसकी चपेट में आ गए। मौके पर भारी मात्रा में मलबा और टूटे हुए हिस्से बिखरे मिले। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिससे यह लगे कि यह हमला (अटैक) था। फिलहाल इसे अनैच्छिक हत्या यानी दुर्घटनावश हुई मौत का मामला मानकर जांच की जा रही है। बस चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है, हालांकि पुलिस का कहना है कि ऐसी घटनाओं में यह एक नियमित प्रक्रिया है ताकि चालक से पूछताछ की जा सके। पीड़ितों की पहचान का खुलासा नहीं पुलिस ने यह बताने से इनकार कर दिया कि मृतकों या घायलों में कितने पुरुष, महिलाएं या बच्चे थे। घटना में घायल लोगों का इलाज नजदीकी अस्पतालों में किया जा रहा है। घटना का स्थान – चज्ञ॥ यूनिवर्सिटी के पास हादसा स्टॉकहोम के रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के पास हुआ। यह क्षेत्र आमतौर पर छात्रों और यात्रियों से भरा रहता है। प्रधानमंत्री ने जताया दुख स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने एक्स पर लिखा- हम अभी इस हादसे के कारण का पता नहीं लगा पाए हैं, लेकिन मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों और परिवारों के साथ हैं, जो इस घटना से प्रभावित हुए हैं। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी पुलिस, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की कई टीमें मौके पर पहुंच गई और क्षतिग्रस्त बस को घेर लिया गया। मलबा हटाने और घायलों को अस्पताल भेजने का काम तुरंत शुरू कर दिया गया है।

पाकिस्तान में संविधान संशोधन की समीक्षा की मांग, वकीलों ने किया जोरदार विरोध

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में जस्टिस अमीरुद्दीन खान ने नवगठित फेडरल कांस्टिट्यूशन कोर्ट (एफसीसी) के पहले मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति आवास पर आयोजित समारोह में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने उन्हें शपथ दिलाई। राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की सिफारिश पर गुरुवार रात उनकी नियुक्ति की थी। संविधान के 27 वें संशोधन के जरिये संवैधानिक मामलों की निगरानी और उससे जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए यह नई कोर्ट गठित हुई है। सरकार के इस कदम का सुप्रीम कोर्ट में कड़ा विरोध हुआ है और उसके दो वरिष्ठ न्यायाधीशों ने इस्तीफा भी दे दिया है। जरदारी ने 6 न्यायाधीशों के नाम की घोषणा की देश में संविधान संशोधन से बने नए कानून की समीक्षा की मांग उठ रही है।

कांस्टिट्यूशन कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश समेत सात न्यायाधीश होंगे। राष्ट्रपति जरदारी ने शुक्रवार को नवगठित कोर्ट के लिए नियुक्त छह न्यायाधीशों के नाम की घोषणा की। जस्टिस सैयद हसन अजहर रिजवी, अमीर फारूक और अली बकार नजफी को सुप्रीम कोर्ट से कांस्टिट्यूशन कोर्ट में स्थानांतरित किया गया है। नियुक्त हुए तीन अन्य न्यायाधीशों के नाम जस्टिस केके आगा, रोजी खान बारेच और अरशद हुसैन शाह हैं। इनमें अवकाश प्राप्त अरशद हुसैन शाह को तब नियुक्त किया गया जब सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश मुसर्रत हिलाली ने नवगठित न्यायालय में कार्य करने से इन्कार कर दिया। पाकिस्तान के वकीलों और राजनीतिक दलों ने 27 वां संविधान संशोधन लागू होने वाले दिन 13 नवंबर को काला दिवस बताया है। कहा, सुप्रीम कोर्ट के दो वरिष्ठ न्यायाधीशों- मंसूर अली शाह और अतहर मिनाल्लाह का इस्तीफा देना दुखद है। सरकार के इस कदम को न्यायपालिका को कमजोर करने की साजिश बताते हुए अपमानजनक बताया गया है। वकीलों ने दी चेतावनी वकीलों और राजनेताओं ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश याह्या अफरीदी से मांग की है कि वह पूर्ण पीठ गठित कर 27 वें संविधान संशोधन की समीक्षा करें जिसमें सुप्रीम कोर्ट के अधिकार कम करने और सेना के अधिकार बढ़ाने वाले कदम उठाए गए हैं। देश के अधिवक्ताओं के संगठन नए कानून के विरोध में आंदोलन करने की चेतावनी पहले ही दे चुके हैं।

नई जंग की आहट! चीन ने दुनिया का सबसे बड़ा जंगी बेड़ा कर लिया तैयार

बीजिंग, एजेंसी। दुनिया में नई जंग की आहट तेज होती दिख रही है। चीन ने 234 युद्धपोतों के विशाल नौसैनिक बेड़े के साथ अपने सबसे उन्नत जंगी जहाज 'सिचुआन' का समुद्री परीक्षण शुरू कर दिया है। ईएमएएलएस तकनीक से लैस यह जहाज लड़ाकू विमान और ड्रोन ऑपरेट करने की क्षमता रखता है। इस कदम ने ताइवान, अमेरिका और जापान की सुरक्षा चिंताओं को और बढ़ा दिया है, क्योंकि यह चीन की भारत-प्रशांत में बढ़ती सैन्य आक्रामकता का नया संकेत माना जा रहा है। चीन ने लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और ड्रोन को संचालित करने के लिए शुक्रवार को विद्युत

चुम्बकीय विमान प्रक्षेपण प्रणाली से लैस एक बड़े जंगी जहाज सिचुआन का समुद्री परीक्षण शुरू किया। चीनी नौसेना ने यह जानकारी दी। सशस्त्र संघर्ष के दौरान दुश्मन के इलाकों तक पहुंचने और थल सेना की मदद के लिए इस तरह के जहाजों का उपयोग किया जाता है। यह परीक्षण इस महीने की शुरुआत में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा देश के तीसरे विमानवाहक पोत, फुज़ियान, के जलावतरण के बाद हुआ है। नयी तरह का विमानवाहक पोत ईएमएएलएस से लैस सबसे आधुनिक युद्धपोत बताया जा रहा है। ईएमएएलएस का इस्तेमाल केवल अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड द्वारा किया जाता है।

आधिकारिक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सिचुआन ऐसा पहला जहाज है जो ईएमएएलएस से लैस है और यह जहाज बिजली से संचालित होता है। ईएमएएलएस, विमानवाहक जहाज पर विमानों के उतरने और उड़ान भरने की प्रक्रिया में तेजी ला सकता है। रक्षा विश्लेषकों का कहना है कि यह जहाज चीनी सैन्य बलों को ताइवान तट पर तेज़ी से पहुंचने में मदद कर सकता है। चीन, ताइवान के अपना हिस्सा होने का दावा करता रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के कारण, चीन विभिन्न वैश्विक समुद्री मार्गों पर परिचालन के लिए और अधिक विमानवाहक पोत बना सकता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चीन के पास जहाजों का अब दुनिया का सबसे बड़ा बेड़ा है, जिसमें 234 युद्धपोत हैं, जबकि अमेरिकी नौसेना के पास 219 युद्धपोत हैं।

430 ड्रोन-18 मिसाइलें! रूस का यूक्रेन पर अब तक का सबसे घातक हमला, कीव में 6 की मौत व 35 घायल

मास्को, एजेंसी। रूस द्वारा शुक्रवार तड़के यूक्रेन पर किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और एक गर्भवती महिला समेत कम से कम 35 लोग घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन के राष्टपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि देश भर में हुए इस हमले में कम से कम 430 ड्रोन और 18 मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने बताया कि देश के अन्य क्षेत्रों में हुए इस हमले का निशाना कीव था। जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा, ÷यह सुनियोजित हमला लोगों और आम नागरिकों को यथासंभव अधिक नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया था।÷ उन्होंने बताया कि हमला इतना जोरदार था कि मिसाइल के टुकड़ों से अजरबैजान दूतावास क्षतिग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और एक गर्भवती महिला समेत कम से कम 35 लोग घायल हो गए। मॉस्को ने असैन्य क्षेत्रों को निशाना बनाए जाने से इनकार किया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने यूक्रेन के ''सैन्य-औद्योगिक और ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर रात में हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों ने इन दावों को खारिज किया और आवासीय परिसरों एवं सार्वजनिक भवनों को हुए नुकसान को दर्शाया। दार्नित्स्की जिले में मलबा एक आवासीय इमारत के प्रांगण और एक शैक्षणिक संस्थान के परिसर में गिर गया। गिरते हुए मलबे की चपेट में आने से एक कार में आग लग गई। दिनप्रोव्स्की जिले में हमले के कारण तीन अपार्टमेंट, एक घर और खुले क्षेत्र में आग लग गई। हमले से पोदिल्स्की जिले में पांच आवासीय और एक गैर-आवासीय भवन क्षतिग्रस्त हो गए। शेवचेंकोव्स्की जिले में जलता मलबा गिरने से एक खुले क्षेत्र और गैर-आवासीय भवन में आग लगी। होलोसीव्स्की जिले में हमले की वजह से एक अस्पताल में आग लग गई और एक गैर-आवासीय भवन को नुकसान पहुंचा। देस्नियान्स्की और सोलोमियान्स्की जिलों में हमलों के बाद रिहायशी इमारतों में आग लग गई, वहीं सवियातोशिन्स्की जिले में एक निजी घर में आग लग गई।

अमेरिका में कॉफी, चाय और फलों पर कम हुआ टैरिफ

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में बढ़ती महंगाई और उपभोक्ताओं की शिकायतों के बीच राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने बड़ा फैसला लिया है। ट्रंप ने ने खाद्य आयात पर लगने वाले टैरिफ को घटा दिया है। इससे भारत के आम, अनार और चाय निर्यात को फायदा हो सकता है। दरअसल, ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ का असर सीधे उपभोक्ताओं पर पड़ रहा था। हाल ही में अमेरिका के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क में हुए मेयर और गर्वनर चुनाव में मंहगाई बड़ा मुद्दा थी। इस चुनाव में ट्रंप को हार का सानना करना पड़ा। जिसके बाद ट्रंप ने बीफ, कॉफी और फलों सहित दर्जनों कृषि उत्पादों पर लगे टैरिफ को हटाने का फैसला किया है। भारत को क्या हुआ लाभ? व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को घोषणा की कि उष्णकटिबंधीय फल और जूस, चाय और मसाले उन आयातों में शामिल हैं जिन पर पारस्परिक शुल्क नहीं लगेगा। व्हाइट हाउस फैक्टशीट में उल्लिखित अन्य वस्तुएं कॉफी और चाय, कोको, संतरे, टमाटर और बीफ थीं। जिन पर टैरिफ घटाया गया है। ट्रंप ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क लगाया और रूसी तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क जोड़ा। लेकिन मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए, ट्रंप ने पहले जेनेरिक दवाओं को शुल्क से मुक्त कर दिया था, जिससे भारत को बड़ा लाभ हुआ, जो अमेरिका में निर्धारित 47 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। वहीं, अब खाद्य आयात घटाने से आम, अनार और चाय निर्यात में वृद्धि देखने को मिलेगी। ट्रंप नहीं उतरे उम्मीदों पर खरे इस हफ्ते जारी एनबीसी न्यूज के एक सर्वेक्षण में, 63 प्रतिशत पंजीकृत मतदाताओं ने कहा कि जीवन-यापन की लागत और अर्थव्यवस्था के मामले में ट्रंप उनकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे, और 30 प्रतिशत रिपब्लिकन इससे

सहमत थे। ट्रंप ने किफायतीपन के मुद्दे को डेमोक्रेट्स द्वारा किया गया पूरी तरह से धोखा बताते हुए इसे खारिज कर दिया और पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में पेट्रोल और ऊर्जा की कम कीमतों और उच्च मुद्रास्फीति दर की ओर इशारा किया, जब यह एक समय 19.7 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। हालांकि बाइडेन के कार्यकाल में तेजी से बढ़ती मुद्रास्फीति पर बहस हुई है, फिर भी यह तेजी से बढ़ रही है, सितंबर में यह 3 प्रतिशत दर्ज की गई। लेकिन कुछ खाद्य उत्पादों की कीमतों में टैरिफ के कारण वृद्धि दर्ज की गई है। आयात की कीमतों में 30 प्रतिशत वृद्धि सितंबर के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़ों के अनुसार, भुनी हुई कॉफी की कीमतों में 18.9 प्रतिशत और बीफ और वील की कीमतों में 14.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारतीय किराना दुकानों में भारत से मसालों और खाद्य पदार्थों के आयात की कीमतों में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आम और अनार का निर्यात बढ़ने की संभावना गौरतलब है कि पूर्व राष्टपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश द्वारा टैरिफ हटाने के बाद भारत से आम के आयात का भारत-अमेरिका संबंधों में एक विशेष स्थान है। मिसाइलों, परमाणु सहयोग और प्रौद्योगिकी नवाचार के साथ-साथ आमों को भी फरवरी में ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के दौरान जारी संयुक्त बयान में जगह मिली। बयान में कहा गया कि भारत ने अमेरिका को भारतीय आमों और अनारों का निर्यात बढ़ाने के लिए अमेरिका द्वारा उठाए गए कदमों की भी सराहना की।

रात में 2 घंटे की गहरी नींद है आपके लिए बेहद जरूरी, इसी दौरान होती है मस्तिष्क की 'सफाई'

आपकी कुल नींद का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गहरी नींद होना चाहिए। गहरी नींद आपको दिमागी चिंता, तनाव आदि से छुटकारा दिलाती है और दिमाग में भरी 'फालतू' की यादों और बातों को भुलाने में मदद करती है।

दुनियाभर में लोग नींद की कमी से जूझ रहे हैं। देर रात तक जागने और जरूरत से कम नींद लेने के कारण लोगों में मानसिक बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। हमारे शरीर और स्वास्थ्य के लिए 24 घंटे में से कम से कम 7-8 घंटे की नींद बहुत जरूरी है। दरअसल हमारा शरीर एक प्रकार की मशीन है, जिसके लिए लगातार काम करना संभव नहीं है। नींद द्वारा शरीर की मांसपेशियां रिचार्ज होती हैं और दोबारा काम करने के लिए तैयार होती हैं।

आपको रोजाना कितनी नींद लेनी चाहिए, नींद का आपकी सेहत पर क्या प्रभाव पड़ता है और नींद कैसी होनी चाहिए- इन विषयों पर आए दिन वैज्ञानिक शोध होते रहते हैं। इसका कारण यह है कि इन दिनों युवाओं में नींद की कमी एक बड़ी समस्या है।

कितनी गहरी नींद है जरूरी?

आमतौर पर जब हम रात में सोते हैं, तो कुछ समय गहरी नींद में होते हैं, जिसे डीप स्लीप (Deep Sleep) कहा जाता है और कुछ समय उथली या हल्की नींद में होते हैं, जिसे लाइट स्लीप (Light Sleep) कहा जाता है। न्यू हेल्थ एडवाइजर पर छपी एक रिपोर्ट के अनुसार 18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को रोजाना रात में अपनी कुल नींद का लगभग 20प्रतिशत हिस्सा गहरी नींद लेना चाहिए। लेख के अनुसार वयस्कों के लिए कम से कम 1.5 से 1.8 घंटे (लगभग 2 घंटे) की गहरी नींद बेहद जरूरी है।

गहरी नींद से कम होता है तनाव

हाल में ही नेचर ह्यूमन बिहैवियर नाम की जर्नल में एक रिसर्च छापी गई, जिसमें बताया गया कि गहरी नींद आपको हर तरह के तनाव से छुटकारा दिलाने में बहुत कारगर है। इस रिसर्च के अनुसार अगर आप रात में ठीक ढंग से नहीं सो पाते हैं, तो आपके तनाव की समस्या 30 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। रिसर्च के अनुसार आप जितना ज्यादा गहरी नींद सोएंगे, उतना ही आपका मस्तिष्क स्वस्थ रहेगा और आप उठने के बाद फ्रेश महसूस करेंगे। ये रिसर्च यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के साइकोलॉजी (न्यूरोसाइंस) विभाग के प्रोफेसर मैथ्यू वॉकर ने लिखा है।

क्या कहते हैं हेल्थ एक्सर्ट?

सिद्धार्थ नगर के मेडिकल ऑफिसर और मनोरोग विशेषज्ञ डॉक्टर राम आशीष बताते हैं कि वयस्कों के लिए 7-9 घंटे की नींद बहुत जरूरी है, जबकि बच्चों के लिए 9 से 11 घंटे सोना जरूरी है। मगर आजकल स्मार्टफोन, टीवी और सोशल मीडिया में बिजी रहने के कारण लोग पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहे हैं। इसका असर उनके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा पड़ रहा है। नई उम्र के बच्चे-बच्चियां जब मेरे पास डिप्रेशन, तनाव की समस्या लेकर आते हैं, तो सबसे पहले मैं उनकी नींद के बारे में पूछता हूं। ज्यादातर मामलों में यही सुनने को मिलता है कि वे पर्याप्त नींद नहीं ले रहे हैं। दरअसल नींद के दौरान पूरा शरीर एक तरह से रिस्टोर (Restore) होता है और दिनभर काम कर रहे अंगों को थोड़ा आराम का मौका मिलता है। अगर कोई व्यक्ति कम सोता है, तो उसका दिमाग पूरी तरह रिस्टोर नहीं हो पाता है। इसके साथ ही डॉ. आशीष ने बताया कि लंबे समय तक नींद की कमी से मोटापे, याददाश्त में कमी, देर रात तक जागने वालों में हाई ब्लड प्रेशर की समस्या, दिल की बीमारियों और स्ट्रोक का खतरा होता है। नींद आपके सैकड़ों रोगों का एक आसान सा इलाज है। इसलिए नींद से समझौता नहीं करना चाहिए। अगर आपको नींद आने में समस्या हो रही है या कोशिश के बाद भी आपको जल्दी नींद नहीं आती है, तो डॉक्टर से मिलें और उचित सलाह लें, मगर इसे नजरअंदाज न करें।

नींद करती है फालतू की बातें भुलाने में मदद

पिछले दिनों आई एक अन्य रिसर्च में भी कुछ इसी तरह की बात का जिक्र किया गया है। इस रिसर्च में वैज्ञानिकों ने बताया है कि अगर आप रात में गहरी नींद सोते हैं, तो इससे दिनभर में हुई अनावश्यक बातों और घटनाओं को भुलाने में आपको मदद मिलती है। दिमाग के लिए जो चीजें फालतू होती हैं, दिमाग नींद के दौरान उन्हें मस्तिष्क से हटा देता है। इस तरह अगले दिन सोकर उठने के बाद आपके पास सिर्फ उन्हीं जानकारियों और चीजों की याद बचती है, जो आपके लिए जरूरी होती हैं। ये रिसर्च 'साइंस' पत्रिका के इसी माह के अंक में छापी गई है।

विटामिन डी की कमी बुढ़ापे में बना सकती है लाचार

आप यह सुनिश्चित कर लें कि आपके भोजन में विटामिन डी पर्याप्त मात्रा में हो अन्यथा उम्र बढ़ने के साथ ही आपकी सोचने समझने की क्षमता कम होती जाएगी।

शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन के दौरान पाया जो लोग कम मात्रा में विटामिन डी लेते हैं उनकी उम्र बढ़ने पर सोचने, सीखने या याद रखने की क्षमता कम हो जाती है। यह अध्ययन आर्काइव्स ऑफ इंटरनल मेडिसिन में प्रकाशित हुआ है।

शोधकर्ताओं के अनुसार, विटामिन डी की तंत्रिका कोशिकाओं के निर्माण में अहम भूमिका होती है। तंत्रिका कोशिकाओं का निर्माण कर विटामिन डी मस्तिष्क के उत्तकों के क्षरण को रोकता है। इसके अलावा, विटामिन डी शरीर में कैल्शियम के स्तर को बनाए रखता है तथा अल्जाइमर से संबद्ध पदार्थ बीटा अमीलॉयड को हटाता है।

डेविड जे लेवेल्लयन की अगुवाई में एक्जीटर विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के दल ने 65 वर्ष से अधिक उम्र के 858 लोगों पर यह अध्ययन किया है।

रेसिपी

सूपी पास्ता

सामग्री

■ पास्ता: 1 कटोरी उबला हुआ ■ प्याज: 1 छोटे टुकड़ों में कटे हुए ■ टमाटर : 1 बारीक कटा हुआ ■ गाजर: 1/4 कप ■ शिमला मिर्च: 1 चौथाई कप ■ मशरूम: 2 बारीक कटी ■ पत्ता गोभी: 1/2 कप ■ पास्ता पिजा सॉस: 2 टेबलस्पून ■ हरा धनिया बारीक कटा ■ काली मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ कॉर्न फ्लोर: 1 टेबलस्पून ■ बटर: 2 टेबलस्पून

विधि

एक पैन में बटर डालकर गर्म करें। अब इसमें लहसुन डालकर 30 सेकंड तक भूनें, फिर इसमें प्याज डालकर एक मिनट चलाते हुए फ्राई कर लें। गोल्डेन ब्राउन होने पर सारी सब्जियों को पैन में चलाते हुए मीडियम आंच पर पकाएं। थोड़ा सा नमक और तकरीबन 1/2 लीटर पानी डाल दें। अब इसमें पिज्जा सॉस डालें। पानी में अच्छी तरह मिक्स हो जाने के बाद इसमें उबला हुआ पास्ता डालकर अच्छे से मिला लें। 2-3 मिनट उबलने के बाद इसमें काली मिर्च पाउडर डाल दें। कॉर्न फ्लोर मे पानी डालकर इसका घोल बनाएं और इस घोल को पास्ते में डालकर मिलाएं। मीडियम आंच पर 2 मिनट और पकाएं। तैयार है आपका टेस्टी सूपी पास्ता।

अचारी मठरी

सामग्री

■ मैदा: 2कप ■ मेथी दाना: 1/4 टीस्पून ■ पीली राई पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ सौंफ पाउडर: 1 छोटा टीस्पून ■ धनिया पाउडर: 1 छोटा टीस्पून ■ अदरक पेस्ट: 1/2 टीस्पून ■ जीरा: 1/2 टीस्पून ■ हींग: 1/4 टीस्पून ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ अमचूर पाउडर: डेढ़ टीस्पून ■ काली मिर्च पाउडर: 1/4 टीस्पून ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ अजवाइन: 1/2 टीस्पून ■ तेल: 2 टेबलस्पून ■ नींबू का रस: 2 टीस्पून ■ सरसों का तेल: 1/2 कप ■ बेसन: आधा कप (भूना हुआ) ■ रिफाइंड ऑयल: तलने के लिए

विधि

एक बाउल में मैदा, नमक, अजवाइन और तेल डालकर सख्त आटा गूंथ लें। फिर ढंककर 20 मिनट रख दें। मसाले के लिए पैन में 1 टेबलस्पून तेल गर्म करें। इसमें हींग, जीरा पाउडर, हल्दी, मेथी पाउडर, अदरक का पेस्ट डालकर भून लें। फिर इसमें धनिया, सौंफ पाउडर, राई का पाउडर, काली मिर्च पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, अमचूर और नमक डालकर अच्छे से मिक्स करें और धीमी आंच पर एक मिनट भून लें। फिर इसमें बेसन और नींबू का रस मिक्स कर लें। आटे को हल्का मसल लें और छोटी लोइयां बनाकर दो इंच मोटा बेल लें। इसके ऊपर आधा टी-स्पून मसाला रखें और चारों ओर से बंद कर दें और हल्का सा बेल लें। इसके दोनों ओर फोर्क से छेदकर कर दें। कढ़ाई में तेल गरम करें। तेल जब मीडियम गरम हो जाए, तब इसमें मठरी डालें और धीमी आंच पर दोनों ओर से गोल्डन ब्राउन होने तक सेंक लें। इन्हें चाय के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

काकुरो पहेली - 2649

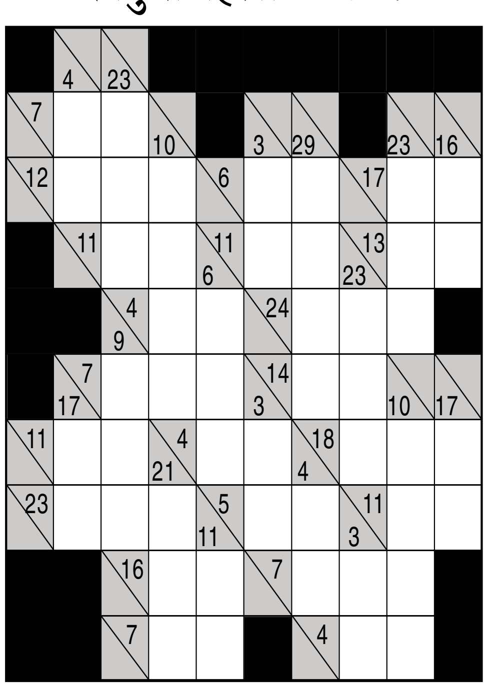

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

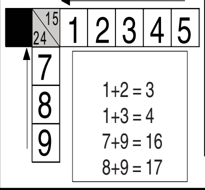

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2648 का हल

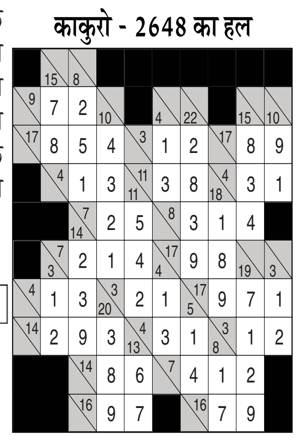

हंसी के फूव्वारें

एक कवि की कविताएं कोई नहीं सुनता था आखिरकार एक दिन जब एक व्यक्ति ने उनकी कविता सुनी तो कवि ने उसका आभार मानते हुए कहा कि 'आप पहले ऐसे महानुभाव है जिन्होंने कि मेरी कविताएं इतने ध्यान से सुनी हैं.'

दूसरा व्यक्ति- 'जरा जोर से बोलिए मैं थोड़ा ऊंचा सुनता हूँ.'

□ □ □

एक कैदी से मिलने जेल में कोई नहीं आता था,यह देख कर जेलर को उस पर दया आ गई उसने कैदी को बुलाकर पूछा कि 'क्या बात है तुमसे मिलने तुम्हारा कोई रिश्तेदार जेल में क्यों नहीं आता है ?'

कैदी- 'क्योंकि साहब वे सब भी तो यहीं ही है !'

□ □ □

दो मित्र आपस में बातें कर रहे थे. एक बोला- 'क्या यह ताज्जुब की बात नहीं कि रमेश के भाग्य ने उसका आखिर तक साथ दिया.'

'वह कैसे ?'

'खाना खाते हुए वह एक मोती निगल गया था.' मित्र ने पूरी बात बताते हुए कहा -'जब उसका ऑपरेशन करके वह मोती निकाला गया तो वह इतना कीमती निकला कि उसकी कीमत से न केवल आपरेशन का बिल ही चुक गया, बल्कि उसका क्रिया-कर्म भी ठाठ से सम्पन्न हुआ.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2649

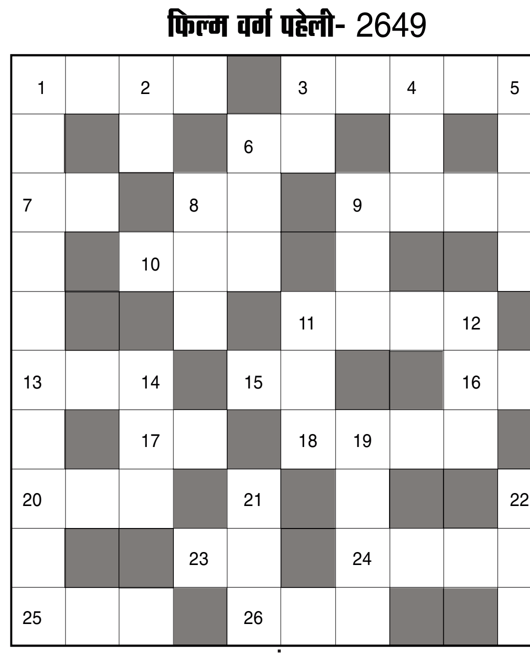

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दूल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नजरें मिली' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरूख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरूख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी ?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथिया पारे' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2648

सूडोकु -2649

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2648 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 2649

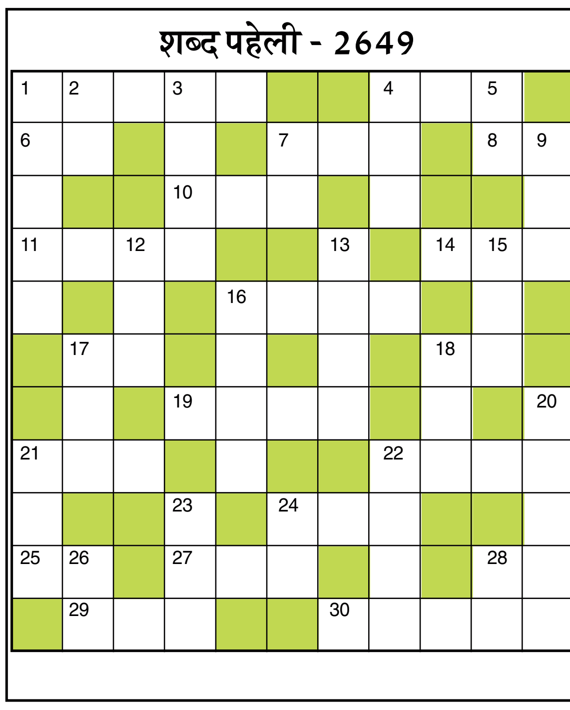

बाएँ से दाएँ

1.उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियां हैं-5
4.कराह,टीस,लालसा-3
6.हानि,आपत्ति-2
7.दुश्मनी,बैर-3
8.इंसाफ-2
10.साठवीं जयंती-3
11.जलाऊ लकड़ी-4
14.छोटा भाई-3
16.निरंकुश,आवारा-4
17.ठाठ-बाट-2
18.आफत,मुसीबत-2
19.शैतानी,बदमाशी-4
21.सहायता-3
22.इच्छा,लालसा-4
24.कवि,गजलकार-3
25.जरा,थोड़ा-2
27.मुलायम,नाजुक-3
28.गुफा,खोह-2
29.प्रियतम,सनम-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5
2.उत्साह.शक्ति-2
3.बिना बाल वारा,गंजा-4
4.पंक्ति,लाइन-3
5.लड़की,पुत्री,बेटी-2
7.वहम,संदेह-2
9.जुड़वा-3
12.प्रतिज्ञा,कसम-3
13.गंगा का पानी-4
15.तीखा,तीक्ष्ण-3
16.आतुर,धैर्यहीन-4
17.संभवत:-3
18.मर्कट,कपि-3
20.गोविंदा,खुशबू की फिल्म-5
21.पानी रखने का चमड़े का पात्र-3
22.मनोकामना -4
23.साजन,प्रेमी-3
24.संध्या,सांझ-2
26.आनंद-2
28.महीना,मास-2

शब्द पहेली -2648 का हल

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अमृतसर (ग्रामीण) के एसएसपी को निलंबित किया

एजेंसी
चंडीगढ़ । पंजाब की भगवंत मान सरकार ने अमृतसर (ग्रामीण) के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मनिंदर सिंह को निलंबित किया है। उन पर बढ़ती गैंगस्टर गतिविधियों से प्रभावी ढंग से निपटने में विफल रहने और संगठित अपराध से निपटने में कथित चूक के कारण कार्रवाई हुई है। पंजाब डीजीपी की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, 'पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गैंगस्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहने पर अमृतसर ग्रामीण के एसएसपी को निलंबित कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गैंगस्टरों के खिलाफ कार्रवाई में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।' आम आदमी पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'मान सरकार का बड़ा एक्शन। अमृतसर ग्रामीण के एसएसपी मनिंदर सिंह को अपराधियों के प्रति नरमी से पेश आने के बाद सस्पेंड किया गया। कानून व्यवस्था से कोई भी समझौता नहीं सहा जाएगा।' बता दें कि आईपीएस मनिंदर सिंह 2019 बैच के अधिकारी हैं। एसएसपी अमृतसर ग्रामीण का पदभार संभालने से पहले, वह अमृतसर शहरी पुलिस कमिश्नरेट में सहायक पुलिस आयुक्त के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने तरनतारन जिले में पुलिस अधीक्षक (एसपी) के रूप में भी कार्य किया था। बाद में, उन्हें पंजाब के राज्यपाल का सहायक पुलिस उपाधीक्षक (एडीसी) नियुक्त किया गया था।

नीतीश कुमार की सुशासन की पहचान आज भी जनता के दिलों में कायम है : संजय झा

एजेंसी
पटना । जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद संजय झा ने बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की बड़ी जीत को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व और उनके लंबे सुशासन का नतीजा बताया। विपक्ष की उन सभी दलीलों को उन्होंने पूरी तरह खारिज किया, जिनमें नीतीश कुमार की सेहत, एंटी-इंकम्बेंसी या लोकप्रियता में गिरावट का दावा किया जा रहा था। संजय झा ने स्पष्ट कहा कि नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री थे, हैं और रहेंगे। संजय झा ने कहा कि पिछले दो दशकों में नीतीश कुमार ने बिहार की राजनीति में भरोसे, विकास और सुशासन की जो पहचान बनाई है, वह आज भी जनता के दिलों में कायम है।

उन्होंने बताया कि पिछले 20 सालों से नीतीश कुमार का सुशासन लोगों को पसंद आया है। पिछले दो साल में केंद्र में एनडीए की सरकार

बनी और बिहार के बजट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बड़ा सहयोग मिला। लोगों को भरोसा था कि डबल इंजन की सरकार बिहार को देश के टॉप 10 राज्यों में ले जाएगी और यही विश्वास चुनाव परिणामों में दिखा। चुनाव प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री की मेहनत और समर्पण का जिक्र करते हुए सांसद झा ने कहा कि नीतीश कुमार ने हर परिस्थिति में जनता तक पहुंचने का प्रयास किया। प्रचार के दौरान दो दिन बारिश हुई, हेलीकॉप्टर उड़ नहीं सका, तो मुख्यमंत्री ने 600-700 किलोमीटर बाय रोड यात्रा कर जनसभाओं में हिस्सा लिया। वहीं कुछ लोग टी-शर्ट पहनकर मोबाइल से लोगों को संबोधित कर रहे थे। आप इससे अंतर साफ समझ सकते हैं। उनके मुताबिक, नीतीश कुमार हमेशा जमीन से जुड़े नेता रहे हैं और इस चुनाव में भी उन्होंने इसी परंपरा को निभाया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार पूरे चुनाव प्रक्रिया के दौरान लोगों के बीच थे और यह जीत उसी जनसमर्थन का परिणाम है। जनता ने विकास की राजनीति के पक्ष में वोट किया। संजय झा ने जदयू के चुनाव प्रदर्शन पर भी खुशी जताई। उन्होंने याद दिलाया कि 2020 के चुनाव में पार्टी ने 115 सीटों पर लड़कर 43 सीटें जीती थीं, जबकि इस बार 101 सीटों पर लड़कर 85 सीटों पर शानदार जीत मिली। यह हमारे कार्यकर्ताओं की मेहनत, दृढ़ता और संगठन की मजबूती का नतीजा है। नेतृत्व नीतीश कुमार का था और हम सब सहयोगी के रूप में लगातार उनके साथ रहे। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार की जनता ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि उन्हें स्थिरता, विकास और सुशासन चाहिए और इसके लिए नीतीश कुमार पर उनका भरोसा बरकरार है।

महागठबंधन के नेताओं की लड़ाई का फायदा एनडीए को मिला: एसटी हसन

एजेंसी
मुरादाबाद । बिहार चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत के बाद समाजवादी पार्टी के नेता एसटी हसन ने कहा है कि अगर हम एक दूसरे के खिलाफ लड़ेंगे तो चुनाव जीतना संभव नहीं है। इसका फायदा दूसरे गठबंधन को मिल जाता है। मुरादाबाद में आईएएनएस से बातचीत के दौरान सपा नेता एसटी हसन ने कहा कि महागठबंधन के बिहार में हार के कई कारण हैं। अगर गठबंधन के उम्मीदवार एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे, तो जाहिर है कि भाजपा को फायदा होगा। भाजपा सही माहौल बनाने में माहिर है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा तो घर-घर में भी फूट डाल देती है। एक वक्त हमारी पार्टी में भी फूट डाल दी थी। उन्होंने इस बात को दोहराया कि अगर एक-दूसरे के खिलाफ लड़ने के बजाय मजबूती के साथ लड़ते तो परिणाम कुछ और हो सकते थे। दूसरी ओर एनडीए की जीत पर यूपी सरकार में मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा, 'बिहार की जनता ने पूरे देश और विपक्ष को बड़ा संदेश दिया है। तेजस्वी यादव और राहुल गांधी का नींद से जागने का समय आ गया है, लेकिन वे जागे नहीं हैं। जब-जब विपक्ष को जनता ने काम करने का मौका दिया है, तब-तब इसने जनादेश का अपमान किया है। जनता एनडीए को इसलिए जनादेश दे रही है, क्योंकि हमने पूरे देश में धरातल पर काम किया है। बिहार जंगलराज के लिए मशहूर था और एनडीए ने बिहार को जंगलराज से निकालकर युवाओं के सपने को पूरा किया। बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में आए दिन हिंसक घटनाएं हो रही हैं। पश्चिम बंगाल में सरकार के इशारे पर महिलाओं के प्रति अपराध की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने आजादी के बाद से हमेशा देश और समाज को गुमराह करने का काम किया है।

बिहार में एनडीए की जीत पर अर्जुन राम मेघवाल बोले, जनता ने 'जंगल राज' को फिर किया खारिज

रांची । बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि ये नतीजे पूरी तरह विकास और सुशासन पर जनता के भरोसे का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान जब विकास और सुशासन मुख्य मुद्दे बनकर सामने आए, तभी यह साफ हो गया था कि एनडीए को भारी बहुमत मिलने वाला है। अर्जुन राम मेघवाल ने आईएएनएस से कहा, 'जब लोग विकास की बातें करते हैं, सुशासन की तुलना करते हैं, तब उन्हें पुराने 'जंगल राज' की याद भी आती है। जनता ने यह तय कर लिया था कि बिहार में स्थिरता और विकास की गति नहीं रुकनी चाहिए। इसी भरोसे ने एनडीए को यह प्रचंड जीत दिलाई है।' उन्होंने इस जीत को पार्टी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और जनता के आशीर्वाद का नतीजा बताया। मंत्री ने कहा, 'यह जीत हमारे कार्यकर्ताओं के समर्पण और जनता के विश्वास की विजय है। हम दिल से बिहार की जनता का आभार व्यक्त करते हैं। 'मेघवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुशासन को एनडीए की जीत का मुख्य आधार बताते हुए कहा कि दोनों नेताओं की जोड़ी ने बिहार में धरातल पर विकास को गति दी है। पीएम मोदी पर भरोसा, उनकी विकास नीतियों का असर और नीतीश कुमार द्वारा दिया गया सुशासन, इन सबने मिलकर यह जनादेश तय किया है।

बिहार के बाद अब बंगाल में जीतेंगे विधानसभा चुनाव: सीएम विष्णु देव साय

एजेंसी
रायपुर । छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिली ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी है। उन्होंने कि बिहार में जिस प्रकार एनडीए ने विकास के दम पर जीत हासिल की है, अब हमारा अगला लक्ष्य पश्चिम बंगाल है, जहां महाजंगलराज है, जिसे भाजपा की सरकार ही खत्म कर सकती है। वहां भी भाजपा भारी बहुमत के साथ आगामी विधानसभा चुनाव जीतेगी। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि एक समय था जब बिहार का नाम लेते ही कुशासन और जंगलराज की छवि सामने आ जाती थी। लेकिन लगातार एनडीए की सरकार और नीतीश कुमार के नेतृत्व ने उस बिहार को सुशासन की दिशा में आगे बढ़ाया है। आज बिहार विकास, स्थिरता और बेहतर प्रशासन का उदाहरण बनकर देश के सामने खड़ा है। वहीं दूसरी ओर, यदि आज जंगलराज की बात की जाए तो वह पश्चिम बंगाल में दिखाई देता है। वहां की जनता अव्यवस्था और राजनीतिक हिंसा से मुक्ति चाहती है। निश्चित तौर पर आने वाले चुनावों में पश्चिम बंगाल में एनडीए को

ऐतिहासिक सफलता मिलेगी। 'एक्स' पोस्ट में सीएम ने लिखा कि दुनिया को लोकतंत्र की शिक्षा देने वाले बिहार का जनादेश, लोकतंत्र और सुशासन की जीत है। बिहार की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इस बार अन्य तमाम चुनावों से बड़ी जीत देकर चुना है। ऐसा देखा जाता है कि कई बार सत्ता में रहने में बाद सत्ताधारी दल को 'एंटी इंकम्बेंसी' झेलना पड़ता है। भाजपा शासित राज्यों ने इस मिथक को भी तोड़ दिया है। भाजपा नीत गठबंधन ने यह साबित किया है कि जनता की उम्मीदों पर खरा उतरकर आप बार-बार आशीर्वाद पा सकते हैं। बिहार की जनता को धन्यवाद। बिहार में भी डबल इंजन की सरकार आगे और तेजी से प्रदेश का विकास करे, यही शुभकामना है। एक अन्य पोस्ट में सीएम ने छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा के प्रभारी नितिन नबीन को बिहार के बांकीपुर विधानसभा सीट से पुनः ऐतिहासिक जीत दर्ज करने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह जनादेश आपके जनसेवा, विकास और जनता के विश्वास का परिणाम है। आपके संगठन कौशल और लोकप्रियता का यह उदाहरण है कि एक ही विधानसभा क्षेत्र से लगातार पांच बार आप विधायक चुने गए हैं। आपको हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद राजद ने कहा- गरीबों के बीच आवाज बुलंद करते रहेंगे

एजेंसी
पटना । बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में मिली करारी हार के बाद राजद ने अपनी हार स्वीकार करते हुए कहा कि वह गरीबों की पार्टी है और गरीबों के बीच उनकी आवाज बुलंद करती रहेगी। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर अपने आधिकारिक अकाउंट पर लिखा, 'जनसेवा एक अनवरत प्रक्रिया है, एक अंतहीन यात्रा है। इसमें उतार-चढ़ाव आना तय है। हार में विषाद नहीं, जीत में अहंकार नहीं। राष्ट्रीय जनता दल गरीबों की पार्टी है, गरीबों के बीच उनकी आवाज़ बुलंद करते रहेगी।' विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री और राजद के नेता तेजस्वी यादव ने अब तक कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। जबकि विपक्षी दलों का महागठबंधन उनके नेतृत्व में ही चुनाव लड़ा था। महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री उम्मीदवार भी घोषित कर रखा था।

उल्लेखनीय है कि तेजस्वी यादव ने अपनी राघोपुर सीट किसी

तरह बचा लिया, लेकिन इस चुनाव में राजद सहित महागठबंधन को करारी हार का सामना करना पड़ा।

बिहार में 243 विधानसभा सीटें हैं। महागठबंधन में शामिल राजद ने 25 सीटों पर जीत हासिल की है जबकि कांग्रेस को 6 सीटों पर जीत मिली है। सीपीआई (एमएल) को 2 सीटें, जबकि सीपीआई (एम) और आईआईपी को एक-एक सीट मिली है। महागठबंधन में शामिल विकासशील इंसान पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया और उसका खाता भी नहीं खुल सका। दूसरी ओर, इस चुनाव में एनडीए को बंपर सीट मिली है। इस चुनाव में भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जबकि उसकी सहयोगी पार्टी जदयू को 85 सीटों पर जीत मिली है। लोजपा (रामविलास) को 19 सीटों पर जीत मिली है, जबकि हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) पार्टी को 5 सीटों पर और राष्ट्रीय लोक मोर्चा को 4 सीटों पर जीत मिली है।

कर्नाटक के कांग्रेस विधायक की बढ़ी परेशानी, ईडी की विशेष अदालत में शिकायत

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कर्नाटक के कांग्रेस विधायक सतीश कृष्ण सेल के खिलाफ विशेष अदालत में मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में अभियोजन शिकायत दायर की।

कर्नाटक की कारवार सीट से विधायक सतीश कृष्ण मल्लिकार्जुन शिपिंग प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत इस कंपनी के खिलाफ भी अभियोजन शिकायत दायर की है। ईडी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह शिकायत लौह अयस्क के कथित अवैध निर्यात से सरकारी खजाने को 44.09 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने से जुड़ी है। इसी महीने की शुरुआत में ईडी ने कांग्रेस विधायक सतीश कृष्ण की 21 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी। इन संपत्तियों पर कांग्रेस विधायक सेल मल्लिकार्जुन शिपिंग प्राइवेट लिमिटेड नाम की गोवा से चलने वाली कंपनी के जरिए स्वामित्व रखते थे। कारवार विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक सतीश कृष्ण को ईडी ने सितंबर में गिरफ्तार किया था। हालांकि उन्हें चिकित्सा के आधार पर अंतिम जमानत मिल गई थी। बाद में इसे ईडी की विशेष पीएमएलए अदालत ने रद्द कर दिया था।

उत्तर प्रदेश के कृष्ण पांडेय को मिलेगा प्राध्यापक यशवंतराव केलकर युवा पुरस्कार

लखनऊ। प्राध्यापक यशवंतराव केलकर युवा पुरस्कार-2025 की चयन समिति ने इस वर्ष 'स्माइल रोटी बैंक फाउंडेशन' के अध्यक्ष कृष्ण पांडेय 'आजाद' (गोरखपुर, उत्तर प्रदेश) का चयन किया है। वह बाल भिक्षावृत्ति रोकने, बेसहारा मनोरोगियों के पुनर्वास, कारागारों में निरूद्ध बंदियों के मनोविकास के लिए परामर्श, नशाखोरी रोकने जैसे अन्य सामाजिक कार्यों के जरिए समाज में परिवर्तन लाने के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। यह पुरस्कार उन्हें देहरादून में 28-30 नवंबर के मध्य आयोजित होने जा रहे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 71वें राष्ट्रीय अधिवेशन में दिया जाएगा अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राजशरण शाही, राष्ट्रीय महामंत्री डॉ वीरेन्द्र सिंह सोलंकी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान एवं चयन समिति के संयोजक प्राध्यापक मिलिंद मराठे ने 'यशवंतराव केलकर युवा पुरस्कार-2025' से पुरस्कृत कृष्ण पांडेय को बधाई दी और उनके भविष्य के प्रयासों में सफलता की कामना की है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के केन्द्रीय मीडिया टोली के सदस्य अभिनव मिश्र ने बताया कि यह पुरस्कार वर्ष 1991 से प्राध्यापक यशवंतराव केलकर की स्मृति में दिया जाता है, जिन्हें अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद संगठन का शिल्पकार कहा जाता है।

श्रीराम मंदिर बनने से कारीगरों के हाथों में काम, कला को मिल रहा है सम्मान

एजेंसी
लखनऊ । अयोध्या ध्वजारोहण समारोह एक ऐसा उत्सव बनकर उभर रहा है जो विकास की पूरी दास्तान को अपने भीतर समेटे हुए है। यह समारोह सिर्फ आस्था का पर्व नहीं, बल्कि एक ऐसा आयोजन है जिसने युवाओं, उद्योगों, कारीगरों और आम नागरिकों के लिए नए अवसरों का दरवाजा खोल दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या अब सिर्फ एक तीर्थ नहीं बल्कि विकास की प्रयोगशाला बन चुका है। अयोध्या के ऐतिहासिक विकास ने युवाओं की ज़िंदगी में नई रोशनी, स्थानीय उद्योगों में नई सांसें और परंपरागत कला में एक नई दिशा दी है। अयोध्या में 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्री राम मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज फहराएंगे। इस विशेष कार्यक्रम के दौरान देश और विदेश से बड़ी संख्या

में पर्यटक आएंगे। इससे होटल, रेस्टोरेंट, टूर और ट्रेवल्स, स्थानीय उत्पादों, ओडीओपी के तहत गुड़ कारोबार जैसे अनेकों व्यवसाय में वृद्धि देखने को मिलेगी।

अनुमान है कि अयोध्या में इस दौरान करोड़ों का कारोबार होगा। अयोध्या के ध्वजारोहण समारोह से पर्यटन और सांस्कृतिक गतिविधियां नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी। जब लाखों श्रद्धालु शहर की तरफ उमड़ते हैं, तो शहर की अर्थव्यवस्था भी उतनी ही तेजी से चलती है। होटल, रेस्टोरेंट, ट्रैवल एजेंसियां, सुरक्षा सेवाएं, इवेंट मैनेजमेंट कंपनियां और स्थानीय दुकानों के लिए लाभ के दरवाजे खुल जाते हैं।

उत्तर प्रदेश में धार्मिक केंद्रों के रूप में अयोध्या-वाराणसी-प्रयागराज के पर्यटन में बड़ी उछाल आई है। इस क्षेत्र में 2017 से अब तक पर्यटकों की संख्या में 361 फीसदी से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। उत्तर प्रदेश का पर्यटन सेक्टर अगले कुछ वर्षों में 70,000 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। विकास परियोजनाएं अयोध्या को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा रही हैं। एक अधिकारी ने बताया कि राम वन गमन पथ' का निर्माण 4,403 करोड़ रुपये से हो रहा है। ग्रीनफील्ड टाउनशिप प्रोजेक्ट 2,182 करोड़ से बन रहा है। शहर की जनसंख्या और भूमि उपयोग की योजना भी स्पष्ट है।

जयपुर में अंधाधुन फायरिंग : शादी से लौट रहे दो दोस्तों को गोली, 3 बाइक पर आए 6 बदमाश फरार

एजेंसी
जयपुर। जयपुर में रात सनसनीखेज फायरिंग की वारदात सामने आई है। परिचित की शादी से लौट रहे दो दोस्तों पर 6 बदमाशों ने अंधाधुन गोलियां बरसाईं और मौके से फरार हो गए। घायल दोनों युवकों का [illegible] हॉस्पिटल में उपचार चल रहा है। आदर्श नगर थाना पुलिस ने पर्चा बयान पर [illegible] दर्ज कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। SHO आदर्श नगर मनीष गुप्ता के अनुसार फायरिंग की घटना घाटगेट स्थित अंकुर सिनेमा के पास हुई। ट्रांसपोर्ट नगर निवासी मोहम्मद शाहिद उर्फ धाबा (32) और खोह नागोरियान निवासी आफताब (28) को गोली मारी गई है। जानकारी के मुताबिक मोहम्मद शाहिद और आफताब अपने तीन दोस्तों के साथ आगरा रोड पर एक परिचित की शादी में शामिल होकर कार से वापस लौट रहे थे। रात करीब 11 बजे अंकुर सिनेमा के पास कार रोककर पांचों दोस्त आपस में बातचीत कर रहे थे। तभी तीन बाइक पर आए छह बदमाशों ने अचानक उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।फायरिंग के दौरान शाहिद की जांघ में जबकि आफताब के कंधे में गोली लगी। दोनों के सड़क पर गिरते ही हमलावर मौके से फरार हो गए। घायल युवकों को उनके साथियों ने तत्काल कार से [illegible] हॉस्पिटल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार घायलों को अस्पताल में भर्ती कराने के बाद उनके तीन साथी कार वहीं छोड़कर हॉस्पिटल से भाग निकले, जिनसे अब पुलिस संपर्क नहीं कर पा रही है।

बिहार चुनाव: जन सुराज ने एनडीए पर बहुमत खरीदने का आरोप लगाया

एजेंसी
पटना । जन सुराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने शनिवार को आरोप लगाया कि बिहार सरकार ने विधानसभा चुनाव में एनडीए के भारी बहुमत को खरीद लिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य को अब एक स्वच्छ सरकार की जरूरत है। उन्होंने दागी मंत्रियों को हटाने की भी मांग की। पटना के बेली रोड स्थित शेखपुरा हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए लगभग 40 हजार करोड़ रुपए का सार्वजनिक धन नकद हस्तांतरण के लिए

इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक से लिए गए 14,000 करोड़ रुपए के ऋण को भी खर्च किया गया। उन्होंने कहा कि देश में पहले भी ऐसे प्रयास हुए हैं, लेकिन पहली बार किसी राज्य सरकार ने इतनी बड़ी राशि खर्च की है। नतीजतन, शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य के लिए धन समाप्त हो गया है। सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर की पिछली टिप्पणी कि जेडीयू 25 सीटें नहीं जीतेगी, अलग परिस्थितियों में की गई थी। उन्होंने दावा किया कि सरकार द्वारा अपना खजाना खोलने के बाद स्थिति बदल गई, जिससे जेडीयू की सीटों में वृद्धि हो गई।

उदय सिंह ने एनडीए को जीत की बधाई दी और नई सरकार को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बिहार को अब एक स्वच्छ सरकार की जरूरत है। दागी मंत्रियों को हटाया जाए। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने जन सुराज के मुद्दों पर बात की है, इसलिए पार्टी इस बात पर नजर रखेगी कि नई सरकार इन मुद्दों का कैसे समाधान करती है। उन्होंने कहा कि संगठन उसी दृढ़ संकल्प के साथ काम करता रहेगा जिसके साथ जन सुराज की स्थापना हुई थी और सरकार की कमियों को उजागर करता रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि बिहार के लोग जन सुराज को एक मजबूत विपक्ष के रूप में देखेंगे। पार्टी के प्रदर्शन पर सवाल किए जाने पर उन्होंने कहा कि वे निराश जरूर हैं, लेकिन हतोत्साहित नहीं। उन्होंने दावा किया कि कुछ मतदाता आखिरी समय में एनडीए की ओर चले गए, क्योंकि उन्हें डर था कि जन सुराज को वोट देने से राजद को अप्रत्यक्ष रूप से सत्ता में वापसी करने में मदद मिल सकती है।

फिरोजपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यकर्ता की गोली मार कर हत्या

चंडीगढ़। पंजाब के फिरोजपुर में अज्ञात नकाबपोश हमलावरों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना रात उस समय की है, जब संघ कार्यकर्ता नवीन अरोड़ा अपनी दुकान से घर जा रहे थे। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ कई दशकों से जुड़े बलदेव राज अरोड़ा के पुत्र नवीन अरोड़ा की फिरोजपुर के मुख्य बाजार में मनियारी की दुकान है। रोजाना की तरह शनिवार रात जब वह दुकान बंद कर घर जा रहे थे तो रास्ते में अज्ञात युवकों ने नवीन को घेरकर गोली मार दी। गोली नवीन के सिर में लगी। मौके पर मौजूद लोगों ने नवीन को फिरोजपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

आज के युवाओं की ऊर्जा बनाएगी भारत को महाशक्ति : शेखावत

एजेंसी
शेरगढ़/जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने बालेसर में सांसद खेल महोत्सव के ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। शेखावत ने युवाओं को 'सबसे सौभाग्यशाली पीढ़ी' बताते हुए कहा कि आज के युवा जिस संकल्प के साथ आगे बढ़ेंगे, वही भारत के भविष्य की दिशा तय करेगा। उनकी ऊर्जा ही भारत को विश्व की महाशक्ति बनाएगी।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत और विधायक बाबू सिंह राठौड़ ने युवा शक्ति का महोत्सव सांसद खेल महोत्सव के तहत बालेसर सत्ता राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शेरगढ़ विधानसभा क्षेत्र सांसद खेल महोत्सव की ब्लॉक लेवल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। केन्द्रीय मंत्री शेखावत और विधायक बाबू सिंह राठौड़ रस्सा कसी प्रतियोगिता को रस्सा खींच कर शुरू किया। विधायक बाबू सिंह राठौड़ ने स्वागत उद्बोधन दिया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने मंच पर उपस्थित शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़ को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह खेल महोत्सव केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि विकसित

भारत के निर्माण की दिशा में युवाओं की भागीदारी का प्रतीक है। सांसद खेल महोत्सव का उद्देश्य देश के कोने- कोने से खेल प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें तराशना और आगे बढ़ाने का है। यह केवल खेल नहीं, बल्कि भारत की युवा शक्ति को संगठित करने का एक राष्ट्रव्यापी अभियान है। उन्होंने जोड़ा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नारा 'खेलेगा इंडिया तो खिलेगा इंडिया' आज देशभर में एक प्रेरक आंदोलन बन चुका है। पंचायत स्तर पर सफल आयोजनों के बाद, इस ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में लगभग डेढ़ हजार खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि भारत आज दुनिया का सबसे युवा देश है और यह युवा आबादी ही भारत की असली ताकत है। हम इतिहास के उस दौर में हैं, जब हमारी पीढ़ी को विकसित भारत बनाने का अवसर मिला है। आने वाले 25 वर्षों में भारत निश्चित रूप से विकसित राष्ट्र बनेगा। यह उपलब्धि युवाओं की मेहनत और संकल्प से ही संभव होगी। उपस्थित युवाओं से शेखावत ने कहा कि आप सौभाग्यशाली पीढ़ी हैं, क्योंकि आप न केवल विकसित भारत में जीवन बिताएंगे, बल्कि आप वह पीढ़ी होंगे, जिसने इस भारत को विकसित बनाने में योगदान दिया होगा। शेखावत ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए खेल के महत्व को जीवन दर्शन से जोड़ा। उन्होंने कहा कि खेल हमको असफलता को पचाने और अहंकार से बचने की ताकत प्रदान करता है। आज के प्रतिस्पर्धी माहौल में, जो बच्चे डिप्रेशन के शिकार हो जाते हैं, उनके लिए अगर कोई दवाई है तो वह खेलना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अब व्यवस्था का परिवर्तन हुआ है, जहां सांसद खेल महोत्सवों के माध्यम से प्रतिभाओं को तराशकर, उन्हें उचित प्रशिक्षण, डाइट और न्यूट्रिशन देकर विश्व स्तर का खिलाड़ी बनाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने यह भी संकल्प दोहराया कि आने वाले तीन-चार वर्षों में देश के हर विद्यालय में खेल का बुनियादी ढाँचा खड़ा करने पर सरकार काम करेगी। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि हाल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने विश्व कप जीतकर देश का नाम रोशन किया है। आज बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। खेलों में उनकी उपलब्धियां देश की नई पहचान बन रही हैं। यह केवल खेल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया है। जब युवा खेल के मैदान में उतरते हैं, तब देश भी जीतता है। उन्होंने कहा कि जो विद्यालय खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे, उन्हें सांसद कार्यालय की ओर से क्रिकेट किट दी जाएगी। उन्होंने कहा कि ब्लॉक स्तर से शुरू होकर ये प्रतियोगिताएं विधानसभा और फिर लोकसभा स्तर तक आयोजित होंगी।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने ड्रग तस्कर की लाखों की अचल संपत्ति कुर्क की

एजेंसी
कठुआ । जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने कठुआ जिले के बिलावर क्षेत्र में एक कुख्यात ड्रग पेडलर की अवैध रूप से अर्जित संपत्ति को जब्त कर लिया है। पुलिस की ओर से शनिवार को जारी प्रेस रिलीज में बताया गया कि कठुआ एसएसपी मोहिता शर्मा (आईपीएस) की निगरानी में पुलिस स्टेशन बिलावर द्वारा एक ड्रग पेडलर की अचल संपत्ति को अटैच किया गया है। यह एक मंजिला इमारत है जिसकी अनुमानित कीमत 12,26,303 रुपए बताई गई है। यह संपत्ति जावेद अख्तर, पुत्र मोहम्मद लतीफ, निवासी लोहाई मल्हार की है। यह कार्रवाई बिलावर एसएचओ इंस्पेक्टर जहीर मुश्ताक के नेतृत्व में एसपी अपर कठुआ आमिर इकबाल और एसडीपीओ बिलावर नीरज पड़यार की देखरेख में की गई। पुलिस ने यह कदम एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 68 ए.2 (सी), 68-ई और 68-एफ के तहत उठाया है, जो ड्रग तस्करों की अवैध संपत्ति को जब्त करने से संबंधित प्रावधान प्रदान करती हैं।

पुलिस के अनुसार, आरोपी जावेद अख्तर लंबे समय से नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल था और उसके खिलाफ 4 मामले दर्ज हैं। इसके अलावा, आरोपी को पीआईटीएनडीपीएस के तहत भी गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच में पाया गया कि जब्त की गई अचल संपत्ति नशीले पदार्थों की तस्करी से अर्जित की गई थी, जिसे पुलिस ने प्राथमिक रूप से अवैध संपत्ति घोषित किया। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई जिले में नशे के खिलाफ उनकी 'जीरो टॉलरेंस पॉलिसी' को मजबूत करती है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस पहल का स्वागत किया है और इसे नशा माफिया पर बड़ी चोट करार दिया है। इससे पहले, एक अन्य कार्रवाई में पुलिस ने अवंतीपोरा में जम्मू-कश्मीर पीपुल्स लीग के अलगाववादी मोहम्मद याकूब शेख की संपत्ति को सील कर दी थी। यह कार्रवाई पुलवामा की एडिशनल सेशन्स कोर्ट (एनआईए एक्ट के तहत नामित विशेष अदालत) के आदेश पर की गई थी। मोहम्मद याकूब शेख, जो अब पीओके में रह रहा है, का नाम्बलाबल पंपोर स्थित एक आवासीय मकान और उससे जुड़ी 4 मरला जमीन (सर्वे नंबर 4008) कार्रवाई के दायरे में आई थी। यह कार्रवाई पंपोर थाने में दर्ज केस एफआईआर नंबर 24/2024 के तहत की गई है।

साउथ अफ्रीका ने ईडन गार्डन्स में तोड़ा 53 साल पुराना रिकॉर्ड, रच डाला ये इतिहास

कोलकाता (एजेंसी)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला गया पहला टेस्ट मैच मात्र तीन दिनों में ही समाप्त हो गया। साउथ अफ्रीका ने इस मुकाबले में भारतीय टीम को करारी शिकस्त देते हुए दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 की अहम बढ़त बना ली है। इस जीत के साथ ही मेहमान टीम ने ईडन गार्डन्स के मैदान पर 53 साल पुराना एक बड़ा रिकॉर्ड भी ध्वस्त कर दिया है।

53 साल पुराना टूटा रिकॉर्ड

साउथ अफ्रीका ने भारत के सामने जीत के लिए केवल 124 रन का छोटा लक्ष्य रखा था। यह लक्ष्य भले ही छोटा था, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों के लिए इसे हासिल करना %पहाड़ चढ़ने% जैसा साबित हुआ। अगर भारतीय टीम यह लक्ष्य सफलतापूर्वक चेज कर लेती, तो वह 21 साल पहले कायम किए गए अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ती। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और इसके उलट, साउथ अफ्रीका ने 124 रन का यह मामूली स्कोर सफलतापूर्वक डिफेंड करके ईडन गार्डन्स पर सबसे कम स्कोर का बचाव करने का 53 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले, ईडन गार्डन्स पर सबसे कम स्कोर को डिफेंड करने का रिकॉर्ड 1972 में बने 192 रन का था, जिसे अब साउथ अफ्रीका ने 124 रन बचाकर पीछे छोड़ दिया है।

भारत में 15 साल बाद मिली टेस्ट जीत

124 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में 100 रन भी नहीं बना सकी। कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति का झटका तो टीम को पहले ही लगा था, लेकिन बाकी बल्लेबाजों ने भी निराश किया। भारतीय टीम के 9 विकेट महज 93 रन पर गिर गए। परिणामस्वरूप, साउथ अफ्रीका ने यह मुकाबला 30 रन से जीत लिया। यह साउथ अफ्रीका की भारत में 15 साल बाद पहली टेस्ट जीत भी है।

पृथ्वी ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 5000 रन पूरे किये

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र की ओर से खेलते हुए पृथ्वी शॉ ने रणजी ट्रॉफी एलीट मैच में पंजाब के खिलाफ अर्धशतक लगाते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। पृथ्वी ने इस मैच में 74 रन बनाते ही फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 5000 रन पूरे कर लिये हैं। इसके लिए उन्होंने कुल 109 पारियां खेली हैं। शॉ ने पंजाब के हरप्रीत बराड़ के हाथों आउट होने से पहले 117 गेंदों पर 74 रन बनाये जिसमें 4 चौके और 2 छक्के शामिल हैं।

अब तक पृथ्वी ने कुल 36 मैचों ी 109 पारियों में 5026 रन बनाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 379 रन वहीं औसत 47.16 रन हैं। इस दौरान स्ट्राइक रेट 84.07 रहा है। वहीं इस दौरान 14 शतक उन्होंने लगाये हैं। वहीं 20 अर्धशतक लगाये हैं। पृथ्वी ने इससे पहले 156 गेंदों पर 29 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 142.31 की स्ट्राइक रेट से 222 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 73 गेंदों में अपना शतक और 141 गेंदों में दोहरा शतक पूरा किया। उनके नाम 21वीं सदी में रणजी ट्रॉफी की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड भी है।

हार के लिए पिच को जिम्मेदार नहीं मानते : गंभीर

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही टेस्ट में मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा है कि पिच को हम दोष नहीं देते हैं। उन्होंने कहा कि यह बिल्कुल वैसी ही पिच थी जैसी उन्हें चाहिए थी। इस मैच में भारतीय टीम जीत के लिए मिले 124 रनों के लक्ष्य का पीछा नहीं कर पाये और 93 रनों पर ही सिमट गयी। गंभीर ने कहा, 'ऐसा नहीं है कि इस पिच पर रन नहीं बनाये जा सकते थे। यह वैसी ही थी जैसी हमने मांगी थी और हमें यही मिला। उन्होंने क्यूरेटर सुजन मुखर्जी के काम को भी ठीक बताया। साथ ही कहा कि यह एक ऐसा विकेट है जिसपर मानसिक मजबूती की परीक्ष होती है। इसपर रक्षात्मक अंदाज से खेलने वाले रन बनाने में सफल रहे हैं।

गंभीर ने कहा कि दक्षिण अफ्रीकी कप्तान तेम्बा बावुमा ने 55 और वाशिंगटन सुंदर ने इस पिच पर 31 रन बनकार दिखाया कि रन बनाये जा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'यह बिल्कुल वैसी ही पिच है जैसी हमें चाहिए थी। इसमें कोई भी कमी नहीं थी। अक्षर, तेम्बा, वाशिंगटन ने रन बनाए। टर्निंग विकेट होने के बाद भी इसपर तेज गेंदबाजों को काफी विकेट मिले है। गंभीर ने यह भी कहा कि टॉस के प्रभाव को कम करने के लिए हमने इस प्रकार की पिच तैयार करवायी थी। उन्होंने कहा, 'हम पहले दिन से ही स्पिनरों के लिए सहायत पिच की मांग करते हैं जिससे टॉस महत्वपूर्ण नहीं हो जाए। अगर हम टेस्ट जीत जाते, तो पिच के बारे में इतने बातें ही नहीं होतीं। हमारे पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी भी हालात में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

सिंधु और हर्षित की शानदार गेंदबाजी, भारत ए ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

राजकोट (एजेंसी)। निशांत सिंधु (चार विकेट) और हर्षित राणा (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद ऋतुराज गायकवाड़ (नाबाद 68) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारत ए ने रविवार को दूसरे अनौपचारिक एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ए को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी।

132 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत ए के लिए ऋतुराज गायकवाड़ और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 53 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई। भारत ए का पहला विकेट नौवें ओवर की पहली गेंद पर अभिषेक शर्मा के रूप में गिरा। अभिषेक शर्मा ने 22 गेंदों में छह चौके लगाते हुए 32 रनों की पारी खेली। उन्हें लुथो सिपामला ने आउट किया। भारत ए ने 27.5 ओवर में एक विकेट पर 135 रन बनाकर मुकाबला 9 विकेट से जीत लिया।

तिलक वर्मा 62 गेंदों में 29 रन बनाकर नाबाद रहे। ऋतुराज गायकवाड़ ने 83 गेंदों में नौ चौको की मदद से 68 रनों की नाबाद मैच विजयी पारी खेली। इससे पहले आज यहां दक्षिण अफ्रीका ए ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सलामी बल्लेबाज लुआन-द्रे प्रेटोरियस और रिवाल्डो मूनसामी की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 39 रन जोड़े। आठवें ओवर में हर्षित राणा ने लुआन-द्रे प्रेटोरियस (21) को आउटकर भारत ए को पहली सफलता दिलाई। 11वें ओवर में निशांत सिंधु ने रिवाल्डो मूनसामी (33) का शिकार कर लिया।

कप्तान मार्कर्स ऐकरमैन (7) और जॉर्डन हरमन (5) को हर्षित ने आउट किया। सिंधु ने सिनेतेम्बा केशिले (तीन) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। 73 पर पांच विकेट गिरने के बाद संकट मे फंसी दक्षिण अफ्रीका के लिए डायन फॉरेस्टर और डेलानो पॉटजीटर की जोड़ी ने संभाल कर खेलते हुए छठे विकेट के लिए 34 रन जोड़े। 24वें ओवर में तिलक वर्मा ने डियान फॉरेस्टर (22) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा।

डेलानो पॉटजीटर (23) को प्रसिद्ध कृष्णा ने अपना शिकार बनाया। 29वें ओवर में निशांत सिंधु ने एन पीटर और लुथो सिपामला को बिना खाता खोले ही पवेलियन भेज दिया। 31वें ओवर की तीसरी गेंद पर प्रसिद्ध कृष्णा ने प्रीनेलान सुब्रायेन (15) को आउट कर दक्षिण अफ्रीका ए टीम का 132 के स्कोर पर अंत कर दिया। भारत ए के लिए निशांत सिंधु ने 14 रन देकर चार विकेट लिये। हर्षित राणा ने 21 रन देकर तीन विकेट झटके। प्रसिद्ध कृष्णा को दो विकेट मिले। तिलक वर्मा ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

मूक बधिर ओलंपिक में भारत के धनुष ने स्वर्ण जीता

टोक्यों । भारत के धनुष श्रीकांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां जारी बधिर ओलंपिक में पुरुषों की एयर राइफल स्पर्धा में पहला स्थान हासिल करने के साथ ही स्वर्ण पदक जीता। श्रीकांत ने सबसे अधिक 252.2 अंक हासिल करने के साथ ही नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। वहीं भारत की ओर से मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने 250.1 के अंतिम स्कोर के साथ ही रजत पदक, जबकि कोरिया के बेक सेउंगहाक ने 223.6 के स्कोर के साथ ही कांस्य पदक पर कब्जा किया। भारत की ओर से धनुष ने क्वालिफिकेशन में 623.3 का स्कोर बनाया था और किम से पीछे रहे थे, जिन्होंने 625.1 का स्कोर बनाया था। भारत इस समय अंक तालिका में दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर आठवें स्थान पर है। वहीं यूक्रेन 19 स्वर्ण, छह रजत और 13 कांस्य पदक जीतकर तालिका में इस समय नंबर एक पर है। भारत ने 65 सदस्यीय दल में 10 निशानेबाज शामिल हैं।

शुभमन गर्दन में दर्द के बाद अस्पताल में भर्ती, जांच के बाद होगा आगे खेलने पर फैसला : बीसीसीआई

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल को गर्दन में दर्द के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ऐसे में अब शुभमन इस मैच में शायद ही पहले टेस्ट में आगे खेल पायें। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी कहा है कि शुभमन के आगे खेलने का फैसला जांच पर निर्भर रहेगा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ईडन गार्डन में बल्लेबाजी करने के दौरान एक शॉट लगाते समय उनकी गर्दन जकड़न आ गयी थी जिसके समस्या वह गर्दन को हिला भी नहीं पा रहे थे। इसी कारण उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा था। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुभमन अभी अस्पताल में हैं। (बीसीसीआई) ने कहा कि शुभमन को चिकित्सा निगरानी में रखा गया है उनके आगे खेलने का फैसला जांच रिपोर्ट के आधार पर ही लिया जाएगा हालांकि जिस प्रकार से उन्हें दर्द है उसको देखते हुए उन्हें शायद ही शामिल किया जाये।

भारतीय बल्लेबाजों को ऐसी पिचों पर रन बनाने का तरीका ढूंढना होगा, भारत की हार पर बोले पुजारा

नई दिल्ली । भारत और दक्षिण अफीका के बीच पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन मेजबान टीम को विश्व टेस्ट चैंपियन के हाथों हार का सामना करना पड़ा। जियोस्टार के पोस्ट–मैच शो 'क्रिकेट लाइव 'में बोलते हुए जियोस्टार के विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा ने पिच के साथ भारत की मुश्किलों, बल्ले से कमजोरी और दूसरी पारी में कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति पर प्रकाश डाला। 'क्रिकेट लाइव ' पर बात करते हुए पुजारा ने भी बताया कि पहले टेस्ट में टीम इंडिया के लिए क्या गलत हुआ। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि सबसे पहले, हमें नहीं पता कि टीम प्रबंधन वास्तव में ऐसी पिच चाहता था या नहीं। लेकिन सतह चाहे जो भी हो, आपको उस पर अच्छा प्रदर्शन करना होगा और अच्छी तैयारी करनी होगी। मैं कहूंगा कि हमें थोड़ी बेहतर गेंदबाजी करनी चाहिए थी और साथ ही, बेहतर बल्लेबाजी भी करनी चाहिए थी।' पुजारा ने कहा, 'दुर्भाग्य से हमारे पास एक बल्लेबाज कम था। शुभमन गिल पहली पारी में चोटिल हो गए और दूसरी पारी में भी उपलब्ध नहीं थे। यह भारतीय टीम के लिए एक बड़ा नुकसान था। लेकिन भारतीय बल्लेबाजों को ऐसी पिचों पर रन बनाने का तरीका ढूंढना होगा। अगर भारतीय टीम ऐसी सतहों पर और मैच खेलती है, तो रन बनाने के मौके कहां से आएंगे? यह एक ऐसी बात है जिस पर टीम मीटिंग में चर्चा होनी चाहिए। बल्लेबाजी कोच को भी बल्लेबाजों से बात करनी होगी। उन्हें अपने पैरों का इस्तेमाल करना होगा, स्वीप शॉट खेलना होगा और ऐसी पिचों पर थोड़ा और सकारात्मक खेलना होगा। आपको गेंदबाज पर दबाव बनाना होगा और यही कुछ ऐसा जो भारतीय बल्लेबाज इस खास टेस्ट मैच में करने में नाकाम रहे।'

वरुण चक्रवर्ती को मिली सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तमिलनाडु की कप्तानी

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को इस सत्र की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए तमिलनाडु का कप्तान नियुक्त किया गया है। यह प्रतिष्ठित टी-20 टूर्नामेंट 26 नवंबर से पूरे देश में शुरू हो रहा है। वरुण चक्रवर्ती ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी सरजमीं पर खेली गई टी-20 श्रृंखला में अहम योगदान दिया, जिसमें तीन मैचों में उन्होंने पांच विकेट लिए और भारत की 2-1 से जीत में निर्णायक भूमिका निभाई।

भारतीय बल्लेबाज नारायण जगदीशन को तमिलनाडु टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। टीम में बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर और आंद्रे सिद्धार्थ भी शामिल हैं, वहीं भारत के तेज गेंदबाज टी नटराजन को भी इस टूर्नामेंट के लिए टीम में जगह मिली है।

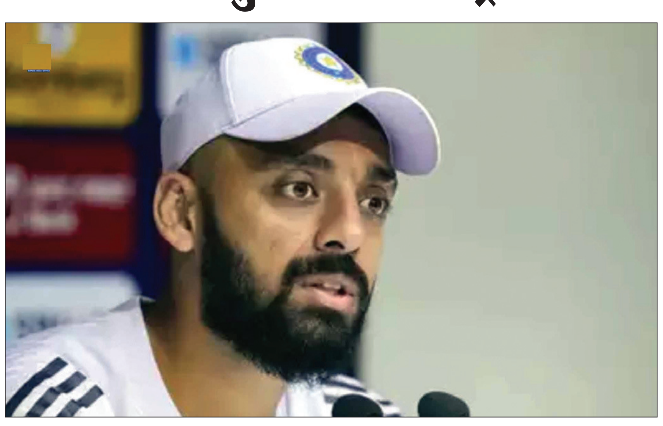

तमिलनाडु को इस सीजन की रणजी ट्रॉफी में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद एलीट ग्रुप डी में रखा गया है। इस ग्रुप में राजस्थान, दिल्ली, उत्तराखंड, कर्नाटक, त्रिपुरा, झारखंड और सौराष्ट्र भी शामिल हैं। तमिलनाडु अपना अभियान अहमदाबाद में राजस्थान के खिलाफ मैच से शुरू करेगी। टीम का यह संतुलित संयोजन और वरुण चक्रवर्ती की कप्तानी तमिलनाडु के लिए इस सीजन में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद जगाती है।

तमिलनाडु का स्क्वॉड: वरुण चक्रवर्ती (कप्तान), नारायण जगदीशन, तुषार रहेजा, वीपी अमित सात्विक, शाहरुख खान, आंद्रे सिद्धार्थ, प्रदोष रंजन पॉल, शिवम सिंह, आर साई किशोर, एम सिद्धार्थ, टी नटराजन, गुरजपनीत सिंह, ए एसाक्कीमुथु, आर सोनू यादव, आर सिलंबरासन और एस ऋतिक ईश्वरन

गांगुली ने क्यूरेटर का बचाव किया, भारतीय टीम की मांग के अनुसार बनायी थी पिच, कोच गंभीर ने की थी पिच की आलोचना

कोलकाता । बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) के प्रमुख सौरव गांगुली ने पिच को लेकर हो रही आलोचओं को गलत बताया है। गांगुली ने क्यूरेटर सुजान मुखर्जी का बचाव करते हुए कहा कि पिच भारतीय टीम की मांग के अनुसार ही तैयार की गयी थी। ऐसे में टीम की हार के लिए पिच और क्यूरेटर को दोष देना ठीक नहीं है। कोलकाता की पिच पर भारत–दक्षिण अफ्रीका टेस्ट तीसरे ही दिन समाप्त हो गया था। –इसी कारण कई दिग्गजों ने पिच पर सवाल उठाये हैं। इसको लेकर दिग्गज स्पिनर हरभजन ने कहा कि यहां तो सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे बल्लेबाजों के लिए भी खेलना कठिन है। गांगुली ने कहा- पिच भारतीय टीम की मांग पर बनाई गई है। जब आप चार दिनों तक पिच को पानी नहीं देते, तो यही होता है। क्यूरेटर की इसमें गलती कहीं से नहीं है। वहीं इससे पहले क्यूरेटर ने भी कहा था कि टीम प्रबंधन की ओर से 'रैंक टर्नर' जैसी कोई विशेष मांग नहीं की गयी थी। इस पिच पर दोनो ही टीमों 200 रनों तक भी नहीं पहुंच पायीं1 पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका ने 159 जबकि भारतीय टीम ने 189 रन बनाये दूसरी पारी में भी अफ्रीकी टीम 154 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके बाद 124 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 93 रन ही बना पायी। तीन दिन में ही दोनो ही टीमों की कुल मिलाकर चार पारियां सिमट गयीं। वहीं इससे पहले भारतीय टीम और कोच गौतम गंभीर ने पिच की आलोचना करते हुए कहा था कि ये गेंदबाजी के लिए अनुकूल थी और इसमें बल्लेबाजों के लिए कुछ नहीं था।

जब धुरंधर भी नहीं बचा सके भारतीय बल्लेबाजी

– टी20 में टीम इंडिया की सबसे बड़ी नाकामियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 क्रिकेट में टीम इंडिया को दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में गिना जाता है। रोहित शर्मा, विराट कोहली और सुरेश रैना जैसे विस्फोटक बल्लेबाजों ने इस फॉर्मेट में कई ऐतिहासिक जीत दिलाई हैं। लेकिन इस सुनहरे सफर के बीच कुछ ऐसे दिन भी आए जब भारतीय बल्लेबाजी बुरी तरह लड़खड़ा गई और टीम 100 रन का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई। ऐसे पांच मुकाबले भारतीय टी20 इतिहास के सबसे निराशाजनक दिनों में शामिल हैं।

भारत का अब तक का सबसे कम टी20 स्कोर 74 रन है, जो 2008 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बना था। उस दिन ऑस्ट्रेलियाई पेस अटैक के सामने भारतीय बल्लेबाज पूरी तरह असहाय दिखे। इरफान पठान ने 26 रन बनाकर कुछ उम्मीद जगाई, लेकिन बाकी बल्लेबाज रन जुटाने के लिए संघर्ष करते रहे और पूरी टीम 17.3 ओवर में ढह गई। 2016 टी20 विश्व कप का नागपुर मैच भी भारतीय फैंस के लिए किसी गहरे झटके जैसा था। न्यूजीलैंड के मिशेल सैंटनर और ईश सोढ़ी ने धीमी पिच का फायदा उठाते हुए भारतीय बल्लेबाजों को 18.1 ओवर में सिर्फ 79 रन पर समेट दिया। इस हार ने साबित किया कि स्पिन-अनुकूल परिस्थितियों में भी भारत की बल्लेबाजी कमजोर पड़ सकती है।

2021 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भारत सीमित विकल्पों के साथ उतरा था, क्योंकि कोविड प्रोटोकॉल की वजह से कई खिलाड़ी आइसोलेशन में थे। युवा टीम श्रीलंकाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 20 ओवर में सिर्फ 81 रन जुटा पाई। यह हार न सिर्फ स्कोर के कारण चर्चा में रही, बल्कि इसलिए भी कि इस मैच ने टीम की बेंच स्ट्रेंथ की वास्तविक स्थिति सामने रखी। इसी तरह 2015 में कटक में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजी बुरी तरह बिखर गई। तेज गेंदबाजों की उछाल और धार के सामने बल्लेबाजों ने गलत शॉट खेलकर विकेट गंवाए और टीम 17.2 ओवर में केवल 92 रन पर सिमट गई। 2016 में पुणे में श्रीलंका के खिलाफ हुई हार भी भारतीय क्रिकेट इतिहास की चौंकाने वाली घटनाओं में शामिल है। डेब्यू मैच खेल रहे कसुन रजिता ने तीन विकेट लेकर भारत की बल्लेबाजी की रीढ़ तोड़ दी। नतीजा यह रहा कि टीम 18.5 ओवर में सिर्फ 101 रन बना पाई और मैच गंवा दिया। इन सभी मुकाबलों ने यह एहसास कराया कि चाहे टीम कितनी भी मजबूत क्यों न हो, गलत परिस्थितियों और आक्रामक गेंदबाजी के सामने बड़े-बड़े सितारे भी फ्लॉप हो सकते हैं। ये हारें भारतीय क्रिकेट के लिए सीख साबित हुईं कि किसी भी परिस्थिति या विपक्ष को हल्के में लेना बड़ा जोखिम बन सकता है।

हेजलवुड की चोट से ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, पर्थ एशेज टेस्ट से बाहर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पर्थ स्टेडियम में होने वाले पहले एशेज टेस्ट से ठीक एक हफ्ता पहले मेजबान टीम को बड़ा झटका लगा है। अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन के कारण इस मुकाबले से बाहर हो गए हैं। हेजलवुड की अनुपस्थिति इंग्लैंड के लिए फायदा साबित हो सकती है, क्योंकि उनकी गिनती इस समय दुनिया के सबसे खतरनाक गेंदबाजों में होती है। इससे पहले कप्तान पैट कमिंस भी चोट के कारण टीम से बाहर हैं, जिससे ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजी आक्रमण पर असर पड़ेगा। हेजलवुड ने दो दिन पूर्व सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर न्यू साउथ वेल्स के शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान विक्टोरिया के खिलाफ खेलते हुए हैमस्ट्रिंग में चोटिल हो गए थे। शुरुआती स्कैन में कोई गंभीर समस्या नहीं दिखी थी, लेकिन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने शनिवार को पुष्टि की कि दोबारा किए गए इमेजिंग स्कैन में उन्हें हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन है। सीए के बयान में कहा गया, 'शुरुआती इमेजिंग कभी–कभी कम–ग्रेड मांसपेशी चोटों को कम आंक सकती है। हेजलवुड अब पर्थ नहीं जाएंगे और उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया है।' इस अवसर पर माइकल नेसर को हेजलवुड और सीन एबॉट की जगह कवर के रूप में टीम में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नेसर ने अब तक दो टेस्ट मैच खेले हैं और 2021 में एडिलेड ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू किया था। हेजलवुड की चोट से ऑस्ट्रेलिया अब पर्थ में अपनी तेज गेंदबाजी लाइन–अप को लेकर संघर्ष कर रहा है, खासकर जब कमिंस भी निचले हिस्से की चोट के कारण बाहर हैं।

भारत की हार पर कुंबले का बड़ा बयान: दक्षिण अफ्रीका ने परिस्थितियों का बेहतरीन इस्तेमाल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता टेस्ट के तीसरे दिन भारत को दक्षिण अफ्रीका के हाथों 30 रनों की हार का सामना करना पड़ा। मैच के बाद जियोस्टार के पोस्ट-मैच शो 'क्रिकेट लाइव' में पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले ने भारत की गलतियों, पिच की चुनौतियों और कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति पर खुलकर बात की।

कुंबले ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका ने मुश्किल परिस्थितियों का भारतीय टीम से कहीं बेहतर उपयोग किया। वे बोले, 'दक्षिण अफ्रीका ने निश्चित रूप से हालात का फायदा उठाया। पिच पर काफी उछाल और अनियमितता थी, लेकिन भारत फिर भी अधिक रन बना सकता था। शुभमन गिल का दोनों पारियों में न खेल पाना टीम के लिए बड़ी कमी साबित हुआ।'

उन्होंने आगे कहा कि बल्लेबाजी में भारत दबाव में घबरा गया और परिस्थितियों से ज़रूरत से ज़्यादा डर गया। कुंबले बोले, 'वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल ने दिखाया कि टिके रहकर रन बनाए जा सकते हैं। लेकिन भारत ने पिच को देखकर खेला, गेंद को देखकर नहीं।'

भारत 123 रनों के लक्ष्य का पीछा नहीं कर सका, जिस पर कुंबले ने कहा कि भारतीय गेंदबाजी बदलाव भी उस समय थोड़े कठोर और रक्षात्मक नज़र आए। 'दिन की शुरुआत में बुमराह को पहला ओवर न देना और क्षेत्ररक्षण में खामियां भारत को भारी पड़ीं।''

उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा की जमकर तारीफ की और कहा कि उन्हें वह पहचान नहीं मिलती जिसकी वे हकदार हैं। 'बावुमा ने कप्तान के रूप में 11 में से 10 टेस्ट जीते हैं। उनकी रणनीति, फील्ड सेटिंग और गेंदबाजों का इस्तेमाल शानदार था।'

कुंबले ने माना कि बावुमा के गेंदबाजी बदलाव ने मैच का रुख बदल दिया, खासकर जब एडेन मार्करम को सही समय पर लाया गया। हालांकि केशव महाराज का एक महंगा ओवर भी था, लेकिन टीम ने सही फैसलों से हालात अपने पक्ष में कर लिए। कुल मिलाकर, कुंबले ने साफ कहा कि, 'भारत इस मैच में दक्षिण अफ्रीका से हर विभाग में पीछे रहा और पिच को लेकर बहुत ज़्यादा परेशान दिखा।'

एंजेलिना जोली से प्रेरित हैं शीना चौहान

फिल्मी दुनिया में कई ऐसे किरदार होते हैं, जो न केवल दर्शकों के दिलों पर छा जाते हैं, बल्कि कलाकारों को भी प्रेरित करते हैं। इस कड़ी में अभिनेत्री शीना चौहान ने बताया कि उनके लिए आने वाली सीरीज में अपने किरदार को निभाने के लिए हॉलीवुड अभिनेत्री एंजेलिना जोली का लोकप्रिय किरदार 'मेलफिसेंट' सबसे बड़ी प्रेरणा बना। एंजेलिना जोली ने डिज्नी की फिल्म 'मेलफिसेंट' में जिस तरह से एक 'विलेन' को ताकत, भावनाओं और मानवीय गहराई से पेश किया, उसने दुनियाभर के दर्शकों को प्रभावित किया था। शीना ने बात करते हुए कहा, ''एंजेलिना जोली का अभिनय केवल एक खलनायिका को दिखाने तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने उसे एक ऐसी स्त्री के रूप में पेश किया जो ताकतवर भी है, भावनाओं से भरी भी है, और संवेदनशील भी है। कुल मिलाकर उन्होंने अपने किरदार के जरिए कल्पनाओं को जगाया। वह एक ऐसी शक्ति थीं, जिसमें प्यार, गुस्सा, दर्द और करुणा सब कुछ था। मैंने अपने किरदार में भी वही संतुलन लाने की कोशिश की है।'' शीना चौहान ने आगे कहा, ''सीरीज 'भयावह' में मेरा किरदार एक ऐसी औरत का है जो विद्रोही है, जुनूनी है और अपने विचारों में इंसानियत रखती है। अगर किसी भी नेगेटिव किरदार में भावनाओं और संवेदनशीलता की परतें जोड़ दी जाएं, तो वह और भी दिलचस्प बन जाता है। मेरी कोशिश यही रही कि दर्शक मेरे किरदार से डरें भी, लेकिन उसे समझें भी। अपने लुक और बदलाव के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि जब उन्होंने इस किरदार का रूप धारण किया, तो उन्हें खुद अपने अंदर एक अलग ऊर्जा महसूस हुई। उन्होंने कहा, 'जैसे ही मैंने सींग लगाए, रेड लिपस्टिक लगाई, और बालों को कर्ली किया, तो मुझे लगा कि मेरा किरदार मुझमें उतर आया है। मेरे किरदार में हास्य भी है और रहस्य भी। मुझे उसे निभाने में बहुत मजा आया और मैं चाहती हूं कि दर्शक भी उसे उतना ही पसंद करें।' 'भयावह' सीरीज साल 2026 में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी।

सुष्मिता सेन से लेकर सैफ अली खान तक

बॉलीवुड के ये सितारे अब वेब सीरीज में कमा रहे नाम

कई बॉलीवुड कलाकारों ने बड़े पर्दे पर बेहतरीन अभिनय किया है। शुरू से उनकी पहचान फिल्मों में काम करने की रही है। इनमें से कुछ कलाकारों ने अब बड़े पर्दे पर अभिनय करना बंद कर दिया है। हालांकि इन कलाकारों ने वेब सीरीज में अच्छा अभिनय किया है। इनके अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा भी है। आइए उन कलाकारों के बारे में जानते हैं, जिन्होंने बड़े पर्दे के साथ वेब सीरीज में भी अच्छी अदाकारी की है।

सुष्मिता सेन- आर्या

लाखों दिलों की चाहत सुष्मिता सेन ने आर्या के जरिए सिनेमा में शानदार वापसी की। इसमें उन्होंने अपराध और खतरे का सामना करने वाली एक मां का किरदार निभाया। उनकी स्क्रीन उपस्थिति में शक्ति और कमजोरी का मिश्रण है। वेब सीरीज के फॉर्मेट को अपनाकर, सुष्मिता ने दिखाया कि कैसे बॉलीवुड के सितारे नई जिंदगी पा सकते हैं।

माधुरी दीक्षित- द फेम गेम

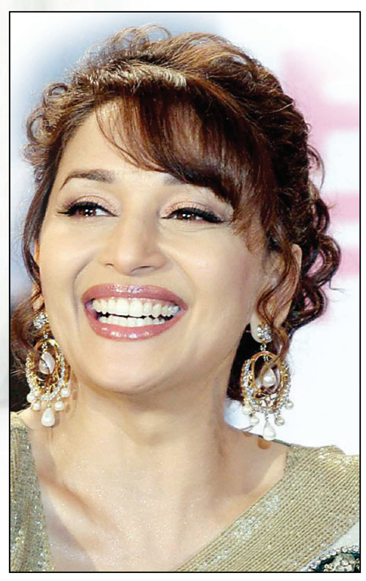

माधुरी दीक्षित लंबे वक्त से बड़े पर्दे पर राज करती रही हैं। उन्होंने वेब सीरीज द फेम गेम में अभिनय के जरिए यह साबित कर दिया कि यह प्लेटफॉर्म छोटा नहीं है। सीरीज में उन्होंने एक ऐसी सुपरस्टार का किरदार निभाया, जिसकी जिंदगी में कई राज छिपे हैं। उनके सहज आकर्षण ने इस सीरीज को दर्शकों के दिलों में जगह दिलाई। वेब सीरीज में माधुरी के प्रवेश ने दिखाया कि कैसे बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार भी नए दर्शकों से जुड़ने के लिए स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स का सहारा ले रहे हैं।

मनोज बाजपेयी–द फैमिली मैन

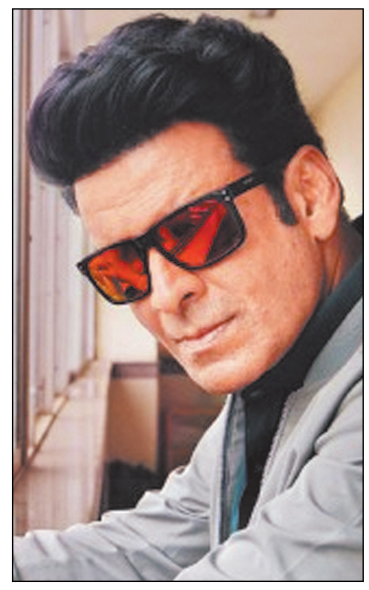

मनोज बाजपेयी ने द फैमिली मैन में श्रीकांत तिवारी नामक एक जासूस की भूमिका निभाकर फैंस के दिलों को जीत लिया। उन्होंने इसमें हास्य और चिंता से ग्रस्त व्यक्ति का किरदार निभाया। इस सीरीज के साथ, मनोज ने एक शानदार उदाहरण पेश किया कि कैसे बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार अच्छी कहानियों के साथ स्ट्रीमिंग में छा सकते हैं।

सैफ अली खान सेक्रेड गेम्स

सैफ अली खान बड़े पर्दे के मशहूर अभिनेता हैं। हालांकि उन्होंने वेब सीरीज सेक्रेड गेम्स में सरताज सिंह की भूमिका को पूरी ईमानदारी से निभाया है। वेब सीरीज में उन्होंने अपने अभिनय से फैंस को हैरान कर दिया है। डिजिटल ड्रामा में उनके अभिनय ने दूसरे बॉलीवुड कलाकारों को रास्ता दिखाया है। सैफ ने साबित कर दिया है कि स्ट्रीमिंग शो भी फिल्मों की तरह प्रभावशाली हो सकते हैं और दर्शकों से जुड़ सकते हैं।

इसी तरह से नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने सेक्रेड गेम्स में अच्छा अभिनय किया। राधिका आप्टे ने लस्ट स्टोरीज में शानदार अभिनय किया। पंकज त्रिपाठी ने मिर्जापुर में अपने अभिनय का लोहा मनवाया है।

अभिषेक बच्चन ब्रीद इंटू द शैडो

अभिषेक बच्चन ने सीरीज ब्रीद इनटू द शैडोज से दर्शकों को प्रभावित किया है। इसमें उन्होंने एक पिता की भूमिका निभाई है। उनके डिजिटल डेब्यू ने दर्शकों को नया अनुभव दिया। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर अभिषेक के सफर ने दिखाया कि कैसे बॉलीवुड अभिनेता खुद को नया रूप दे सकते हैं। उन्होंने यह बताने की कोशिश की कि अपने बेहतरीन अभिनय से वह फैंस को हैरान कर सकते हैं।

मैं अभी बहुत कुछ हासिल करना चाहती हूं

इंटरनेशनल स्टार बन चुकीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'एसएसएमबी 29' को लेकर चर्चाओं में हैं। एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में प्रियंका महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ नजर आएंगी। 15 नवंबर को फिल्म का एक बड़ा इवेंट होना है। इस बीच अभिनेत्री ने एक्स पर अपने फैंस के साथ बातचीत का एक सेशन चलाया। इस दौरान देसी गर्ल ने फैंस के सवालों के कुछ मजेदार जवाब भी दिए। आस्क पीसीजे सेशन की शुरुआत में प्रियंका ने अपनी एक सेल्फी शेयर करते हुए कहा कि वो अभी कार में हैं। आप सब कहां हैं? सेशन के दौरान एक फैन ने पूछा कि आपने बॉलीवुड, हॉलीवुड, म्यूजिक और प्रोड्यूसर के तौर पर सब कुछ एक्सप्लोर किया है। अब ऐसा क्या है जो आप सीखना चाहती हैं या कुछ नया क्रिएट करना चाहती हैं? इस पर पीसी ने जवाब दिया, 'मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरुआत भी नहीं की है। मैं अभी बहुत कुछ करना और हासिल करना चाहता हूं। उम्मीद है कि मैं कर पाऊंगी।'

इंडस्ट्री ने हमेशा मुझे काम, इज्जत और प्यार दिया

पॉलिटिकल ड्रामा महारानी के चौथे सीजन में रानी भारती (हुमा कुरैशी) की बेटी रौशनी भारती, जिसकी भूमिका निभा रही हैं अभिनेत्री श्वेता बसु प्रसाद। एक्ट्रेस ने हाल ही में बातचीत की और सीरीज को लेकर बात की।

बातचीत के दौरान, श्वेता कहती हैं, मैं महारानी के तीनों सीजन की बहुत बड़ी प्रशंसक रही हूं। जब इस शो के क्रिएटर और राइटर सुभाष कपूर जी से मुलाकात हुई और उन्होंने सीजन 4 के लिए मेरा नाम सुझाया, तो यह मेरे लिए बेहद खुशी की बात थी। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने सीजन 1 में रौशनी भारती का किरदार लिखा था, तब ही मन बना लिया था कि लीप के बाद मुझे कास्ट करेंगे। किसी क्रिएटर का इस तरह का विश्वास एक कलाकार के लिए बहुत बड़ी बात होती है। इस फ्रेंचाइजी की लोकप्रियता, मजबूत लेखन और शानदार परफॉर्मेंस – इन सबने मुझे बहुत आकर्षित किया। अपने किरदार रौशनी भारती के बारे में श्वेता कहती हैं, स्पॉयलर तो नहीं दूंगी (हंसती हैं), लेकिन इतना जरूर कहूंगी कि रौशनी, रानी भारती की बेटी है – एक पॉलिटिकल परिवार में पली-बढ़ी, बेहद दमदार और अपने माता-पिता की विरासत को लेकर चलने वाली। इस बार वो पहले से ज्यादा मजबूत, आत्मविश्वासी और प्रभावशाली नजर आएगी।

अपनी स्क्रिप्ट चॉइस को लेकर श्वेता हमेशा ईमानदार रही हैं। वह स्वीकार करती हैं, अगर दिल नहीं मानता, तो मैं प्रोजेक्ट नहीं करती। जैसा मैंने कहा, मैं पहले ऑडियंस हूं, फिर एक्टर। अगर मुझे लगे कि मैं खुद वो फिल्म नहीं देखना चाहूंगी, तो ऑडियंस का वक्त क्यों बर्बाद करूं? मेरी जिम्मेदारी है कि वही प्रोजेक्ट चुनूं जो ऑडियंस को पसंद आए। हिट-फ्लॉप तो किस्मत की बात है, पर इरादा हमेशा ईमानदार होना चाहिए। वह आगे जोड़ती हैं, मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानती हूं। मैं एक आउटसाइडर रही हूं, लेकिन इस इंडस्ट्री ने हमेशा मुझे काम, इज्जत और प्यार दिया। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मुझे मेरी मेहनत का फल नहीं मिला। यहां धैर्य और अनुशासन बहुत जरूरी हैं और अब मुझे लगता है कि मेहनत का असर दिख रहा है। हुमा कुरैशी के साथ काम को लेकर श्वेता बसु प्रसाद का अनुभव बेहद खास रहा।

मैंने 'रिटेक' लिखी और डायरेक्ट की...

अब श्वेता केवल कैमरे के सामने ही नहीं, बल्कि कैमरे के पीछे भी अपना टैलेंट दिखा रही हैं। वह बताती हैं, मैंने रिटेक नाम की एक शॉर्ट फिल्म लिखी और डायरेक्ट की है, जिसमें अनुपम खेर साहब हैं और अप्पलॉज एंटरटेनमेंट ने इसे प्रोड्यूस किया है। मैं फिलहाल नई स्क्रिप्ट्स पर काम कर रही हूं – शॉर्ट फिल्म ही नहीं, बल्कि फीचर फिल्म पर भी। आगे डायरेक्शन जरूर करूंगी, लेकिन एक्टिंग मेरा पहला प्यार है और रहेगा। कैमरे के आगे रहना मेरी पहचान है, वो कभी नहीं छोड़ूंगी।

शादी की होनी चाहिए एक्सपायरी डेट

अजय देवगन के साथ काजोल की शादी को 26 साल पूरे हो चुके हैं। लेकिन अब काजोल ने शादी को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया।

अभिनेत्री काजोल इन दिनों अपने टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। शो के लेटेस्ट एपिसोड में अब अभिनेता विक्की कौशल और अभिनेत्री कृति सेनन नजर आएंगे। हालांकि, शो के कुछ प्रोमो सामने आए हैं, जिनमें काजोल और ट्विंकल अपने मेहमानों के साथ जमकर मस्ती करती नजर आ रही हैं। अब इस एपिसोड के प्रोमो में दिखता है कि काजोल ने शादी की एक्सपायरी डेट होने का समर्थन किया है। साथ ही उन्होंने इस मामले में नया विकल्प होने की बात का भी पक्ष लिया है।

सिर्फ काजोल ने किया समर्थन

दरअसल, शो के 'ये या वो' सेगमेंट के दौरान सवाल पूछा गया, 'क्या शादी की एक एक्सपायरी डेट और रिन्यूवल का विकल्प होना चाहिए?' इस सवाल से कृति सेनन, विक्की कौशल और ट्विंकल ने अपनी असहमति जताई। उन्होंने इस सवाल पर रेड जोन चुना। लेकिन अभिनेता अजय देवगन की पत्नी और अभिनेत्री काजोल ने इस सवाल का समर्थन करते हुए ग्रीन जोन को चुना। इस पर ट्विंकल ने मजाकिया लहजे में कहा, 'नहीं, यह शादी है, वॉशिंग मशीन नहीं।'

सही व्यक्ति से शादी होने की क्या गारंटी

अपने फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए काजोल ने कहा कि मुझे तो बिल्कुल ऐसा ही लगता है। क्या गारंटी है कि आप सही समय पर सही व्यक्ति से शादी करेंगे? रिन्यूवल का विकल्प सही होगा और अगर कोई एक्सपायरी है, तो किसी को ज्यादा देर तक परेशान नहीं होना पड़ेगा। यही नहीं काजोल ने ट्विंकल को भी ग्रीन जोन में शामिल होने के लिए मनाने की कोशिश की। लेकिन ट्विंकल अपने विचार पर अड़ी रहीं।

ट्विंकल-विक्की का मानना पैसे से खरीद सकते हैं खुशी

इसी सेगमेंट के दौरान अगला स्टेटमेंट था, 'क्या पैसे से खुशी खरीदी जा सकती है।' इस बार ट्विंकल खन्ना और विक्की कौशल इस बात से सहमत नजर आए और उन्होंने ग्रीन जोन चुना। जबकि काजोल ने इस कथन पर अपनी असहमति जताई। काजोल ने कहा कि आपके पास चाहे कितना भी पैसा हो, यह वास्तव में एक बाधा बन सकता है। यह आपको असली खुशी से दूर कर देता है। वहीं कुछ देर सोचने के बाद कृति ने माना कि पैसे से कम से कम कुछ हद तक खुशी खरीदी जा सकती है।

काजोल और ट्विंकल का कॉमन है एक्स

गेम के बाद ट्विंकल ने कहा कि सबसे अच्छे दोस्तों को एक-दूसरे के एक्स को डेट नहीं करना चाहिए। फिर उन्होंने मजाकिया अंदाज में काजोल को गले लगा लिया। ट्विंकल ने कहा मजाक में कहा कि हमारा एक एक्स कॉमन है, लेकिन हम बता नहीं सकते। इस पर काजोल तुरंत हंस पड़ीं और ट्विंकल को चुप रहने के लिए कहा।

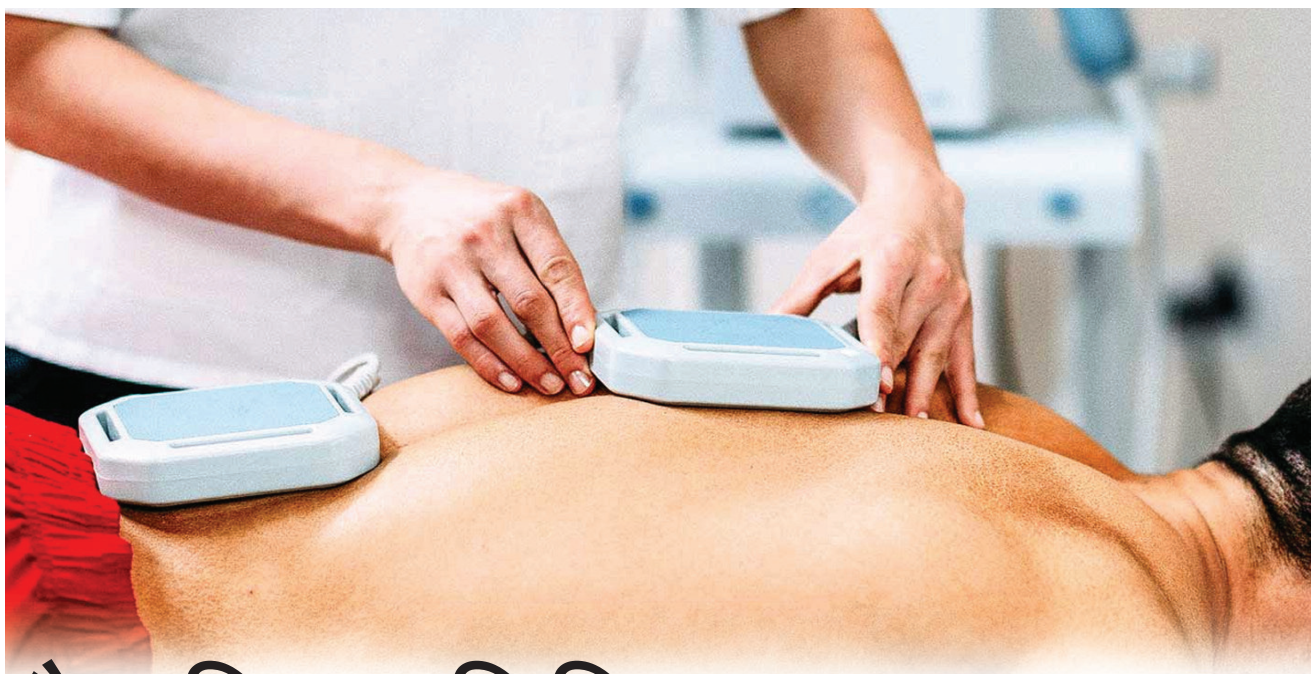

वैकल्पिक चिकित्सा की राह मैग्नेटिक थेरेपी

कैसे बनाएं कॅरियर

एक मैग्नेटो चिकित्सक को मैग्नेटोमीटर के सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए, जो एक चुंबक के ध्रुवों को निर्धारित करता है। इसके अलावा आपको चुंबकीय चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों की भी सही जानकारी होनी चाहिए।

मैग्नेटिक थेरेपी, जिसे मैग्नेट थेरेपी या मैग्नो थेरेपी भी कहा जाता है, वास्तव में एक वैकल्पिक चिकित्सा उपचार है, जिसमें विभिन्न रोगों के उपचार के लिए चुंबक का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बेहद सिंपल, इफेक्टिव, सुरक्षित व पूरी तरह से दर्दरहित प्राकृतिक उपचार है। चुंबकीय चिकित्सा को एक विज्ञान के साथ-साथ एक कला के रूप में माना जाता है, क्योंकि इसमें मानव के विभिन्न अंगो, रोगों को जानने के साथ-साथ व मैग्नेट के उचित उपयोग को जानना भी उतना ही जरूरी है। विज्ञान में, चुंबकीय चिकित्सा एक्यूपंक्चर के समान है। वहीं कला में, इसमें विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए शरीर के विभिन्न हिस्सों पर विभिन्न आकारों और शक्तियों के मैग्नेट का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बेहद डिफरेंट चिकित्सा थेरेपी है। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं कॅरियर-

स्किल्स

एक मैग्नेटो चिकित्सक को मैग्नेटोमीटर के सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए, जो एक चुंबक के ध्रुवों को निर्धारित करता है। इसके अलावा आपको चुंबकीय चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों की भी सही जानकारी होनी चाहिए। इसके अलावा उन्हें मानव शरीर व उसके महत्वपूर्ण अंगों की रचना व उसके विज्ञान के बारे में भी पता होना चाहिए।

शैक्षणिक योग्यता

भारत में केवल कुछ ही संस्थान मैग्नेट थैरेपी पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहे हैं। मैग्नेट थेरेपी में सर्टिफिकेट, डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता 10+2 है और पीजी पाठ्यक्रमों के लिए स्नातक होना आवश्यक है। डिप्लोमा कोर्स की अवधि 1 वर्ष की है और स्नातक और स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स 2 वर्ष का है। कुछ संस्थान शार्ट टर्म डिप्लोमा और मास्टर डिप्लोमा कोर्स भी करवाते हैं, जिनकी अवधि एक से तीन महीने की होती है।

नौकरी की संभावनाएं

एक मैग्नेटिक थेरेपिस्ट प्राइवेट व पब्लिक हॉस्पिटल, नेचुरोपैथी हॉस्पिटल या वैकल्पिक उपचार चिकित्सा केन्द्रों में काम कर सकते हैं। इसके अलावा मैग्नेटिक थेरेपिस्ट इंडिपेंडेंट प्रैक्टिस भी कर सकते हैं। इतना ही नहीं, वह उपचार के लिए मैग्नेटिक ज्वैलरी, ब्रेसलेट व अन्य उत्पादों को भी बेच सकते हैं।

आय

एक मैग्नेटिक थेरेपिस्ट की आय असीमित है। उनकी आय उनके चिकित्सीय कौशल पर निर्भर करती है। सेल्फ इंपलायड मैग्नेटिक थेरेपिस्ट घंटे के हिसाब से चार्ज करते हैं। उनका एक सेशन करीबन 20 से 30 मिनट का होता है।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, कोलकाता
- एक्यूप्रेशर रिसर्च, टेनिंग व टीटमेंट इंस्टीट्यूट, जोधपुर
- ऑल इंडिया पैरा मेडिकल टेक्नोलॉजी एंड अल्टरनेटिव मेडिकल काउंसिल, लुधियाना
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरोपैथी, पुणे
- कॉलेज ऑफ क्लिनकिल मैग्नेटोलॉजी और प्राण हीलिंग कॉलेज, त्रिशूर
- इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, कोलकाता
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, बैंगलोर
- महेन्द्र इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, जयपुर

घरेलू महिलाओं के लिए बेस्ट है यह पार्ट टाइम जॉब

फ्रीलांस राइटर भी एक ऐसी जॉब है, जिसे घर से ही किया जा सकता है। अगर आपकी लेखनी में दम है तो आप अपने लिखे लेखों, कविताओं, कहानियों व स्क्रिप्ट आदि को अखबार से लेकर मैगजीन, ऑनलाइन वेबसाइट आदि को भेज सकती हैं। आज के समय में अधिकतर महिलाएं वर्किंग हैं, लेकिन कुछ महिलाएं ऐसी भी हैं, जो फुल टाइम घर-परिवार की जिम्मेदारी उठाना पसंद करती हैं। ऐसे में जॉब करने की जगह पूरा दिन घर को ही देती हैं। लेकिन घर पर रहकर भी अगर आप आर्थिक जिम्मेदारी में अपना सहयोग देना चाहती हैं तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। ऐसे कई पार्ट टाइम जॉब या काम हैं, जिसे महिलाएं घर से रहकर भी कर सकती हैं और अच्छी खासी आमदनी कर सकती हैं। तो चलिए जानते हैं ऐसे कही कुछ काम के बारे में-

ट्यूटर - अगर आपके पास दिन का समय खाली होता है तो आप उस समय अपने आस-पड़ोस के बच्चों को पढ़ा सकती हैं। वर्तमान समय में, बच्चों की पढ़ाई इतनी टफ होती जा रही है कि पैरेंट्स बच्चों के लिए ट्यूटर रखना पसंद करते हैं। अगर आप बच्चों को अच्छी तरह हैंडल करके उन्हें पढ़ा सकती हैं तो बतौर ट्यूटर काम कर सकती हैं।

बेबी सिटर - चूंकि अधिकतर घरों में महिलाएं वर्किंग हैं और इसलिए उन्हें अपने छोटे बच्चों को संभालने के लिए बेबी सिटर की जरूरत होती है। यूं तो आजकल कई क्रच पहले से ही मौजूद हैं, लेकिन उनकी फीस बहुत अधिक होती है और समय भी सुनिश्चित होता है। लेकिन अगर आप घर में बच्चों के लिए किफायती दाम पर अच्छी सुविधाएं व माहौल रखती हैं तो यकीनन पैरेंट्स बच्चों को संभालने की जिम्मेदारी आपको सौंपेंगे। अगर आपको छोटे बच्चों के साथ वक्त बिताना अच्छा लगता है तो आप बतौर बेबी सिटर काम शुरू कर सकती हैं।

कॉल सेंटर एजेंट - आज के समय कॉल सेंटर एजेंट बनने के लिए आपको नौ से पांच की जॉब करने की आवश्यकता नहीं है। टेवल से लेकर हॉस्पिटैलिटीज से जुड़ी कई कंपनियां अब घरेलू महिलाओं को भी यह काम मुहैया करा रही है। अगर आपको अपना अधिकतर समय फोन पर गुजारने और कस्टमर्स की मदद करने से कोई परहेज नहीं है तो आप घर से बतौर कॉल सेंटर एजेंट बनकर काम कर सकती हैं।

लेखक - फ्रीलांस राइटर भी एक ऐसी जॉब है, जिसे घर से ही किया जा सकता है। अगर आपकी लेखनी में दम है तो आप अपने लिखे लेखों, कविताओं, कहानियों व स्क्रिप्ट आदि को अखबार से लेकर मैगजीन, ऑनलाइन वेबसाइट आदि को भेज सकती हैं। एक बार अगर आपका लिखा गया लेख उन लोगों को पसंद आता है तो आपको घर बैठे ही काफी अच्छा काम मिल सकता है।

हॉबी को कॅरियर- अगर आपके लिए बाहर जाकर जॉब करना संभव नहीं है तो आप अपनी हॉबी को ही घर से अपना करियर बना सकती हैं। मसलन, अगर आपको पेंटिंग पसंद है तो आप घर से ही पेंटिंग बना सकती हैं और फिर एक्जीबिशन लगा सकती हैं। इस तरह आप मेहंदी आर्टिस्ट बनकर या फिर मेकअप आर्टिस्ट बनकर भी घर से आसानी से काम कर सकती हैं।

ऑनलाइन जॉब - अगर आप घर बैठकर अच्छी आमदनी करना चाहती हैं तो ऑनलाइन जॉब सबसे बेहतर ऑप्शन है। जैसे आप वीडियो बनाकर यूट्यूब के जरिए आमदनी करें या फिर ऑनलाइन ट्यूटर, लैंग्वेज टीचर, योगा टीचर आदि बनकर काम कर सकती हैं। इसके अलावा आप ऑनलाइन सर्वे से लेकर ट्रांसक्रिप्शनिस्ट व ब्लॉगर आदि बनकर कमाई कर सकती हैं।

कॅरियर को बेहतर बनाने के लिए अपनाएं यह आसान टिप्स

कॅरियर को बेहतर बनाने के लिए बड़े लक्ष्यों से पहले छोटी सफलताओं पर फोकस करना जरूरी है। आप दो साल बाद या पांच साल बाद खुद को कहां देखते हैं, सिर्फ यही सोचना काफी नहीं है। बल्कि उस जगह तक पहुंचने के लिए रास्ता आपको आज से ही तय करना है। जीवन में हर व्यक्ति सफलता पाने की चाह रखता है और इसके लिए वह कड़ी मेहनत भी करता है। लेकिन हर व्यक्ति को कॅरियर में सफलता नहीं मिलती। ऐसे में व्यक्ति यह सोचता है कि आखिरकार सफल लोग ऐसा क्या करते हैं या फिर उनमें ऐसी कौन सी खासियत है, जिनसे उनके हाथ सिर्फ तरक्की लगती है। अगर आप भी ऐसा ही सोचते हैं तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। कॅरियर को बेहतर बनाना वास्तव में इतना भी कठिन नहीं है। बस आपको कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना होता है। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि कॅरियर को बेहतर बनाने के लिए आपको क्या करना चाहिए

बनाएं छोटे गोल्स

कॅरियर को बेहतर बनाने के लिए बड़े लक्ष्यों से पहले छोटी सफलताओं पर फोकस करना जरूरी है। आप दो साल बाद या पांच साल बाद खुद को कहां देखते हैं, सिर्फ यही सोचना काफी नहीं है। बल्कि उस जगह तक पहुंचने के लिए रास्ता आपको आज से ही तय करना है। बड़ी सफलता प्राप्त करने के लिए उसे छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लें। मसलन, कॅरियर में जो मुकाम आप हासिल करना चाहते हैं, उसके लिए आपके भीतर कौन-कौन सी क्वालिटी होनी चाहिए और अपने स्किल्स को इंप्रूव करने के लिए आप क्या करते हैं, यह भी बेहद जरूरी है। इसलिए हर दिन कुछ छोटे-छोटे गोल्स तय करें। जब आप ऐसा करेंगे तो बड़ी सफलता आपको खुद ब खुद मिल जाएगी।

स्मार्ट वर्क

आज के समय में सिर्फ हार्ड वर्क करना ही काफी नहीं है, बल्कि यह भी जरूरी है कि आप स्मार्ट वर्क करना सीखें। अगर आप कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन उसे कोई नोटिस नहीं करता या फिर उसका श्रेय कोई और ले लेता है तो इससे आप कभी भी अपने करियर को बेहतर नहीं बना पाते। इसलिए अपने काम पर फोकस करने के साथ-साथ आप इस बात का भी ध्यान दें कि वह आपके सीनिर्यस की नजर में आए। आप चाहें तो अपने द्वारा किए गए कार्य को सोशल मीडिया पर पोस्ट करें व अपने सीनियर्स से फीडबैक लें। इस तरह आपका काम दूसरों की नजर में आएगा और आपकी सफलता के चांसेज बढ़ेंगे।

बनाएं नेटवर्क

वर्तमान समय में कॅरियर को बेहतर बनाने में नेटवर्क भी बेहद काम आता है। जब आप अपनी फील्ड में लोगों से जुड़े होते हैं और उनसे आपके बेहतर संबंध होते हैं तो कोई भी अवसर आपसे छूटता नहीं है। हो सकता है कि आपको इंटरनेट या अन्य तरीकों से सिर्फ जॉब के बारे में पता चले, लेकिन जब उस कंपनी में जॉब करने वाला कोई व्यक्ति आपका जानकार होता है तो आपको कंपनी की पॉलिसी व उसके माहौल के बारे में भी पता चलता है, जिससे आपके लिए यह डिसाइड करना आसान हो जाता है कि आपके लिए वहां जॉब करना सही रहेगा या नहीं। बेहतर नेटवर्क एक नहीं, बल्कि कई तरीकों से आपके कॅरियर को बेहतर बनाने में मदद करता है।

ऑफिस शिष्टाचार

अमूमन लोग सोचते हैं कि सिर्फ अच्छा काम करके ही सफलता प्राप्त की जा सकती है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। आपके काम की क्वालिटी के साथ-साथ अन्य कई चीजों को भी ऑफिस में नोटिस किया जाता है। जैसे आपके अपने कलीग्स के साथ कैसे रिश्ते हैं। आप ऑफिस समय पर आते हैं या नहीं, आपको डेडलाइन पर काम करने की आदत है या नहीं, इसके अलावा बॉडी लैंग्वेज व अन्य कई बातों पर भी ऑफिस में बॉस व सीनियर्स ध्यान देते हैं। इसलिए अपने कॅरियर को बेहतर बनाने के लिए आप हर छोटी-छोटी बात पर ध्यान दें।

जेईई परीक्षा की तैयारी में मील का पत्थर साबित होंगे यह टिप्स

जेईई की तैयारी करते समय आपका माइंड एकदम क्लीयर होना चाहिए। आप सबसे पहले बेसिक और महत्वपूर्ण कॉन्सेप्ट को ध्यान से पढ़ें। इसके लिए आप एनसीईआरटी की किताबों के अलावा आप कुछ लिमिटेड जेईई रेफरेंस बुक की मदद लें।

देश भर में स्थित कई में मेधावी छात्रों को प्रवेश देने के लिए हर साल जेईई आयोजित करता है। जो छात्र जेईई को एक टॉप स्कोर के साथ पास करना होता है। यह नेशनल लेवल का एक बेहद टफ एंट्रेंस एग्जाम है और बिना तैयारी के इसे क्लीयर कर पाना या अच्छे स्कोर प्राप्त करना काफी कठिन होता है। जेईई दो चरणों में आयोजित किया जाता है- जेईई मेन्स और जेईई एडवांस्ड। छात्रों को जेईई एडवांस में आने के लिए पहले जेईई मेन्स क्वालिफाई करना पड़ता है। जेईई में प्राप्त अंक और रैंक ही छात्रों के भाग्य का फैसला करते हैं। टॉप स्कोरर को आसानी से टॉप आईआईटी संस्थान में दाखिला मिल जाता है। इतना ही नहीं, वह अपनी मनपसंद ब्रांच में पढ़ाई कर सकते हैं। हालांकि यह सब करना इतना आसान नहीं है। अगर आप सच में जेईई में अच्छे अंक लाना चाहते हैं तो आपको हार्डवर्क के साथ-साथ स्मार्ट वर्क करना होगा। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं, जो जेईई एग्जाम की तैयारी में आपके लिए काफी मददगार साबित होंगे

महत्वपूर्ण कॉन्सेप्ट को करें क्रैक

जेईई की तैयारी करते समय आपका माइंड एकदम क्लीयर होना चाहिए। आप सबसे पहले बेसिक और महत्वपूर्ण कॉन्सेप्ट को ध्यान से पढ़ें। इसके लिए आप एनसीईआरटी की किताबों के अलावा आप कुछ लिमिटेड जेईई रेफरेंस बुक की मदद लें।

टाइम मैनेजमेंट

जेईई की तैयारी के लिए आपको सबसे ज्यादा जिस बात का ध्यान रखना है, वह है टाइम। इस साल से भले ही सवालों की संख्या कम हो गई हो, लेकिन प्रश्न काफी कठिन हो गए हैं। जिसके कारण आपको समय का खास ख्याल रखना होता है। जेईई की तैयारी के दौरान ही आपको टाइम पर अधिक फोकस करना होगा। अगर आप एक उचित रणनीति बनाकर परीक्षा की तैयारी करते हैं तो आपके लिए एग्जाम को क्रैक करना इतना भी मुश्किल नहीं होगा। साथ ही आप एग्जाम की तैयारी के साथ-साथ रिवीजन पर भी ध्यान दें, ताकि आप आगे बढ़ते हुए पीछे का भूलते ना जाएं।